जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरुवार 28 जुलाई, 2022

ओसवाल सोप ग्रुप
OSWAL SOAP GROUP
SINCE
ओसवाल
1956
हर रिश्ते का रखे ख्याल...
6 करोड़ परिवारों का विश्वास
जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल
क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला
ओसवाल सोप
1kg डिशवॉश टब
1kg व्हाइट सोप
1kg वॉशिंग पाउडर
1kg डिटर्जेंट पाउडर
100g नहाने का साबुन
100g ग्लिसरिन बाथ सोप
250ml लिक्विड हैंड वॉश
500ml लिक्विड डिशवॉश
1Ltr. डिटर्जेंट लिक्विड
1Ltr. टॉयलेट क्लीनर
500ml ग्लास क्लीनर
550ml फ्लोर क्लीनर
1kg चाय पत्ती
250g डस्ट चाय
1kg देसी खांड
1kg बासमती चावल
800g पोहा
500g हल्दी पाउडर
1kg मिर्च पाउडर
500g धनिया पाउडर
1kg जीरा
1kg सैंधा नमक
1kg काला नमक
1Ltr. 500ml 5Ltr. कच्ची घानी तेल
1Ltr. 500ml 5Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल
1Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच
5Ltr. 1Ltr. मूंगफली तेल
50g अगरबत्ती
घास की झाड़ू
1kg चना दाल
1kg मूंग दाल
1kg हरी मूंग दाल
1kg काबुली चना
1kg तूअर दाल
1kg उड़द धुली दाल
नियम व शर्तें लागू, ऑफर स्टॉक रहने तक मान्य, सभी ऑफर्स को सूचना दिये बिना बदला जा सकता है।
ओसवाल रिटेल शॉप्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें
Follow us on :
OswalSoap.com
अधिक जानकारी के लिए
+91 9116171956, 9680201956 पर कॉल करें
Marketed by Uttam Chand Desraj
नकली माल से सावधान
अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद
स्कैन करें और ओसवाल के उत्पाद खरीदें।
GET IT ON Google Play

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

ARBiT

Jodha Bai: A Life Lost To Sadness

Jodha Bai had a tragic personal life. Till the first 7 years of marriage she did not conceive after the first child, who died in infancy.

Your Daily Hair Regimen

Telescope Detects Radio 'Heartbeat'

Hoping to catch the additional burst soon.

स्पॉटेड हायना (लकड़बग्घे की एक प्रजाति) ने तंज़ानिया के विख्यात सैरेन्गोटी नैशनल पार्क में जलवायु परिवर्तन से अनुकूलन कर लिया है। यह देखकर शोधकर्ता हैरान हैं, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि, बारिश का पैटर्न बदलने से इन्हें बच्चों पर ध्यान देने की बजाय शिकार ढूंढने के लिए ज्यादा समय देना पड़ता होगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि, गत तीन दशकों के आंकड़े देखें तो सैरेन्गोटी में बारिश ज्यादा होने लगी है और ब्लू विल्डबीस्ट जैसे शाकाहारी जानवरों के झुंडों के माइग्रेशन का समय भी बदल रहा है। इसका अर्थ है कि, हायना को हमेशा जिस स्थान पर तथा जिस समय भोजन मिलता आया है, वहां शायद ना मिले। जर्नल इकोस्फिअर में प्रकाशित शोध में मुख्य लेखक मॉर्गैन ज़ीकैल ने कहा, गत दशक में माइग्रेशन करने वाले झुण्ड हायना की टैरिटरी में देर से आ रहे हैं। विल्डबीस्ट व अन्य प्रवासी जंतु, जैसे ज़ीब्रा और थॉमसन्स गज़ैल स्पॉटेड हायना का प्रमुख भोजन हैं। जब इनके झुण्ड नहीं होते हैं तब हायना अन्य नॉन माइग्रेटरी जीवों, जैसे बफलो, टोपी एवं इम्पाला जैसे एंटीलोप खाते हैं। जून के आसपास विल्डबीस्ट भोजन व पानी के लिए पार्क के उत्तर पश्चिम भाग में जाते हैं व अक्टूबर में वर्षा आने पर लौटते हैं। इनके साथ लाखों ज़ीब्रा व गज़ैल भी माइग्रेशन करते हैं। ज़ीकैल व उनके सहयोगियों ने सैरेन्गोटी नैशनल पार्क में 1.48 मिलियन हैक्टेयर में फैले हायना के तीन अलग-अलग समूहों की गुफाओं के 30 साल के डेटा का अध्ययन किया। हायना वर्ष भर प्रजनन करते हैं और शोधकर्ता सोच रहे थे कि नवजात बच्चों को दूध पिलाने वाली मादाओं का गुफा के आसपास रहना कम हो गया होगा, क्योंकि उन्हें अपना दूध बढ़ाने के लिए भोजन की तलाश में दूसरी जगह पर ज्यादा समय देना पड़ता होगा। लेकिन आंकड़ों से सामने आया कि बारिश ज्यादा होने के साथ ही जब हायना की टैरिटरी में माइग्रेटरी जानवरों की संख्या कम हो गई, तब भी बच्चों को दूध पिलाने वाली मादाएं अपनी गुफा पर बच्चों के साथ उतना ही समय बिता रही थीं, जितना पहले बिताती थीं। गुफाओं के पास मादा हायना की उपस्थिति के समय में परिवर्तन नहीं होना इस आइडिया से मेल खाता है कि, जब स्पॉटेड हायना के वातावरण में परिवर्तन होता है तब भी उनकी प्रतिक्रिया आमतौर पर लचीली होती है, अर्थात् वो आसानी से बदलाव के साथ अनुकूलन कर लेते हैं और मजबूत रहते हैं।

महाराष्ट्र में 30 जून से नयी सरकार ने कार्यभार संभाला

पर अभी दो ही कैबिनेट मंत्री, शिंदे व फड़नविस हैं मंत्रिमण्डल में

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिन्दे की गठबंधन सरकार, जिसमें भाजपा एवं शिवसेना का विद्रोही गुट शामिल हैं, के मंत्रिमंडल में पिछले 27 दिन से, अर्थात् 30 जून से केवल दो ही व्यक्ति हैं। इसके विस्तार की कोई सन्निकट सम्भावना दिखाई न देने के कारण, राज्य के 13 करोड़ लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जून के महीने में, एकनाथ शिन्दे तथा फड़नवीस ने भाजपा हाईकमान के निर्देशों और आशीर्वाद के साथ, एक साथ मिलकर सेना के विधायकों को उद्धव ठाकरे से अगल करके उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिरा दी थी।

जहाँ नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी ने विरोध प्रदर्शन करते हुये, माँग की है कि राज्य सरकार को तत्काल विधानसभा सत्र बुलाना चाहिये तथा मंत्रिमंडल में मंत्रियों की नियुक्ति करनी चाहिये, वहीं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस मुद्दे पर आँखें बंद किये हुये है। दरअसल, भाजपा नेतृत्व को डर है कि, मंत्रिमंडल विस्तार से अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है, क्योंकि

- **भाजपा, विधायकों की दृष्टि से सबसे बड़ी पार्टी है महाराष्ट्र में, अतः स्वाभाविक ही भाजपा विधायकों की शिकायत है कि, हमें क्या मिला। उनका कहना है, फड़नविस को कम से कम उपमुख्यमंत्री का ओहदा व सुविधाएं तो मिलीं।**
- **शिव सेना विधायकों से भी बहुत लम्बे-चौड़े वादे किये गये थे, ठाकरे सरकार को गिराते समय, वे विधायक भी वादे पूरे होने की आस लगाये बैठे हैं।**
- **फड़नविस ने भी मन मार कर, उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार किया था, अतः अपनी कुर्बानी के एवज में, कम से कम भारी विभाग तो चाहते हैं।**
- **दूसरी ओर शिंदे बड़े विभाग, पी.डब्ल्यु.डी., होम व फाइनैंस अपने पास रखना चाहते हैं।**
- **इन सब दुविधाओं के बीच शिंदे व फड़नविस, कम से कम पांच बार दिल्ली की यात्रा कर चुके हैं और नड्डा व शाह से मिले हैं, पर, अभी दुविधा सुलझती नज़र नहीं आ रही है।**
- **एक वयोवृद्ध ठाकरे समर्थक, शिव सेना नेता ने कटाक्ष किया, ''सरकार तो बनती नहीं बी.एम.सी. का चुनाव जीतेंगे।''**

भाजपा विधायक भी मंत्री पद की माँग कर रहे हैं इसलिए शिव सेना के कुछ विद्रोही विधायक असंतुष्ट हो सकते हैं।

शिन्दे तथा फड़नवीस की जोड़ी के लिए ठाकरे सरकार गिराना कदाचित् आसान था। उन्होंने जाँच एजेंसियों की धमकियों तथा मंत्री पद की पेशकश के जरिये ठाकरे सरकार को गिरा दिया था, क्योंकि इस दोनों कारणों से, शिवसेना विधायक भाजपा की गोद में बैठने के लिये भागे थे। लेकिन बाद की खुशी बड़ी अल्पजीवी सिद्ध हुई।

मुख्य समस्या लूट के माल के बंटवारे की है। उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराने की जल्दबाजी में, शिन्दे और फड़नवीस ने सेना को छोड़ने वाले विधायकों से बड़े-बड़े वादे कर दिये और अब उन वादों को पूरा करने में मुश्किल आ रही है तथा ''बिग ब्रदर'' के रुप में भाजपा अधीरता दर्शाते हुये अपेक्षाकृत बड़े हिस्से के लिये दावा कर रही है।

फड़नवीस, जो पिछली भाजपा-शिवसेना सरकार में मुख्यमंत्री थे, पर अपने अहम् को भूल जाने के लिये दबाव पड़ा तथा परिणामस्वरुप, उन्हें शिन्दे (जिन्होंने कभी उनके अधीन काम किया था) के नीचे अनिच्छापूर्वक उपमुख्यमंत्री बनने के लिये सहमत होना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डब्ल्यु.एच.ओ. ने ''मंकीपॉक्स'' को ''ग्लोबल एमरजैंसी'' सही आंका

हालांकि ''मंकीपॉक्स'' नयी बीमारी नहीं है, पहला मरीज 1970 में मिला था, परन्तु वर्तमान में इसका प्रकोप पचहत्तर देशों में दिख रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। जिस दिन डब्ल्यु.एच.ओ. ने मंकीपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य संकट घोषित किया, उसके सिर्फ एक दिन बाद, यानी रविवार को ही दिल्ली में इसका पहला केस सामने आ गया। इस महीने के शुरु में, केरल में इसका पहला केस मिलने के बाद, कुल मिलाकर यह देश का चौथा केस है।

जहाँ कोविड-19 महामारी अभी तक चक्कर लगा रही है, वहीं मंकीपॉक्स वायरस के कारण लोगों में चिन्ता एवं अस्तव्यस्तता पैदा हो जाना स्वाभाविक ही है।

सर्वप्रथम तो, मौजूदा मान्यता के विपरीत, मुख्य बात तो यह है कि मंकीपॉक्स कोई नई बीमारी नहीं है। मनुष्य में मंकीपॉक्स का पहला केस 1970 में रिकॉर्ड किया गया था। मंकीपॉक्स एक ऐसा वायरस है, जो बंदरों तथा रोडैन्ट्स (चूहा गिलहरी आदि जानवरों) द्वारा फैल सकता है। तथापि, जैसा कि इस वायरस का नाम दर्शाता है, उसके विपरीत, मंकीपॉक्स अधिकांशतः मनुष्यों के बीच के अन्तरंग सम्पर्कों के जरिये फैलता है। हालांकि, इसकी तुलना यदि चेचक (स्मॉलपॉक्स) से की जाये, तो मंकीपॉक्स को उसी के समान किन्तु उसकी अपेक्षा मन्द लक्षणों वाला रोग माना जा सकता है, लेकिन यह एक संक्रामक रोग है।

- **महामारी घोषित होने का एक और बड़ा कारण है कि, यह बीमारी बहुत संक्रमित है। बहुत जल्दी व आसानी से जनता में फैल जाती है।**
- **महामारी घोषित करने का दूसरा बड़ा कारण है, इस बीमारी के बारे में भ्रांति, गलतफहमियां और चिंता भी अनावश्यक रूप से बहुत जल्दी फैली हैं। एमरजैंसी की स्थिति घोषित होने से यह आशा की जाती है कि, जनता को सही जानकारी मिलेगी और इलाज भी तेजी से फैलेगा तथा जनता बचाव के सही रास्ते पर चलेगी।**

जब मंकीपॉक्स की जानकारी सबसे पहले सामने आई थी, उस समय से पूरी दुनिया में, कई सालों में गिनती के कुछ केस ही सामने आये थे। तथापि, इस साल, मई 2022 से इस रोग के मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। डब्ल्यु.एच.ओ. के अनुसार, इस साल मई से लेकर अब तक इसके 16000 केस आ चुके हैं। इस समय, इसके अधिकांश केस यूरोप तथा उत्तरी अमेरिका में ही मिले हैं।

एन.डी.टी.वी. के एक अपडेट के अनुसार, कोविड-19 तथा अन्य बहुत सी संक्रमित होने वाली बीमारियों से अलग हटकर मंकीपॉक्स हवा से फैलने वाला वायरस नहीं है तथा आमतौर पर मन्द तथा यदा-कदा ही प्राणघातक सिद्ध होने वाला वायरस है। लेकिन, यह संक्रामक जरुर है तथा इससे पैदा होने वाले लक्षण एक-दो सप्ताह तक बने रह सकते हैं।

वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यु.एच.ओ.) ने कई अन्य कारणों से इसे एक वैश्विक आपदा घोषित किया है। एक तो यह कि, पूरी दुनिया के करीब 75 देशों में मंकीपॉक्स के केसों में वृद्धि दर्ज की गई है। अफ्रीका में इससे अब तक 4 जनों की मौत होने की खबर है।

मंकीपॉक्स के बेहद संक्रामक होने के अलावा, इसकी पुष्टि के लिए टैस्ट करना भी कठिन हैं। भारत में पिछले दो माह में मंकीपॉक्स के चार केस दर्ज किए गए हैं। तथापि, इसकी मैडिकल जांच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महिला सांसद से बेअदबी!

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। संसद के प्रवेश द्वार, संख्या दो पर अपनी पार्टी के तीन अन्य सांसदों के साथ बैठी तमिलनाडू की कांग्रेस सांसद ज्योतिमणी सेन्नीमलाई (47) के साथ सुरक्षा कर्मियों द्वारा हाथापाई की गई और इस मारपीट में उनकी सलवार घुटनों के पास से फट गई। सेन्नीमलाई को इससे पूर्व पूरे मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया था।

- **कांग्रेस सांसद ज्योतिमणी सेन्नीमलाई ने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि, निलंबन के बाद सुरक्षाकर्मियों ने उनके साथ हाथापाई की और उनकी सलवार घुटनों के पास से फट गई।**

उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''देखिए एक महिला सांसद के साथ कैसा बर्ताव किया गया है। हम दूसरों के लिए संघर्ष कर रहे हैं तथा सरकार की ऐसी चालबाजियों से हम नहीं डरेंगे। ''प्रवेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सरकार ने ''मनी लॉण्डरिंग एक्ट'' को हथियार बना लिया है'

गुलाम नबी आज़ाद ने यह भी कहा कि, जब नैशनल हैरल्ड प्रकरण में सारे कागजात ई.डी. के पास हैं तो सोनिया जी को बुलाने व पूछताछ की क्या जरूरत है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। आज, जब सोनिया गांधी तीसरी बार एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) के समक्ष उपस्थित हुईं, तो कांग्रेस ने कहा कि देश में ''ई.डी. आतंक'' छाया हुआ है क्योंकि सरकार ने प्रिवैंशन ऑफ मनी-लॉन्डरिंग एक्ट को ''हथियार'' बना लिया है।

सूत्रों ने कहा कि, अब तक हुई दो बार की उपस्थितियों के दौरान, 75-वर्षीय सोनिया गांधी से आठ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की जा चुकी है जिसमें उन्होंने 65-70 प्रश्नों का सामना किया। आज उनसे 3 घंटे से अधिक समय तक की गई पूछताछ के दौरान, एजेंसी ने उनसे 30-40 प्रश्न और पूछे। सूत्रों ने आगे कहा कि, आगे और पूछताछ के लिये अभी तक उन्हें कोई नया सम्मन नहीं दिया गया है।

इससे पहले, यहाँ ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर एक संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुये, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जिनके साथ जी-23 ग्रुप के सदस्य गुलाम नबी आज़ाद तथा आनन्द शर्मा भी मौजूद थे, ने कहा, ''देश में ई.डी. आतंक छाया हुआ है। सरकार एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है, जैसा कि हमने अभी-अभी महाराष्ट्र में देखा था।''

- **जैसा कि मालूम पड़ा, ई.डी. ने तीसरे दिन सोनिया गांधी से तीस-चालीस सवाल पूछे। पहले व दूसरे दिन लगभग 65-70, सवाल पहले ही पूछे जा चुके हैं।**
- **गुलाम नबी का कहना था, अब केवल ''टैक्निकल'' सवाल ही बचे हैं पूछने के लिये।**
- **आनंद शर्मा ने कहा, प्रजातंत्र में हथियार तो केवल सेना के पास होते हैं, समाज तो कानून कायदों से चलता है, पर मोदी सरकार ने तो ई.डी. का ''वैपनाइज़ेशन'' कर दिया है, (हथियार बना दिया है) तथा देश में भी ई.डी. का आतंक फैला रखा है।**

आनन्द शर्मा ने कहा, ''पी.एम.एल.ए. को हथियार का रूप दे दिया गया है, जबकि लोकतंत्र में हथियार केवल सेना के पास रहते हैं तथा समाज कानून के शासन द्वारा संचालित हुआ करता है।'' संसद के दोनों सदनों से कई सांसदों के निलम्बन के मुद्दे को उठाते हुये, गहलोत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बार में बीफ भी बेचा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। यह बात केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के लिए और परेशानी का सबब बन गई है कि, गोवा के आसनगांव स्थित उनकी पुत्री के सिली सोल्स कैफ़े एण्ड बार में गाय के मांस के व्यंजन परोसे जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर सार्वजनिक,

- **स्मृति ईरानी की बेटी के ''सिलि सोल्स कैफे एण्ड बार'' का मीनू सोशल मीडिया पर खूब ट्रैण्ड कर रहा है।**

इस कैफ़े के मैन्यु कार्ड में गाय की जीभ और सुअर के व्यंजनों का बढ़चढ़कर उल्लेख किया गया है।

पिछले सप्ताह जब एक आर.टी.आई. में इस कैफ़े को अवैध रुप से दिए गए लायसैंस के बारे में जानकारी चाही गई थी, तब यह विवाद उठा था और मंत्री ने बार संचालन में अपनी पुत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार का दावा है राजस्थान में सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा व जांच उपलब्ध है

पर, जांच की सुविधा का क्या मतलब, जबकि प्रतिष्ठा की दृष्टि से सबसे ऊपर आंके जाने वाले सरकारी मैडिकल कॉलेज से सम्बद्ध कोई भी अस्पताल एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित नहीं है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 27 जुलाई। प्रदेश में एक भी सरकारी मैडिकल कॉलेज से संबंधित अस्पताल नैशनल एक्रडिशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एण्ड हैल्थकेयर प्रोवाइडर्स'' (एन.ए.बी.एच.) द्वारा प्रमाणित नहीं है।

जैसा कि विदित है, एन.ए.बी.एच., केन्द्र सरकार के ''क्वालिटी काउन्सिल'' के अंतर्गत गठित एक ''बोर्ड'' है, जो सरकार तथा प्राइवेट अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुधारता है, निगाह रखता है तथा अस्पतालों द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मानक तय करता है। एन.ए.बी.एच. अन्तर्राष्ट्रीय मानदंडों का अनुसरण करता है। यह ''बोर्ड'' अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा तथा मरीजों को दी जा रही सुविधा की गुणवत्ता को परखता है और फिर अस्पताल का अधिस्वीकरण करता है।

परन्तु उल्लेखनीय है कि, राजस्थान में कोई सरकारी मैडिकल कॉलेज और उससे सम्बद्ध अस्पताल एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित नहीं है, यहां तक कि, प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल और मैडिकल कॉलेज एस. एम.एस. अस्पताल भी एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित नहीं है, और इस अस्पताल की मैडिकल लैब भी ''नैशनल एक्रडिशन बोर्ड फॉर टैस्टिंग लैब्स'' (एन.ए.बी.एल.) द्वारा प्रमाणित नहीं है। जैसा कि विदित है कि, एन.ए.बी.एल. किसी भी मैडिकल लैब की गुणवत्ता और ''मैडिकल टैस्ट'' करने की प्रक्रिया के मापदंड तय करता है, आंकता है और लैब का अधिस्वीकरण करता है।

- **केन्द्र सरकार ने ''क्वालिटी काउन्सिल'' के अंतर्गत एक बोर्ड गठित किया है, एन.ए.बी.एच. के नाम से। राजस्थान का कोई भी अस्पताल, यहां तक कि सवाई मानसिंह अस्पताल भी इस बोर्ड से अधिस्वीकृत नहीं है।**
- **ऐसा न होने से, न केवल भ्रष्टाचार पनपता है, बल्कि टैस्टिंग प्रक्रिया गलत होने से मरीज का इलाज भी गलत हो सकता है तथा उसका स्वास्थ्य बेवजह खतरे में पड़ सकता है।**

प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा और जांच की सुविधा है पर हैरानी की बात है कि इनमें कोई भी अस्पताल और उसकी लैब एन.ए.बी.एच. और ए.बी.एल. द्वारा प्रमाणित नहीं है जिससे ना केवल भ्रष्टाचार हो सकता है बल्कि टैस्टिंग प्रक्रिया गलत होने से मरीज की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है।

गौरफरमाने योग्य है कि, प्रदेश में 39 मैडिकल कॉलेज तथा संबंधित अस्पताल एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित होने का दावा करते हैं। यह सभी मैडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पताल प्राइवेट संस्थाओं या पार्टियों द्वारा चलाये जा रहे हैं। इन 39 अस्पतालों में से 28 जयपुर में हैं। तीन उदयपुर में, दो जोधपुर और अलवर, सीकर, झुंझुनूं, अजमेर और कोटा में एक-एक ऐसे अस्पताल हैं, जो एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित हैं।

जैसा कि विदित है, स्वास्थ्य, राज्य और केन्द्र, दोनों की सूची का विषय है। गत महीने ''आर्काइव्ज़ ऑफ पैथॉलजी एण्ड लैबोरेटरी मैडिसन'' जर्नल में छपी एक रिसर्च में सामने आया कि, देश भर में 555 सरकारी मैडिकल कॉलेजों में से केवल 198 की मैडिकल लैब एन.ए.बी.एल. द्वारा प्रमाणित हैं।

यह रिसर्च, पी.जी.आई.एम.ई.आर. चंडीगढ़, गवरमैंट मैडिकल कॉलेज बारामती और मनिपाल अस्पताल बैंगलौर के शोधकर्ताओं ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी के 10 सवाल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को ''राजा'' के लिए 10 प्रश्न दागे। ज्ञातव्य है कि आजकल राहुल प्रधानमंत्री को राजा कहकर संबोधित करते हैं। उनका कहना था कि ये जनता से संबंधित वो प्रश्न हैं जिन्हें संसद के मानसून सत्र में उठाया जाना था।

- **राहुल गांधी ने कहा कि, इन सवालों को पूछने की कोशिश करने वालों से प्र.मंत्री इतने नाराज हो गये कि, 57 सांसदों को गिरफ्तार कर 23 को निलंबित करवा दिया।**

उन्होंने कहा ''उनकी तानाशाही देखिए कि, संसद में जो प्रश्न पूछे जाने थे उनको लेकर प्रधानमंत्री इतने खीज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

न्याय युक्त व्यवहार करना, सौंदर्य से प्रेम करना तथा सत्य की भावना को हृदय में धारण करके विनयशील बने रहना ही सबसे बड़ा धर्म है।

–डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

हमारी असामाजिकता का भविष्य क्या है?

स्वभावत: 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, वह समाज के बगैर एकान्त में नहीं रह सकता' यूनानी दार्शनिक अरस्तू का यह कथन आज भी सर्वमान्य है किन्तु शीर्षक इस कथन के विपरीत हमें यह सोचने को मजबूर कर देता है क्या समाज में असामाजिकता वर्तमान में पांव पसार चुकी है और फैलती जा रही है। प्रश्न यह भी है कि यदि असामाजिकता है तो समाज का भविष्य क्या होगा?

असामाजिकता के प्रश्न पर विचार करने से पूर्व फ्रांसीसी दार्शनिक रूसो का यह कथन याद करना समीचीन है कि 'मनुष्य सामाजिक प्राणी है किन्तु सभी जगह नियमों के बंधन से बंधा है' और नियमों की, स्वतंत्रता हेतु, पालना करना आवश्यक है। यह सामाजिक व्यवस्था की अनिवार्यता भी है। इस कसौटी पर देखा जाये तो सबसे पहले, कानून एवं व्यवस्था की स्थिति कमोबेश बद से बदतर होती जा रही है। पुलिस अधिकारियों पर राजनैतिक दबाव एवं नियन्त्रण के कारण दुरुपयोग के अधिकाधिक मामले सामने आ रहे हैं। हाल ही में जुबेर खां पत्रकार के खिलाफ आई.पी.सी. के अन्तर्गत राष्ट्रद्रोह एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के मामले उत्तर प्रदेश पुलिस ने दर्ज किये। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचने पर शीर्ष न्यायालय ने पुलिस के लिए सख्त टिप्पणी दर्ज करते हुये जुबैर खां के विरुद्ध दर्ज सभी मामलों में राहत देते हुये जमानत पर रिहा करने के आदेश दिये हैं। ऐसे अन्य प्रकरणों में भी निर्देश दिये गये। उत्तर प्रदेश सरकार की खान को आगे टिवट्र पर टिप्पणी से रोकने से सर्वोच्च न्यायालय ने मना कर दिया क्योंकि एक पत्रकार को उसे व्यवसाय कर्तव्य से वंचित नहीं किया जा सकता। कानून के उल्लंघन पर वह स्वत: दण्ड का भागी होगा।

कानून एवं नियमों की पालना न करने या जानबूझ कर उल्लंघन करने के अनेक मामले अखबारों एवं मीडिया चैनलों की सुर्खियों में रहते हैं जिनमें हाइवे टोल पर राजनेताओं द्वारा दबंगई एवं उनके सम्बन्धियों द्वारा ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामले भी शामिल हैं। राजनेताओं के गैर जिम्मेदार आचरण का प्रभाव आम जनता पर पड़ा है। ट्रैफिक नियमो को तोड़ने पर जुर्माने से बचने और छोटी–मोटी रिश्वत से काम चलाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। पुलिस द्वारा भीड़ को तितर–बितर करने के लिए मनमानी लाठी चार्ज, आँसू गैस छोड़ने के विरुद्ध उकसाई भीड़ में लोग विरोध करते हुये थाना जलाने और पुलिसकर्मियों पर आक्रमण करने का साहस जुटाते हैं।

हाल में अरावली पहाड़ियों के तले हरियाणा खनन क्षेत्रों में खनन माफियों द्वारा पुलिस अफसर पर जानलेवा ट्रक चढ़ाने की वारदात हुई। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली के खनन क्षेत्रों में अनेक शर्तो के साथ खनन कार्य वर्षोपरान्त पुन: आरम्भ करने के आदेश 3–4 वर्ष पूर्व दिये गये थे उसी छूट की आड़ में खनन माफिया हरियाणा–राजस्थान, बिहार सहित अनेक राज्यों में सक्रिय होकर राजनैतिक संरक्षण पाकर मनमाने खनन का कार्य कर रहे हैं। सरकारी तंत्र एवं राजनेता अप्रत्यक्ष रूप से असामाजिक कार्यों को बढ़ावा दे रहे हैं जो अनैतिक एवं गैर कानूनी हैं।

उपरोक्त उदाहरण कानून एवं व्यवस्था से सम्बन्धित हैं किन्तु राजकीय–सामाजिक दायित्वों एवं कर्त्तव्यों में अनगिनत उदाहरण प्रस्तुत हो रहे हैं जिनमें अवहेलना की संख्या एवं औचित्य–अनौचित्य का ऑकलन एक आलेख में सम्भव नहीं है। समाज में फैले या फैलाये गये उन्माद उपद्रवों के पीछे राजनैतिक हित अथवा चुनाव की राजनीति का परिणाम है। यह इससे स्पष्ट होगा कि संसद एवं विधानसभा सदस्यों में 70 प्रतिशत के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें 20 से 30 प्रतिशत केसेज गम्भीर प्रकृति के है और उनमें बलात्कार, दंगा, हत्या एवं हत्या के प्रयास के प्रकरण भी शामिल है।

सुनियोजित तरीके से सोशल मीडिया के प्लेटफार्म विशेषतया टिवट्र एवं वाट्सअप पर राजनैतिक विरोध एवं धार्मिक उन्माद फैलाने के निरन्तर प्रयास किये जाते हैं। आतंकी संगठनों के समूह सक्रियता से अपने घडयंत्र को कामयाब बनाने का प्रयास करते पाये गये। अनेक आतंकी मामलों का पुलिस ने पर्दाफाश करने में सफलता पाई है किन्तु साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के मामलों में पुलिस दबाव में सक्रिय या निष्क्रय होकर कार्य करती है यह अधिकांशतया शासक दल के इशारे या दबाव पर काम को अन्जाम दे पाती है। अनेक केसेज में पासा पलट जाता है और दंगा रोकने में सफलता नहीं मिलती।

सोशल मीडिया विशेषतया वॉट्सऐप पर मैसेज का आदान-प्रदान समूहों को विभाजित कर देता है। सामाजिकता में असामाजिकता का जहर धीरे-धीरे घुलता रहता है। यहां तक कि हम पड़ोसी से भी दूरी बनाने की कोशिश करते हैं। दोस्ती अजनबीपन में बदल जाती है, दोषारोपण का दौर शुरू हो जाता है। हम समूह छोड़ देते हैं या पुनः आग्रह पाकर फिर शामिल हो जाते हैं।

इस संदर्भ में 21 जुलाई को राज्यसभा में बिहार के प्रतिनिधि सांसद प्रो.मनोज कुमार झा ने वेपन्स ऑफ मॉस डेस्ट्रक्शन बिल 2022 पर बहस में भाग लेकर उसका समर्थन करते हुये रोचक तरीके से एक अन्य तथ्य को उजागर किया। उन्होंने कहा कि समाज और देश में वेपन ऑफ मॉस डिस्ट्रैक्शन एवं मॉस डिसरपशन रोकने के लिए बिल भी संसद में लाना चाहिये। उनका आशय था कि विभिन्न राजनैतिक दलों द्वारा देश का ध्यान भटकाने (डिस्ट्रैक्शन) के लिए मीडिया चैनलों एवं सोशल मीडिया पर भ्रामक तरीके से गोहत्या, लव जिहाद और मस्जिद बचाओ जैसे उन्मादक विषय के समाचारों एवं दर्दनाक घटनाओं को बहाना बनाकर उछाले जाते हैं। आम जनता को सोशल मीडिया एवं चैनलों पर बहस असह्य हो जाता है और राष्ट्रीय जन–जीवन असहज हो जाता है।

सोशल मीडिया विशेषतया वाट्सअप पर मैसेज का आदान–प्रदान समूहों को विभाजित कर देता है। सामाजिक प्रश्न हमें एक–दूसरे से दूर करते हैं, हमारे विचारों को दूषित या कलुषित करने का प्रयास करते हैं। थक–हार कर हम विभाजकीय विचारधारा में शामिल हो जाते हैं या किनारा करने को मजबूर हो जाते हैं। सामाजिकता में असामाजिकता का जहर धीरे–धीरे घुलता रहता है। यहां तक कि हम पड़ोसी से भी दूरी बनाने की कोशिश करते हैं। दोस्ती अजनबीपन में बदल जाती है, दोषारोपण का दौर शुरू हो जाता है। हम समूह छोड़ देते हैं या पुन: आग्रह पाकर फिर शामिल हो जाते हैं।

मीडिया चैनल्स पर अराजकतायुक्त बहस में मारामारी जैसा महसूस होने लगता है जब एक–दूसरे की आवाज को बीच में रोकने का प्रयास अनेकों बार किया जाता है इसमें लगभग सभी दलों एवं विचारधाराओं के आमन्त्रित वक्ता शामिल हो जाते हैं या मजबूर हो जाते हैं। इस विषय पर 29 दिसम्बर 2020 को राष्ट्रदूत में प्रकाशित आलेख 'मल्टी मीडिया मारामारी सोशल मीडिया मारामारी' में मैंने दोनों मीडिया पर अपने विस्तृत विचार व्यक्त किये थे।

संक्षेप में सोशल मीडिया की महामारी इस प्रकार फैल गई है कि बच्चों के मोबाइल पर गेम्स खेलने और किशोर वय के बच्चे ज्ञानवर्द्धन के साथ अश्लील तस्वीरें, फिल्म देखते पकड़े जाते हैं। दिसम्बर 2020 में छपी एक रिपोर्ट में, भास्कर दैनिक अखबार के अनुसार दुनिया में 3.6 अरब लोग सोशल मीडिया को रोज़ 144 मिनट दे रहे हैं। देश में 50 करोड़ से अधिक स्मार्ट फोन यूजर्स हो गये हैं। उनमें बुद्धिजीवियों एवं राजनीतिज्ञों सहित यूजर्स को सोशल मीडिया का वायरस या नशा महामारी सा प्रतीत होता है।

परिणामत: समाज में हत्या के बदले हत्या आत्महत्या की धमकी, छोटी–छोटी बातों जैसे पार्किंग स्थान या बच्चों के मध्य झगड़े से विवाद बन कर पड़ोसी या पड़ोसियों से अनबन पैदा हो जाती है। असामाजिकता हमें अराजकता की ओर घसीट रही है। विभिन्न शासक दलों के राज्यों में मीडिया और सोशल मीडिया पर उपजे और फैलते 'हेट स्पीच' घृणा फैलाने एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के बढ़ते मामलों के संदर्भ में हाल में माननीय सर्वोच्च न्यायालय में एक पिटीशन प्रस्तुत की गई है क्योंकि पिटीशनर्स के अनुसार असहमति और 'घृणा भाषण' (हेट स्पीच) के बीच अन्तर धूमिल करने को प्रयास सुनियोजित एवं जानबूझ कर किया जा रहा है। 22 जुलाई के दी हिन्दू दैनिक के मुखपृष्ठ समाचार के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र एवं राज्य सरकारों से 'हेट स्पीच' के विरुद्ध उनके द्वारा उठाये गये कदमों पर स्पष्टीकरण मांगा है। दूसरी ओर प्रार्थीगण को निर्देश दिये गये हैं कि एक सप्ताह के अन्दर चार्ट प्रस्तुत करें जिनमें हेट स्पीच के राज्यवार उद्धरण हों और जिसे वे सम्बन्धित राज्यों को भेजेंगे ताकि उनके द्वारा कथित स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जा सके। शीर्ष न्यायालय को आखिरकार हस्तक्षेप करना पड़ा जो उचित ही है।

अन्तत: आलेख के शीर्षक में निहित प्रश्न का उत्तर क्या है? क्या हम इन्टरनेट के भूमण्डलीकरण के परिणामत: एक सोशल मीडिया की यथार्थ परक और यथार्थ से परे, सत्य मिश्रित झूठ वैकल्पिक सच, अतिरेक सत्य और अनकही गढ़ी–रचित दुनिया में अपने आपको खोते जा रहे हैं? इसका उत्तर कठिन है और इसका उत्तर हमें अपने अन्दर झांक कर पाना होगा। निजी जीवन में अन्त:–पीढ़ी के सोचने की प्रकृति और दृष्टिकोण को समझना होगा। विश्वव्यापी सोशल मीडिया की समस्या का पारिवारिक एवं निजी स्तर पर समाधान निकालना होगा। प्रथमतया अन्त: पीढ़ी यथा परिवार के सदस्यों में संवाद एवं समरसता का संचार करना होगा। अगली पीढ़ी को समझना होगा कि वृद्धजनों की बढ़ती जनसंख्या जो 5–10 वर्ष उम्र के बच्चों की संख्या से अधिक आंकी जा रही है विश्व का बढ़ता सबसे अमूल्य संसाधन है जिसका कमतर उपयोग हो रहा है। दोनो एवं सभी पीढ़ी के लोगों को मिल–जुलकर वैश्विक प्रगति हेतु कार्य करना होगा। इसी प्रकार आदिवासी समुदायों के मूल प्राकृतिक बुद्धिमता का समुचित उपयोग होना चाहिये क्योंकि प्रकृति के साथ उनका स्वाभाविक सम्बन्ध है। शीर्ष स्तर तक उनकी बुद्धिमता की परख होनी चाहिये।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग वैज्ञानिक पद्धति से संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के 17 लक्ष्यों की 2030 तक प्राप्ति हेतु स्थानीय समाधानों द्वारा वैश्विक समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करना होगा। राजनैतिक मतभेद से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सहमति बनाने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। क्या शासक दल और सरकारें ऐसा करेंगी? सुधी पाठक स्वयं उत्तर ढूंढें।

–अतिथि सम्पादक,
आई.सी.श्रीवास्तव,
आई.ए.एस. (से.नि.)
(पूर्व अध्यक्ष, ट्रांसपेरेन्सी, इण्टरनेशनल इन्डिया)

जीवन की हार है संग्रहण का मनोविकार!

डॉ रामावतार शर्मा

एक युवक वैवाहिक जीवन के बाद अवसाद में आ गया। जब अपने समाज के बड़े बुजुर्गों के पास राय लेने पहुंचा तो हर व्यक्ति एक ही तरह की बात करता था कि बस मस्त रहो, ध्यान लगाओ, योग से जुड़ो, भगवान को याद करो, प्रभु सब ठीक कर देगा। जब दोस्तों के पास गया तो उन्होंने उसे शराब के दो चार पेग पिलाए, कुछ सिगरेटें फूंकी और राय दी कि मस्त रहो, सब ठीक हो जायेगा। पर सब कुछ ठीक कैसे हो जायेगा?

किसी ने भी दोस्त के रूप में यह नहीं कहा कि तुम्हारी पीड़ा बड़ी है, हमें बताओ कि एक दोस्त के नाते हम इसे कैसे और कितना कम कर सकते हैं? जीवन की विकट समस्याएं न भगवान से सुलझती हैं और ना ही शराब से। जीवन की समस्याएं सुलझती हैं तर्क, संवेदना और निर्णय लेने की क्षमता से। जो यकायक भावनात्मक रूप से अकेले पड़ गए हैं उनके साथ खड़े होना ही साथ देना होता है। पर क्या हम ऐसा करते हैं?

मनुष्य के भटकने का एक मात्र कारण मनुष्य का अहंकार और समाज नाम के निर्दयी तंत्र का होना है। तथाकथित समाज रोड़े अटकाने में तो माहिर है पर उससे समस्याओं के समाधान की अपेक्षा करना पूर्ण नादानी होगी। भटका हुआ समाज भला किसी को क्या रास्ता दिखायेगा? अपनी मंजिल की राह हर किसी को खुद ही ढूंढनी पड़ती है।

कितने लोग होंगे समाज में जो किसी व्यक्ति की समस्याओं पर गहन विचार करके समाधान निकाल सकते हैं! शायद बहुत ही कम। हर तरफ पूर्वाग्रहों से भरे लोग बैठे हैं जो त्वरित निर्णय देने की आदत से ग्रस्त होते हैं। मेरे पास एक बार एक व्यक्ति अपने पुत्र को लेकर आए जिसने मेडिकल कॉलेज की प्रवेश परीक्षा तो बेहतरीन अंकों से पास कर ली क्योंकि उस पर माता –पिता का दबाव था पर अब वह मैडिकल की लंबी, बोरियत भरी पढ़ाई नहीं करना चाहता था।

उसका झुकाव फर्नीचर डिजाइनिंग की तरफ था, वह एक कारपेंटर बनना चाहता था जिसे सुन कर पिता गहरे अवसाद में थे। बाह्य रूप से देखा जाए तो लगता है कि पिता पुत्र के भले के लिए ही सोच रहा है, पर वास्तव में वे अपने ही बुने हुए मायाजाल में फंसे हुए हैं। उन्हें अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा की फिक्र पुत्र की रचनात्मक रुचि से कहीं ज्यादा बड़ी नजर आ रही है। पुत्र पारिवारिक दबाव के कारण मेडिकल में तो चला गया पर आज भी गहरे अवसाद में है जिसका वह इलाज ले रहा है। कितने ही रचनात्मक व्यक्तित्व श्रवण कुमार बना दिए जाते हैं, कितने ही पूरी उम्र भावनात्मक रूप से अकेले हो जाते हैं।

मेरी जान पहचान के एक व्यक्ति हैं। सरकारी अफसर हैं। कागज की तरफ कलम का मुख घुमाने तक के पैसे लेते थे। रिश्वत का पैसा पता नहीं कहां –कहां फैला रखा था। हर रोज अखबार में सबसे पहले मृत्यु समाचार पढ़ते हैं, जबरदस्त मृत्यु भय से ग्रसित हैं कि यदि मर गए तो इस धन का क्या होगा ? भयंकर मूंजी हैं, यहां तक कि बाजार से सब्जी भी रात को ही लाते हैं

■ संवाद विहीन हो चुका समाज एक मनोविकार में फंस गया है

ताकि सस्ती मिले। दो घंटे पूजा करते हैं और हर बात के बाद ईश्वर का नाम लेते हैं। कोई खाने पीने पर बुलाए तो भागे जाते हैं। खुद की दमड़ी आज तक जेब से नहीं निकाली। पैसा ऐसे लोगों के लिए धन नहीं है, एक मानसिक रोग है । ये लोग एक निर्मम मानसिकता के पोषक होते हैं।

ये लोग जिस परिवार के नाम पर रिश्वत लेते रहते हैं क्या ये उसे खुश रख पाते हैं? इनकी दुनियां में पैसे के अलावा और कोई विविधता नहीं है। बाहरी तौर पर सब कुछ ठीक लगता है पर इनके जीवन में एक बड़ा अकेलापन होता है। ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो रिश्वतखोरों और भ्रष्टाचारियों ने कोई भी सकारात्मक सामाजिक या अन्य मानवीय कार्य नहीं किया और एक समय के उपरांत अपयश उनकी अंतरात्मा को और समय धन को नष्ट कर देता है।

उपरोक्त सभी उदाहरण बताते हैं कि जब भी कोई व्यक्ति वृहत समाज से अकेला पड़ जाता है। अब यदि वह बौद्धिक रूप से अपने आप को विकसित नहीं करता तो उसका मस्तिष्क ऐसी हरकतें करने लगता है कि वह एक दिन अपनी प्रतिष्ठा और लोगों का विश्वास खो देता है। वह बौद्धिक अकेलेपन का शिकार हो कर अपने मूल मानवीय गुण खो देता है। वरना मोटा वेतन, सुख सुविधा का जीवन, अच्छी पेंशन आदि के होते हुए ये मंत्री, विधायक, उच्च अधिकारी, धनी व्यापारी, उद्धमी और ठेकेदार आदि इस रिश्वत के दलदल में क्यों पड़े रहते हैं? स्वास्थ्य के रक्षक डॉक्टर्स की जीवनशैली कितनी चिकित्सा विज्ञान विरोधी होती है?

चारों तरफ की आपाधापी बताती है कि संवाद विहीन हो चुका समाज एक मनोविकार में फंस गया है जहां हर तौर तरीके से अर्जित धन के बिस्तर पर एक अकेला इंसान कब मध्य रात्रि में सांसों का प्रवाह खो चिर निंद्रा में खो जाता है इसका पता ही नहीं चलता। इकट्ठा करने की प्रतिद्वंदिता में जीवन को जीने का, उन्मुक्त हंसने का, बच्चे जैसे कौतुहल आदि का तो मौका ही नहीं मिला। तीन दिन की रस्म और सब कुछ समय की धूल के संग धूल।

डॉ रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

सांवलिया सेठ के भंडार से 4.22 करोड़ नगद निकले

सांवलिया सेठ के भंडार गिनती में उपस्थित मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरू लाल गुर्जर एवं पदाधिकारी।

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार का भंडार बुधवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरू लाल गुर्जर एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर के मुख्य निष्पादन अधिकारी गीतेश श्री मालवीय की उपस्थिति में खोला गया। मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरू लाल गुर्जर ने बताया कि बुधवार को खोले गए भंडार से 4 करोड़ 22 लाख 40 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए।

अध्यक्ष गुर्जर ने बताया कि शेष राशि की गिनती होना बाकी है। मंदिर के केशियर नंदकिशोर टेलर ने बताया कि भंडार से निकले एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोना चांदी का तोल होना अभी बाकी है। भंडार गिनती के समय मंदिर बोर्ड सदस्य भेरूलाल सोनी, श्री लाल पाटीदार, मंडफिया पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव, मंदिर के प्रशासनिक, अधिकारी कैलाश चंद्र दाधीच, केशियर नंदकिशोर टेलर, कार्मिक प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, कांठोस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर सहित मंदिर एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल की छत से गिरा प्लास्टर

अनूपगढ़, (निसं)। यहां के राजकीय चिकित्सालय में देर रात कमरा नंबर 9 की छत का मलबा गिर गया । रात के समय कमरे में कोई कर्मचारी नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया। वहीं मलबा गिरने से फर्नीचर टूट गया।

चिकित्सा प्रभारी द्वारा विभाग को समस्या के संबंध में कई बार अवगत करा दिया गया, लेकिन विभाग को शायद किसी बड़े हादसे का इंतजार है। राजकीय चिकित्सालय के प्रभारी डॉ. मुरलीधर कुमावत ने बताया कि इस संबंध में उच्च अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग को पहला पत्र 2019 में लिखा गया था। मगर अभी तक स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई भी उचित कदम नहीं उठाया गया है। इससे पहले कमरा नं. 6 और 8 में भी छत से मलबा गिर चुका है। दीवारों की हालत ऐसी हो चुकी है कि कभी भी गिर सकती है। बात करने पर कलेक्टर रुक्मणि रियार ने कहा कि वे स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ से संपर्क कर शीघ्र ही समस्या का समाधान करवाएंगे।

राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे राजूवास में संविधान पार्क का लोकार्पण

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र शुक्रवार को प्रात: 11:30 बजे राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में नवनिर्मित संविधान पार्क एवं पारम्परिक पशुचिकित्सा पद्धतियां एवं वैकल्पिक औषधि विज्ञान केन्द्र का लोकार्पण करेंगे। कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया की भी इस कार्यक्रम में उपस्थिति रहेंगे।

कुलपति प्रो. सतीश के. गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय के सार्दुल सदन परिसर में मुख्य द्वार के पास संविधान पार्क का निर्माण किया गया है। इस संविधान पार्क में संविधान स्तम्भ बनाया गया है जिस पर अशोक चिन्ह एवं तिरंगा लगा है। मार्बल के पत्थर पर राज्य के नीति निर्देशक तत्व, नागरिकों के मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य को अंकित किया गया है। भारतीय संविधान की उद्देशिका पट्टी को मुख्य स्तम्भ पर दर्शाया गया है। संविधान पार्क के लोकार्पण के बाद राज्यपाल कलराज मिश्र वेटरनरी ऑडिटोरियम में सभी उपस्थित विश्वविद्यालय कर्मचारियों एवं अतिथियों को संबोधित करेंगे।

आज पूर्वान्ह में जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल तथा पुलिस अधीक्षक ने अन्य जिले के अधिकारियों के साथ विश्वविद्यालय पहुँच कर विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव व अन्य अधिकारियों से वार्ता की तथा कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया।

सांगठकलां सीनियर स्कूल की छत से टपकता पानी

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती सांगठकलां ग्राम पंचायत स्थित राउमावि के जर्जर हो चुके भवन की छत से टपकता पानी विद्यार्थियों के अध्ययन में रोढा बना है। इस सरकारी विद्यालय की दीवारें, छत, दरवाजे सहित हर कोना जर्जर हो चुका है।

जिससे कक्षा में विद्यार्थियों को बैठना जान जोखिम में डालने जैसा है

■ बरामदे में एक साथ बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर विद्यार्थी

लेकिन ना तो शिक्षा विभाग द्वारा इसकी सुध ली जा रही है और ना ही प्रशासन और जिम्मेदारों द्वारा कोई कार्यवाही की जा रही। जानकारी के अनुसार कई वर्षों

क्षतिग्रस्त सांगठकलां विद्यालय की जर्जर छत व टपकता पानी।

पुराने पांच कक्षा कक्ष वाले विद्यालय भवन जर्जर होने के बाद विद्यार्थियों को कक्षा में बैठाने की बजाय बरामदे में बैठाकर अध्ययन करवाया जा रहा है। जब भी लगातार तेज बारिश होती है तो हवा के साथ बारिश का पानी बरामदे में भी आ जाता है। मजबूरन बच्चों की जल्दी छुट्टी करनी पड़ती है। अफसोस की बात है कि क्रमोन्नति के अनुसार इस विद्यालय भवन का विस्तार नहीं किया। हालात ऐसे हैं कि बच्चे अपना यह दर्द किसे सुनाएं? क्योंकि अच्छी शिक्षा देने वाले जिम्मेदार तो स्वयं ही मुखदर्शक बन बैठे हैं। उपसरपंच भैरूलाल जोशी ने बताया कि विद्यालय में कक्षा कक्षों की कमी को देखते हुए हमने भामाशाह से सहयोग लेकर एक कमर बनवाया लेकिन यह भी अब काफी पुराना हो चुका है। वर्तमान में इस कमरे में विद्यालय कार्यालय का कार्य चल रहा है इस कमरे में भी पानी सीलन आ रही है। 11वीं कक्षा में मात्र एक पंखा लगा है कक्षा में अध्ययन करने वाले बच्चों की संख्या अनुसार तीन पंखों की जरूरत है।

राशिफल गुरूवार 28 जुलाई, 2022

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, पुनर्वसु नक्षत्र प्रात: 7:05 तक, वज्र योग सांय 5:56 तक, चतुष्पद करण दिन 10:18 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–मेष, बुध–कर्क, गुरू–मीन, शुक्र–मिथुन, शनि–मकर, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से संपूर्ण दिन–रात है। अमृत सिद्धि योग और गुरू पुष्य योग प्रात: 7:05 से सूर्योदय तक है। आज गुरू वक्री रात्रि 2:10 से होगा। आज देव पितृकार्य अमावस्या, सरस माधुरी जयन्ती, हरियाली अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:33 तक, चर 10:53 से 12:33 तक, लाभ–अमृत 12:33 से 3:53 तक, शुभ 5:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 7:14

मेष
परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण व्यावसायिक संबंध बनेंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

सिंह
मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक–व्यक्तिगत कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

विधायक लाहोटी की नाराजगी के बाद कनक विहार और कमला नेहरू नगर की क्षतिग्रस्त 40 फीट सड़क सुधरेगी

कलेक्टर ने जलदाय विभाग के अफसरों को मानसून के बीच पाइपलाइन डालने के लिए रोड खोदने पर लताड़ा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पेयजल पाइपलाइन के लिए कमला नेहरू नगर और कनक विहार की 40 फीट सड़क को खोदकर पटकने वाले जलदाय विभाग के अफसरों को कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने जमकर लताड़ा।

सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी बुधवार सुबह कलेक्टर के ऑफिस में पहुंचे और मानसून में खुदाई पर रोक के बावजूद

- **अजमेर रोड से एंट्री सही होगी, कॉलोनी की समानांतर रोड पर जेडीए तुरंत पेचवर्क करके राह आसान बनायेगा**

कमला नेहरू नगर और कनक विहार में 40 फीट रोड पर 15 फीट तक गहरे खड्ढ़े खोदने पर नाराजगी जताई। लाहोटी ने कहा कि जलदाय विभाग के अफसरों और ठेकेदार ने सड़क तो खोद ली, लेकिन न तो पाइपलाइन डली और न ही खड्ढ़े भरे। इस कारण करीब आधा किलोमीटर तक की रोड पर बारिश का पानी भर गया।

लोगों की नाराजगी के बाद जागे जलदाय विभाग ने आनन-फानन में करीब 200 मीटर की दूरी में खोदी गई सड़क पर मिट्टी डालकर लीपापोती कर दी। नतीजा यह हुआ कि यहां बारिश का पानी भरने से दलदल जम गया।

विधायक अशोक लाहोटी की नाराजगी और शिकायत पर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने जेडीए अधिकारियों को इस सड़क के समानान्तर वाली रोड पर तुरंत पेचवर्क करके लोगों के आवागमन के लिए तैयार करने को कहा। साथ ही अजमेर रोड से एंट्री वाली सड़क को भी दुरुस्त करने, बारिश के पानी को खुले मैदान में दो वाटर हार्वेस्टिंग बनाकर उसमें डालने को कहा। साथ ही जलदाय विभाग के अफसरों को कहा कि कमला नेहरू नगर और कनक विहार में डाली जा रही पाइपलाइन के काम को आज रात से ही वापस मिट्टी भरकर उस पर रोलर चलाकर ग्रेवल सड़क डालने को कहा, ताकि लोगों को आने-जाने में कोई परेशानी नहीं हो।

विधायक लाहोटी ने शिकायत करते हुए कहा कि कनक विहार और कमला नेहरू नगर में 40 फीट सड़क पर बारिश का पानी दरिया की तरह बह रहा है। आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले हजारों लोगों की आवाजाही तक बंद कर दी गई। न लोग घर से निकल पा रहे हैं, न बच्चें स्कूल जा पा रहे है। यहां तक कि लोगों के सामने अपनी गाड़ियां खड़ी करने की दिक्कतें भी आ गई है। लाहोटी ने बताया कि जलदाय विभाग पाइपलाइन डालने के काम में बेहद सुस्त चाल और लापरवाही से काम कर रहा है। पृथ्वीराज नगर क्षेत्र में भी करीब 100 किलोमीटर तक पाइपलाइन डाली गई है, लेकिन अफसरों और ठेकेदार ने पाइपलाइन डालने के बाद कहीं पर भी न तो मिट्टी को कंपैक्ट किया और न ही ग्रैवल सड़क डाली। इस कारण यह सड़कें भी चलने लायक नहीं बची है, इन सभी सड़कों का भी तुरंत पेचवर्क किया जाये। विधायक लाहोटी के साथ बैठक में पार्षद गणेश चौधरी, अशोक बोहरा, मुकुंद शर्मा और राजेश कूलवाल समेत कई लोग उपस्थित रहे।

विधायक अशोक लाहोटी ने बुधवार को कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित के पास पहुंचकर कमला नेहरू नगर और कनक विहार में 40 फीट सड़क खोदकर वहां खड्ढ़े करने वाले जलदाय विभाग के अफसरों की शिकायत की। इस दौरान नगर निगम के मानसरोवर एक्सईएन महेश शर्मा व जेडीए के अधिकारी भी थे।

लाहोटी ने इसी ठेकेदार द्वारा पृथ्वीराज नगर में पाइपलाइन डालने के बाद छोड़ी गई क्षतिग्रस्त सड़क की तस्वीर दिखाई, जो कि वाहनचालकों की परेशानी का सबब है।

शेरनी 'सृष्टि' 4 दिन बाद भी शेल्टर में नहीं लौटी

जयपुर (कासं)। नाहरगढ़ जैविक उद्यान से लापता हुई शेरनी 'सृष्टि' 4 दिन बीतने के बाद भी अभी तक अपने शेल्टर में नहीं लौटी है। वन विभाग के सर्च अभियान में शामिल वनकर्मी उसे खोजने में पूरी तरह से फेल साबित हुई है। हालांकि नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क से जुड़े क्षेत्रीय वन अधिकारी नितिन शर्मा का दावा है कि लापता शेरनी 'सृष्टि' जंगल में ही घूम रही है। वह जंगल से बाहर नहीं निकली है। मंगलवार रात करीब साढ़े 9 बजे 36 हैक्टेयर में फैले एंक्लोजर में लगे कैमरा ट्रेप में उसकी फोटो कैद होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन प्रशासन ने कोई तस्वीर साझा नहीं की है।

दरअसल, रविवार शाम को जैविक उद्यान स्थित लॉयन सफारी में बने शेल्टर में 3 वर्षीय शेरनी सृष्टि वापस नहीं पहुंची। वनकर्मियों ने सोमवार शाम को भी उसका इंतजार किया लेकिन उन्होंने इसके लापता होने पर गंभीरता नहीं जताई। मंगलवार को जब यह खबर मीडिया में आई तो वन विभाग के अफसरों में हड़कंप मच गया। सुबह 6 बजे से देर रात तक 40 वनकर्मी 6 गाड़ियों से बैठकर जंगल का चप्पा-

- **क्षेत्रीय वन अधिकारी नितिन शर्मा का दावा है कि मंगलवार रात साढ़े 9 बजे सृष्टि को कैमरा ट्रैप में देखा है**

चप्पा खंगालने निकले, लेकिन उसके पगमार्क तक नहीं जुटा पाए। इस दौरान वहां कैमरा ट्रेप लगाए गए थे। इसी बीच मंगलवार देर रात को ट्रेप कैमरे में उसकी तस्वीर दिखी। क्षेत्रीय वन अधिकारी नितिन शर्मा का दावा है कि मंगलवार रात साढ़े 9 बजे एंक्लोजर में सृष्टि दिखी है, वह पूर्ण स्वस्थ है। वह जंगल में ही झाड़ियों और घनी घास में ओझल रही। शेरनी सृष्टि चौथे दिन शाम तक शेल्टर तक नहीं पहुंची है। जिससे वह भूखी है। क्योंकि उसे मीट शेल्टर में दिया जाता है। उसके स्वास्थ्य को लेकर एसीएफ रघुवीर मीणा का कहना है कि शेरनी पूरी तरह से स्वस्थ है। उसकी निगरानी की जा रही हैं। हालांकि इसको लेकर अभी तक वन विभाग ने मीडिया को कोई वीडियो या फोटो उपलब्ध नहीं कराई है। महज दावे ही किए जा रहे हैं।

2 साल से पाक महिला हैण्डलरों के संपर्क में था सेना का जवान

कोर्ट ने आरोपी शांतिमोय राणा को पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा

आरोपी शांतिमोय राणा

जयपुर (कासं)। पाक खुफिया एजेंसी की महिला हैंडलरों के हनी ट्रैप और पैसों के प्रलोभन में आकर जयपुर में अपनी रेजिमेंट के गोपनीय दस्तावेज व युद्ध अभ्यास के वीडियो भेजने के आरोपी बागुंडा पश्चिम बंगाल निवासी भारतीय सेना के जवान शांतिमोय राणा को स्टेट इंटेलिजेंस की टीम ने मंगलवार को मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर महानगर प्रथम कोर्ट में पेश किया।

अपराध की गंभीरता और गहन अन्वेषण की आवश्यकता को देखते हुए कोर्ट ने आरोपी को 2 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। डीजीपी इंटेलिजेंस उमेश मिश्रा ने बताया कि आरोपी जवान

- **पाक महिला एजेंट को भारतीय नंबर उपलब्ध कराने और जवान के खाते में रकम ट्रांसफर करने वाले संदिग्धों की तलाश जारी**

से अब तक की गई पूछताछ में पता चला है कि आरोपी करीब पिछले 2 वर्ष से पाक महिला हैंडलरों से कई व्हाट्सएप नंबरों और टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क में था। आरोपी जवान अपने निजी आवश्यकताओं के लिए भारतीय सेना की सामरिक दृष्टि से संवेदनशील व गोपनीय सूचनाएं भेजने की एवज में धनराशि प्राप्त कर रहा था।

डीजीपी मिश्रा ने बताया कि आरोपी के बैंक अकाउंट रिकॉर्ड में धनराशि प्राप्त होने की पुष्टि हुई है। पाक महिला हैण्डलरों के इशारे पर आरोपी के खाते में धनराशि भेजने वाले और भारतीय मोबाइल नंबरों से पाक महिला हैण्डलरों को व्हाट्सएप व टेलीग्राम डाउनलोड करवाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में गहन अनुसंधान कर उन संदिग्ध व्यक्तियों का पता लगाया जा रहा है।

'पीड़िता ने ही भेजे थे लगातार मैसेज'

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 जयपुर महानगर द्वितीय के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ पॉक्सो और छेड़छाड़ की धाराओं में आरोप तय किए थे। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश सुनील गौड की याचिका पर दिए।

अदालत ने कहा कि कॉल डिटेल से साबित है कि पीड़िता ने ही आगे होकर याचिकाकर्ता को मैसेज भेजा था और याचिकाकर्ता के मैसेज के जवाब से स्पष्ट है कि वह पीड़िता को जानता ही नहीं था। इसके बाद भी पीडिता ने ही लगातार मैसेज भेजे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मोहित बलवदा और अधिवक्ता भावना चौधरी ने बताया कि मामले में दर्ज एफआईआर में याचिकाकर्ता पर कोई आरोप नहीं लगाए गए हैं। वहीं पीड़िता के पुलिस के समक्ष दिए बयान और मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए बयान में भी याचिकाकर्ता पर कोई आरोप नहीं है। उसे मोबाइल चैट के आधार पर अपराध से जोड़ा गया है।

ऐसे में ट्रायल कोर्ट की ओर से मामले में किए गए आरोप तय को रद्द किया जाए। गौरतलब है कि पीड़ित पक्ष की ओर से गत 25 फरवरी को जयसिंह पुरा खोर थाने में मामला दर्ज कराया गया था। जिसमें अन्य आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप लगाए गए, वहीं जांच के बाद याचिकाकर्ता व तीन अन्य के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया गया।

28 खनन माफिया गिरफ्तार

पुलिस ने दबिश देकर आरोपियों से 9096 टन बजरी, 4 टन पत्थर और 111 वाहन जप्त किये

जयपुर। अवैध खनन के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रदेश व्यापी अभियान में पुलिस ने 70 प्रकरण दर्ज कर 28 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 9096 टन बजरी और 4 टन पत्थर समेत 111 वाहन जब्त किए है।

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर हवा सिंह घुमरिया ने बताया कि पुलिस मुख्यालय ने अवैध खनन के विरुद्ध 22 जुलाई से प्रदेश व्यापी अभियान चला रखा है। उदयपुर रेंज में पुलिस ने 21 मुकदमे दर्ज कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। साथ ही 6530 टन बजरी और 29 वाहन जिनमें 15 डम्पर, 5 पोकलैंड मशीन, 2 जेसीबी एवं 7 ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की गई। घुमरिया ने बताया कि जोधपुर रेंज में 9 मुकदमे दर्ज कर 8 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 32 टन बजरी व 20 टन पत्थर के साथ 9 वाहन जिनमें 8 ट्रैक्टर ट्रॉली व 1 डंपर जप्त किया। बीकानेर रैंज में 3 मुकदमे दर्ज कर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 12 टन बजरी एवं तीन ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की गई। जयपुर रैंज में 7 मुकदमे दर्ज कर 8 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 28 टन बजरी और 8 टन पत्थर समेत 17 वाहन जिनमें 15 ट्रैक्टर ट्रॉली एवं एक जेसीबी व एक डम्पर जब्त किया गया। इसी प्रकार अजमेर रेंज में 22 मुकदमे दर्ज कर 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। 166 टन बजरी व 8 टन पत्थर एवं 22 वाहन जिनमें 15 ट्रैक्टर ट्रॉली, 4 ट्रेलर और तीन डंपर जप्त किए गए। भरतपुर रेंज में 4 मुकदमे दर्ज कर 5 टन बजरी एवं 5 वाहन जिनमें 2 हाइड्रा डंपर व 1-1 ट्रक, एलएनटी व ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त की गई। एडीजी ने बताया कि इसी प्रकार कोटा रेंज में 4 प्रकरण दर्ज कर तीन कार्रवाई में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। 2293 टन अवैध बजरी एवं 26 वाहन जिनमें 9 ट्रक, 16 ट्रैक्टर ट्रॉली एवं एक मोटरसाइकिल जप्त की गई।

साढ़े 7 करोड़ का पार्सल चोर पकड़ा

जयपुर (कासं)। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने तीन महीने पहले साढ़े सात करोड़ रुपए के पार्सल चुराने के मामले में इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी पुलिस से बचने के लिए बार-बार ठिकाने बदल रहा था। डीसीपी (पश्चिम) वन्दिता राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राधेश्याम गुर्जर उर्फ राधे ठेकला सालोदा उदई मोड गंगापुर सिटी का रहने वाला हैं। डीसीपी ने बताया कि 24 अप्रेल को सिंधी कैंप पर कूरियर कंपनी के कर्मचारियों द्वारा लगभग साढ़े 7 करोड़ के ज्वैलरी पार्सल गबन किया गया था। थानाधिकारी गुंजन सोनी ने बताया कि इस मामले में सवाई माधोपुर निवासी विकास गुर्जर, हरिओम गुर्जर और ब्रह्म सिंह गुर्जर को गिरफ्तार कर चुकी है। इस मामले में इनामी आरोपी राधेश्याम फरार चल रहा था। पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तारशुदा आरोपियों से पूछताछ की तो सामने आया कि इस वारदात की साजिश में राधेश्याम गुर्जर उर्फ ठेकला भी शामिल है। आरोपी ने इस पूरी वारदात में मुख्य भूमिका निभाई थी।

जयपुर में 60 हजार प्रिकॉशन डोज लगाई

जयपुर। राज्य में तेजी से बढ़ रहे करोना संक्रमण के बीच चिकित्सा विभाग ने कोविड टीकाकरण को एक बार फिर गति देना शुरू कर दिया है। बुधवार को जयपुर में विभाग की ओर से एक दिवसीय विशेष अभियान चलाकर 60 हजार लोगों को प्रिकॉशन डोज लगाई गई।

इस अभियान के तहत सीएमएचओ प्रथम की ओर से 40 हजार तथा सीएमएचओ द्वितीय क्षेत्र में 20 हजार लोगों का टीकाकरण किया गया। इस दौरान जयपुर में 348 स्थानों पर टीकाकरण सेंशन आयोजित किए गए। शिविर के लिए एक लाख टीके बुक किए गए और सभी शिविरों में अलसुबह ही चिकित्सा स्टॉफ को रवाना कर दिया गया। यह शिविर सुबह 8 से शाम 6 बजे तक आयोजित किए गए। इनमें टीका लगाने के लिए लोगों ने भी खासा रूझान दिखाया। ये टीकाकरण शिविर जयपुर के सभी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो पर आयोजित किए गए। सीएमएचओ प्रथम डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि बढ़ते करोना

- **कोविड वैक्सीनेशन में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए टीकाकरण परियोजना निदेशक डॉ. रघुराज सिंह रास्ट्रीय स्तर पर सम्मानित**

संक्रमण को देखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया गया था। इन शिविरों में टीके लगाने के लिए कई स्थानों पर लंबी लाइन भी लग गई। उधर वैक्सीनेशन में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदेश के टीकाकरण परियोजना निदेशक डॉ. रघुराज सिंह को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डॉ. मनोहर अगनानी और अतिरिक्त सचिव एवं मिशन डायरेक्टर रोली सिंह ने कोविड वैक्सीनशन सेवाओं में एक्स्ट्रा आर्डिनरी वैक्सीनशन उपलब्धि के लिए डॉ. रघुराज सिंह को प्रशस्ति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

आवासीय कॉलोनी मल्होत्रा नगर में फैक्ट्री की तैयारी!

विकास समिति की शिकायत के बावजूद सवा माह से चुप्पी साधे बैठे है जेडीए के अधिकारी

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर की आवासीय कॉलोनियों में धड़ल्ले से कॉमर्शियल दुकानें, फैक्ट्रियां और गोदाम बनाये जा रहे हैं। ताजा मामला विद्याधर नगर स्टेडियम के नजदीक जेडीए की आवासीय कॉलोनी मल्होत्रा नगर में सामने आया है। जहां 500 वर्गगज के आवासीय भूखंड़ पर फैक्ट्री डालने की तैयारी है। भूखंड़ मालिक ने टीनशेड लगाकर गोदाम तक बना लिया गया है। स्थानीय विकास समिति ने कई बार जेडीए के कंट्रोलरूम और प्रवर्तन अधिकारियों के पास शिकायत भी की, लेकिन कार्रवाई के बजाय अधिकारी बीते सवा महीने से चुप्पी साधे बैठे है।

मल्होत्रा नगर जन उपयोगी विकास समिति के सचिव विष्णु कुमार शर्मा ने जेडीए कमिश्नर, सचिव, जोन-2 के उपायुक्त और मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन को पत्र लिखकर इस अवैध निर्माण पर कार्रवाई की मांग उठाई है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि आवासी प्लॉट नं. 36 पर भूखंड़ मालिक फैक्ट्री और गोदाम बना रहा है। कॉलोनी के लोगों ने

- **500 गज के भूखंड संख्या-36 पर पहले बना रखा था गुटका कंपनी का गोदाम**

फैक्ट्री डालने का विरोध किया तो आये दिन झगड़ा करता है। जेडीए के कंट्रोल रूम पर और प्रवर्तन अधिकारियों को भी इसकी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक-दो बार जेडीए प्रवर्तन विंग के अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन भूखंड़ मालिक पर कार्रवाई के बजाय सिर्फ उसे चेतावनी देकर लौट गए।

कॉलोनी के लोगों ने बताया कि भूखंड़ संख्या 36 की करीब 500 वर्गगज भूमि पर पिछले लम्बे समय से गुटका कंपनी का गोदाम बनाया हुआ है। अब इस प्लॉट पर फैक्ट्री डालने की तैयारी है, जो कि आवासीय कॉलोनी के भीतर पूरी तरह से नियम विरूद्ध है। अगर ऐसा हुआ तो कॉलोनी की शांति भंग होगी।

आईपीएस दिनेश एम.एन. के नाम पर ठगी का प्रयास

जयपुर (कासं)। एसीबी के एडीजी और सीनियर आईपीएस दिनेश एमएन के नाम से जालसाज द्वारा ठगी का प्रयास करने का मामला सामने आया है। एडीजी एसीबी दिनेश एमएन ने घटना की जानकारी मीडिया को दी कि अगर किसी व्यक्ति के पास उनके नाम से कॉल या मैसेज कर के पैसा मांगा जा रहा है तो वह पुलिस को सूचना दें। साथ ही इस तरह की किसी भी कॉल या मैसेज पर विश्वास नहीं करें। जांच एजेंसिया नम्बर के आधार पर जांच करना शुरू कर चुकी है। बताया जा रहा है कि साइबर ठग ने वाट्सएप प्रोफाइल पर आइपीएस दिनेश एमएन की फोटो लगाकर परिचित अधिकारियों को संदेश भेजा और खुद को मीटिंग में व्यस्त बताकर अर्जेंट रुपयों की मांग की। कुछ अधीनस्थ अधिकारियों ने जालसाज के झांसे में आने की बजाय आइपीएस दिनेश एमएन से संपर्क किया, तब जालसाजों की करतूत का खुलासा हुआ। वहीं दूसरी ओर पुलिस टीम आरोपी के मोबाइल नंबर और लोकेशन के जरिए जालसाज का पता लगाने में जुटी है।

गौरतलब है कि जालसाज कई बड़े आइएएस, आइपीए, मंत्री, नेता और रसूखदार लोगों की वाट्सएप डीपी पर फोटो लगाकर परिचितों से मदद के नाम पर रुपए मांगने का संदेश भेजते हैं। कई परिचित जालसाजों के झांसे में आकर उनके बताए खाते में रुपए ट्रांसफर कर ठगी का शिकार हो जाते हैं। फर्जी दस्तावेजों से मोबाइल सिम लेने के कारण इस तरह की ठगी करने वाले जालसाज पुलिस पकड़ में नहीं आ सके हैं।

राजधानी जयपुर में सौ के करीब नए करोना संक्रमित मिले बुधवार को

प्रदेश में भी थोड़ी वृद्धि के बाद 268 नए संक्रमित पाए गए हैं

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में लगातार बढ़ते करोना संक्रमण के बीच बुधवार को 97 नए मरीज मिले हैं। वहीं इस बीच प्रदेशभर में 268 नए संक्रमित सामने आए हैं। राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 18 सौ के पार हो गए हैं। राज्य में पिछले 27 दिन में 4765 संक्रमित मिले है। वहीं 12 मरीजों की मौत हुई है। यह आंकड़ा पिछले चार महीने में मिले संक्रमितों में सबसे अधिक है।

राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 97 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 15 नए मरीज मानसरोवर में मिले हैं। इसके अलावा सांभर में 7, सांगानेर में 5, जगतपुरा और प्रताप नगर में 4-4, सोडाला, आमेर, झालाना डूंगरी, झोटवाड़ा व मुरलीपुरा में 3-3 तथा अम्बावाडी, चाकसू, चौड़ा रास्ता, देवी नगर, गांधी नगर, मालवीय नगर व वैशाली नगर में 2-2 तथा अजमेर रोड, बजाज नगर, बनीपार्क, बरकत नगर, बस्सी, सिविल लाइन्स, दुर्गापुरा, गंगापोल, जौहरी बाजार, कटेवा नगर, लालकोठी, महेश नगर, निर्माण नगर, राजापार्क, शाहपुरा, शास्त्री नगर, सिरसी, तिलक नगर और त्रिवेणी नगर में एक-एक संक्रमित मिला है। वहीं 14 संक्रमितों के पते गलते मिले हैं। जिले में केवल 28 मरीज ही ठीक हैं।

इधर बुधवार को प्रदेश के 22 जिलों में 268 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 232 रोगी पाए गए थे। इनमें जयपुर के बाद सर्वाधिक 26 संक्रमित

- **राज्य में पिछले 27 दिनों में 4765 नए संक्रमित मिले, इस दौरान 12 लोगों की इस बीमारी से मौत हुई है।**
- **प्रदेश में एक्टिव केस भी बढ़कर 18 सौ के पार हो गए हैं।**

अलवर जिले में सामने आए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 20, अजमेर व सिरोही में 13-13, उदयपुर में 12, बांसवाड़ा व दौसा में 11-11, बीकानेर में 10, भीलवाड़ा में 8, जैसलमेर व नागौर में 7-7, कोटा में 6, चित्तौडगढ़, चूरू, झालावाड व राजसमंद में 5-5, जालोर में 3, सीकर, टोंक, भरतपुर और गंगानगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 11 जिलों बारां, बाड़मेर, बूंदी, धौलपुर, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, करौली, पाली, प्रतापगढ़ और सवाई माधोपुर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में बुधवार को भी रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 172 मरीज ही ठीक हुए हैं। इसके साथ एक्टिव केस बढ़कर 1813 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 459 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा जोधपुर में 281, अलवर में 113 और बीकानेर में 108 केस मौजूद है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में किसी भी संक्रमित की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9577 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

सार-समाचार

चित्रकार चंद्र प्रकाश गुप्ता का सम्मान

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर के वरिष्ठ चित्रकार चंद्र प्रकाश गुप्ता (खटोड़) को एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित समारोह में स्मृति चिन्ह व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती विद्यालय सचिव निर्मल दरगड़ प्रिंसिपल अर्चना सिंह आदि उपस्थित रहे।

गुरुकुल योग संस्थान ने लगाए 100 पौधे

जयपुर, (का.सं.)। गुरुकुल योग संस्थान की ओर से आज सेंट्रल पार्क में 100 पौधे लगाए गए। पिछले 17 साल से जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा गुरुकुल योग संस्थान के तत्वावधान में योग की कक्षाएं चलाई जा रही है। जिसमें सैकड़ों साधक योगाभ्यास करके स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजर जनरल अनुज माथुर और विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव हृदय रोग विशेषज्ञ थे। दोनों ही अतिथियों ने पारिजात के पौधे लगाएं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जयपुर विकास प्राधिकरण के डीएफओ महेश तिवारी ने बताया कि परिजात का पौधा एक महा औषधि है। यह घुटने के दर्द में और अर्थराइटिस में बहुत उपयोगी है। योग गुरु महेंद्र सिंह राव और प्रेरणा शर्मा ने बताया कि हम जब प्राणायाम का अभ्यास करते हैं तो उसमें लंबा सांस लेते हैं और लंबे स्वास में हम ऑक्सीजन का इंटेक ज्यादा से ज्यादा करते हैं इससे हम कई शारीरिक और मानसिक बीमारियों से दूर अपने आप को रख पाते हैं।

हथिनी कुंड में डूबने से युवक की मौत

जयपुर (कासं)। नाहरगढ़ वन क्षेत्र में स्थित हथिनी महादेव कुंड में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक अपने सगे भाई के साथ बुधवार दोपहर कुंड में नहाने के लिए उतरा और अचानक पैर फिसलने के चलते गहरे पानी में चला गया। छोटे भाई ने अपने बड़े भाई को बचाने की काफी कोशिश की लेकिन वह डूबने से नहीं बचा पाया। दोपहर करीब 3 बजे पुलिस कंट्रोल रूम और सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम को हादसे की सूचना दी गई। जिस पर पुलिस और सिविल डिफेंस टीम घटनास्थल पर पहुंची और तकरीबन आधे घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर कुंड में डूबे युवक का शव बाहर निकाला। कुंड में से शव को बाहर निकाल कर जंगल में से बाहर मुख्य मार्ग पर खड़ी एंबुलेंस तक लाने में सिविल डिफेंस टीम को 2 घंटे की मशक्कत करनी पड़ी। सिविल डिफेंस टीम के महेंद्र सेवदा ने बताया कि जगदंबा नगर झोटवाड़ा निवासी 19 वर्षीय अमन सिंह अपने छोटे भाई अनुज सिंह के साथ हथिनी महादेव कुंड घूमने आया था। मंदिर में दर्शन करने के बाद दोनों भाई कुंड में नहाने उतरे और अचानक पैर फिसलने के चलते अमन गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। जिस वक्त हादसा हुआ, तब वहां कई लोग मौजूद थे, लेकिन कोई भी तैरना नहीं जानता था। ऐसे में चाह कर भी कोई अमन को डूबने से नहीं बचा पाया। मृतक अमन सेना में जाने की तैयारी कर रहा था और उसका छोटा भाई अनुज भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है।

किरायेदार युवती की अस्मत लूटी

जयपुर। खोह-नागोरियान इलाके में एक किराएदार युवती की अस्मत लूटने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि इलाके निवासी 20 वर्षीया युवती ने रिपोर्ट दी है। उसका आरोप है कि करीब एक साल से परिवार सहित इलाके स्थित एक मकान में किराए से रह रहे हैं। मकान मालिक के बेटे तुशन उर्फ़ ताशु ने एक बार मौका पाकर दुष्कर्म किया, जिसके बाद लगातार देहशोषण करता आ रहा है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। वहीं मुहाना इलाके में एक युवती को दुष्कर्म की धमकी मिली है। पुलिस ने बताया इलाके निवासी 21 वर्षीया युवती ने हार्दिक पर आरोप लगाया है कि उसने अश्लील फोटो वायरल कर दुष्कर्म करने की धमकी दी है। इसी प्रकार सांगानेर में एक महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया मूलतया एमपी हाल इलाके निवासी 25 वर्षीया महिला का आरोप है कि पड़ौसी परिचित महिला के पति सूरज ने काम के बहाने बुलाकर घर पर छेड़छाड़ की।

डॉ.सतीश पूनिया करेंगे जनसुनवाई

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया गुरुवार को जयपुर स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर सुबह आमजन और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जनसुनवाई करेंगे। इसके बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय पर दोपहर में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ. सतीश पूनियां जयपुर रहने के दौरान नियमित रूप से अपने जनसंवाद केंद्र पर जनसुनवाई करते हैं, जिसमें वह प्रदेशभर के कार्यकर्ता और आमजन से मुलाकात कर समस्या समाधान की कोशिश करते हैं।

World Hepatitis Day

Hepatitis is a disease characterized by the inflammation of the liver. There are 5 main hepatitis viruses, referred to as types A, B, C, D and E. These 5 types are of greatest concern because of the burden of illness and death they cause and the potential for outbreaks and epidemic spread. Take care of your health, get vaccinated and have your doctor screen for hepatitis to prevent health complications. Raise awareness to help others do the same.

#HAIR-CARE

Your Daily Hair Regimen

Since diet and lifestyle play an important role when it comes to the quality of your hair make sure that you pay attention to them as well to get the desired results.

A daily hair care routine to help you maintain healthy hair is just as important as your daily skincare routine. A hair care routine is not just about a few standard hair products but lot more. Let's find out how to maintain healthy hair daily by hair care routine you need to follow to help you achieve that.

Let us look at some daily hair care tips you can follow to maintain healthy hair.

Shampoo

Clean hair is one of the most important steps to maintain healthy hair. Irrespective of your hair type you need to make sure that you wash it properly with a shampoo and keep it clean. Also, a pre-shampooing routine is very important to maintain the shine and moisture of your hair. The frequency of washing does depend on your hair type. Never use hot water to wash your hair since it can strip your hair of its natural oils resulting in dry and dull hair.

- If you have an oily scalp, you need to wash your hair frequently to avoid the build-up of sebum on your scalp since excess oil will make your hair appear greasy. You do not need to wash your hair every day but keep your hair wash routine based on how oily your hair feels and looks.
- People who have normal hair and scalp can wash their hair whenever necessary. You can wash your hair twice a week or based on your needs. Since the hair does not get oily or dry easily you can use soap-free hair cleansers to maintain the pH balance of your hair. This will ensure that washing your hair will not strip your hair of its moisture.
- If you have a dry scalp, you should not wash your hair every day since it will only make your scalp drier. You can get away with washing your hair once a week. An SLS-free shampoo can be good for your hair since Sodium Lauryl Sulphate (SLS) can further dry your hair. If you want a shampoo that lathers but is not as harsh on your hair you can use one containing Sodium Laureth Sulphate. This is also a lathering agent but is much gentler to your hair than SLS.

Conditioner

Washing your hair with a good shampoo is important but a conditioner is far more crucial to maintain the health of your hair. A conditioner can help add moisture to your hair and also give it a lot of shine. After washing your hair you need to apply conditioner to the length of your hair and then rinse it after a few minutes. You are not supposed to apply conditioner to your scalp or roots.

- If you have oily hair you may skip using a conditioner since the natural oils from your hair are sufficient to keep your hair moisturized and shiny. However, it is better to use a conditioner since it can form a layer on your hair strands that will protect your hair from damage caused by the sun rays, free radicals, etc.
- If you have normal or dry hair you cannot skip a conditioner at all. You must use a hair conditioner after every time you wash your hair. Since the natural oils from your scalp may not be enough for the whole length of your hair, a conditioner will help add the necessary shine, hydration and protection that you need.
- If you are not using natural hair care products, you can use simple things from your kitchen to condition your hair. Ripe bananas, honey, curd, avocados, oatmeal, etc. are excellent hair conditioners. All you need to do is to apply them to your hair for an hour and then wash it with a gentle shampoo.

Oil Massage

The first thing that you need to add to your normal hair care routine is an oil massage or a pre-shampooing routine and this is irrespective of your hair type. You can use coconut oil, almond oil, olive oil, etc. to massage your scalp and hair. This will promote blood circulation and also add the much-needed moisture to your hair. Massage your hair with oil and then leave it for at least one hour or overnight before washing it with a gentle shampoo. Your hair will feel soft and look shiny instantly.

Unlike her two cousins Man Bai and Salim who drowned their upsets and wasted themselves in heavy drinking and opium addiction, Jodha took to spirituality -- fasting and prayers -- to overcome her grief of separation from her only child. When Man Bai moved to Allahabad to be with Salim during his revolt in her last months, Jodha stayed back at Agra Fort. May be because her child Khurram was in Agra Fort with Ruqaiah or she wanted to take care of Salim's family. But Jodha never left Mughal seat and stayed back with them rather than go to her husband. Meanwhile Man Bai was not helping herself or her husband with her addiction. Salim may have not loved Man Bai like Nur Jahan but he was definitely concerned about her. Salim himself mentions that Man Bai had mental illness and her family too agreed on that fact. Man Bai would have her bout of depression and meltdowns where she would not spare even Salim of her angry outbursts. Abul Fazl himself has mentioned in Akbarnama that Man Bai would get agitated for simple things in Mughal harem. In 16th century mental illness was not really known or treated. Man Bai seems to have had heavy depression and Salim too seemed to have been frustrated and depressed in life. But he was not someone to give up as easily as a Man Bai and held on to his life despite health issues and many personal set backs in life both politically and personally.

Jodha Bai
A Life Lost To Sadness

Anjali Sharma
Senior journalist & wildlife enthusiast

#AKBARNAMA

Jodha Bai was the mother of Khurram aka Shah Jahan the mughal emperor. She was the daughter of Mota Raja Udai Singh and Maharani Mangrang Devi of Jodhpur royal family, also known as Marwar. Prince Salim married Princess Jodha Bai in 1586. Salim was 17 years old and Jodha Bai was 13 years old at time of marriage. Jodha Bai was related both to Salim through her aunt Rukmavathi and mother Hira Kunwari. Maharani Rukmavathi was the last chief wife of Emperor Akbar. She married him in 1581 when he was 39 years old and she was 15 years old. Udai Singh (not to confuse with Kunwar Pratap's father) married his youngest sister Rukmavathi to Akbar in 1581.

Both Rukmavathi and Jodha Bai had very high status and powers in the Mughal court. Rukmavathi was one of top ten chief wives of Akbar and had many powers. In the same way Jodha Bai was one of the top 3 wives or chief consorts of Salim aka Jahangir. Man Bai and Nur Jahan were other two chief consorts of Jahangir. Jodha Bai like Man Bai had seals to issue orders on behalf of her husband Salim or Emperor Jahangir. Salim was anyway away from Agra or the Mughal court on campaigns and as governor in other places so Man Bai and Jodha Bai got all powers to run his family in Agra or Lahore court.

Jodha Bai had a tragic personal life. Till the first 7 years of marriage she did not conceive after the first child, who died in infancy. In the 16th century value system, respect of any wife depended on her giving birth to an heir. All other Salim's senior wives had children from Salim. This frustrated Jodha Bai a lot. She turned to spirituality and prayers. She did many fasts and prayed in many temples to get a baby. Not that Salim actually had any issues with her for not giving him a baby. He still treated her with respect and gave her high position in his harem (house hold). But society was cruel those days towards women who did not have children. The Mughal harem was no different. Exceptions were there as the senior wives like Ruqaiah and Salima who never had children from Akbar yet had very high positions.

The Upbringing

Jodha was not only his wife she was his cousin sister as his mother Hira Kunwari's grand aunt was married to Jodha's grandfather and her aunty Rukmavathi was Salim's step mother (Akbar's wife). Yet Jodha wanted a child badly. Finally in 1591 she decided that she will undertake the same pilgrimage Akbar undertook to beget Salim. To walk from Lahore to Ajmer Sharif bare foot. Prince Salim was not really in favour of her undertaking this hazardous walk but he finally bent to her wishes. He too accompanied her on this pilgrimage. Prince Salim was a warrior who was used to tough life in war fields and on roads. But Jodha had a very secure and shielded life, first under her father than her husband Salim. So walking 500 or more kilometres was not an easy task for a princess. Yet Jodha and Salim took this barefoot walk and completed it after almost a month.

Finally in 1592, she was blessed with a baby boy Khurram. Khurram was born on 5th Jan 1592 to Jodha Bai and Salim. Salim was at war in Rajputana at Khurrams birth. Salim rushed back from the war field to see his new born baby. Now Akbar called a priest from Kashi and asked him to do astrological charts of the newborn. The priest said Khurram will be more famous than grandfather Akbar or father Salim. When Ruqaiah heard this she demanded Khurram to be handed over to her for upbringing. Akbar could not say no to his senior wife and cousin. So the 6 days old Khurram on the orders of Akbar was handed over to Ruqaiah for upbringing. Ruqaiah was 48 years old and Akbar 50 years old when Khurram was born. Jodha was 19 years old and Salim 23 years old when Khurram was born to them.

When Salim heard this he must have definitely felt bad but did not actually show any opposition. Already his elder son Khusrau from Man Bai was being brought up in Akbar's house hold. Now his younger son Khurram was being given to Ruqaiah to be brought up in Akbar's household. In a way may be Akbar was trying to tie up or restrain Salim politically. Anyway in Akbarnama, Abul Fazl has mentioned that 'Akbar loved his grandsons (Khusrau and Khurram) more than his sons' taking a direct dig at Salim. Further Akbar even gave very high ranks to both Khusrau and Khurram at a small age. At 7 years only Khusrau had a mansabdari rivaling his father Prince Salim and his uncles Daniyal and Murad. Whether Salim was flattered by all attention his boys were getting from Akbar or resented it no one will know. But what happened a few years down the line must have hurt Salim as a father a lot. But both Khusrau and Khurram started considering Akbar as father and Salim was just a dummy invisible father in their life. Khusrau went a step further calling Salim as 'Shah Bhai' means 'Royal brother' rather than father.

Fatehpur Sikri, Agra

Jodha Bai

Suitable Challenges

Jodha and Salim had a daughter in 1597 but she died in few weeks. This left Jodha pretty much shattered. Although she was a mother she was like a barren woman. Her baby was being brought up away from her household by Ruqaiah. Although they stayed in same fort, access to her child was rare and for very little time. Khurram considered and called Ruqaiah his mother and Akbar as his father. The fact that Salim revolted against Akbar also did not help Salim's family or Jodha. Mughal harem must have turned against Salim's family. But Jodha Bai had no option but to stay at Mughal fort. Man Bai had similar issues with Khusrau considering Akbar his father and her husband Salim as royal brother. Khusrau too never listened to his mother or father as he had a powerful grandfather's blessings.

This family stress and tension ensured many of Salim's wives deaths in their 20s or 30s. Man Bai committed suicide in early 30s. Jodha died in early 40s. Sahib Jamal his second wife and son Parvez's mother died in her late 20s too. This must have affected them mentally in some ways. Or the fact that Salims sons were being seen as suitable challengers to throne after Akbar's death by Akbar himself must have truly frustrated Salim and his wives too. So Man Bai drowned her loneliness at being away from husband and son in addiction. She was a heavy drinker and opium user like her husband. Salim himself almost died of overdose at 29 years of age, had his first heart attack at 37 years and then another heart attack in 40s.

> Salim too like Jodha loved Khurram a lot. When Khurram's son got unwell, Salim took oath not to hunt and maintained it for years till Shah Jahan revolted. And everyone knows Salim loved hunting and was a great hunter too. For him to refrain from hunting is a very big sacrifice.

Unlike her two cousins Man Bai and Salim who drowned their upsets and wasted themselves in heavy drinking and opium addiction, Jodha took to spirituality – fasting and prayers – to overcome her grief of separation from her only child. When Man Bai moved to Allahabad to be with Salim during his revolt in her last months, Jodha stayed back at Agra fort. May be because her child Khurram was in Agra fort with Ruqaiah or she wanted to take care of Salim's family. But Jodha never left Mughal seat and stayed back with them rather than go to her husband. Meanwhile Man Bai was not helping herself or her husband with her addiction. Salim may have not loved Man Bai like Nur Jahan but he was definitely concerned about her. Salim himself mentions that Man Bai had mental illness and her family too agreed on that fact. Man Bai would have her bout of depression and meltdowns where she would not spare even Salim of her angry outbursts. Abul Fazl himself has mentioned in Akbarnama that Man Bai would get agitated for simple things in Mughal harem. In 16th century mental illness was not really known or treated. Man Bai seems to have had heavy depression and Salim too seemed to have been frustrated and depressed in life. But he was not someone to give up as easily as Man Bai and held on to his life despite health issues and many personal set backs in life both politically and personally.

Once Salim came to know that Man Bai was drinking very heavily and unwell when he was away in war campaign in Persia. So after the war he called Man Bai to join him in Kabul fort as she had gone to attend a wedding with Jodha Bai, of one of their relatives in Rajputana. Man Bai and Jodha visited Salim in Kabul fort. Salim tried to placate Man Bai's loneliness but with his constant travel on war campaigns and to other cities on work he could not do much to placate her frustrations.

Big Sacrifice

In 1605, Salim became the emperor. The first order he gave as the emperor was that Khurram will be returned to his mother Jodha Bai. But Khurram was already 13 years old and close to Ruqaiah and Nur Jahan his nurse maid. He never really accepted Jodha as his mother or spent much time with her. Khurram was if you read his life history, a very Machiavellian and strong person like an Akbar. He was not a Salim.

Salim too like Jodha loved Khurram a lot. When Khurram's son got unwell, Salim took oath not to hunt and maintained it for years till Shah Jahan revolted. And everyone knows Salim loved hunting and was a great hunter too. For him to refrain from hunting is a very big sacrifice. And Salim always affectionately called Khurram, Khurram Baba, even after he became a father and an adult. Salim further ensured that Khurram never went to war field till he was old enough. Khurram went on his first war campaign at age of 19 or 20 years, old enough for a Mughal prince. Compared to him Akbar went to war at 11 years, Salim at 9 years, Murad at 11 years etc. Salim ensured none of his sons went to war as children at least after he became the emperor.

Khurram felt being close to his father and his current favourite Nur Jahan, his nurse maid which was more beneficial in long term to his political ambitions. In 1617-18 Nur Jahan started her political maneuvering and first asked Khurram to marry her daughter Ladli Begum from Ali Quli. Khurram refused saying he considers her a sister. Than Nur Jahan asked Khusrau and he too refused saying he only loves his wife. So Nur Jahan married Ladli Begum to Sharyar and started making all decisions against Khurram's interest. Khurram was shocked at this turn of events. He finally must have realized that only a biological mother cares for a child without any expectations.

But it was too late in 1619, Jodha Bai died at young age of 46 years. Thus even if Khurram wanted to rectify his behavior and get close to his mother it was too late. When Jodha died Khurram cried a lot and Jahangir had to take him to his palace and console him. May be the guilt of not having had a relationship with mother all life through weighed on his mind. In her last few years she had lost her husband's love too as he was being close to Nur Jahan after 1611 to 1619 till her death. It is said when Taj Mahal was being built Shah Jahan put a trishul on top in memory of his mother. But it was too late to rectify decades of neglecting her. She died heartbroken. Akbar's decision to hand over Khurram to his senior wife Ruqaiah for upbringing thus brought irreparable damage to the relationship between Khurram and his parents especially mother Jodha. Thus their only child which they got after many prayers and penance just remained a distant dream for them.

writetoarbit@rashtradoot.com

Jodha Bai

Palace of Jodha Bai gate.

> When Jodha died Khurram cried a lot and Jahangir had to take him to his palace and console him. May be the guilt of not having had a relationship with mother all life through weighed on his mind. In her last few years she had lost her husband's love too as he was being close to Nur Jahan after 1611 to 1619 till her death.

#RADIATIONS

Telescope Detects Radio 'Heartbeat'

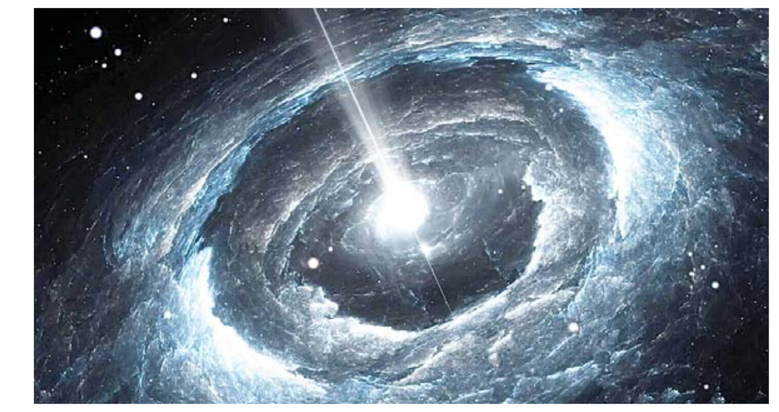

Astronomers have detected a strange and persistent radio signal from a far-off galaxy, which appears to be flashing with surprising regularity. Classified as a fast radio burst or FRB, this new signal persists for up to three seconds about 1,000 times longer than the average FRB.

Within this window, the team detected bursts of radio waves that repeat every 0.2 seconds in a clear periodic pattern.

"THERE ARE NOT MANY THINGS IN THE UNIVERSE THAT EMIT STRICTLY PERIODIC SIGNALS."

The researchers have labelled the signal FRB 20191221A. It is currently the longest lasting FRB, with the clearest periodic pattern, detected to date.

On December 21, 2019, the CHIME telescope picked up a signal of a potential FRB, which immediately drew the attention of Daniele Michilli, who noticed something unusual while scanning the incoming data.

"Not only was it very long lasting about three seconds but there were periodic peaks that were remarkably precise emitting every fraction of a second-boom, boom, boom-like a heartbeat," recalls Michilli, who led the research, initially while at McGill University and then as a postdoc at MIT. "This is the first time the signal itself is periodic."

"There are not many things in the universe that emit strictly periodic signals," adds Aaron Pearlman, a postdoctoral fellow at the McGill Space Institute who also collaborated on the paper.

"Examples that we know of in our own galaxy are radio pulsars and magnetars, which rotate and produce a beamed emission similar to a lighthouse. And we think this new signal could be a magnetar or pulsar on steroids."

The team hopes to detect more periodic signals from this source, which could then be used as an astrophysical clock. For instance, the frequency of the bursts and how they change as the source moves away from Earth could be used to measure the rate at which the universe is expanding.

In analysing the pattern of FRB 20191221A's radio bursts, Michilli and his colleagues found similarities with emissions from radio pulsars and magnetars in our own galaxy. Radio pulsars are neutron stars that emit beams of radio waves appearing to pulse as the star rotates while a similar emission is produced by magnetars due to their extreme magnetic fields.

> Classified as a fast radio burst or FRB, this new signal persists for up to three seconds about 1,000 times longer than the average FRB.

The main difference between the new signal and radio emissions from our own galactic pulsars and magnetars is that FRB 20191221A appears to be more than a million times brighter. Michilli says the luminous flashes may originate from a distant radio pulsar or magnetar that is normally less bright as it rotates and for some unknown reason ejected a train of brilliant bursts, in a rare three-second window that CHIME was luckily positioned to catch.

"CHIME has now detected many FRBs with different properties," Michilli says. "We've seen some that live inside clouds that are very turbulent while others look like they're in clean environments. From the properties of this new signal we can say that around this source there's a cloud of plasma that must be extremely turbulent."

The astronomers hope to catch additional bursts from the periodic FRB 20191221A, which can help to refine their understanding of its source, and of neutron stars in general.

"This detection raises the question of what could cause this extreme signal that we've never seen before, and how we can use this signal to study the universe," Michilli says. "Future telescopes promise to discover thousands of FRBs a month, and at that point we may find many more of these periodic signals."

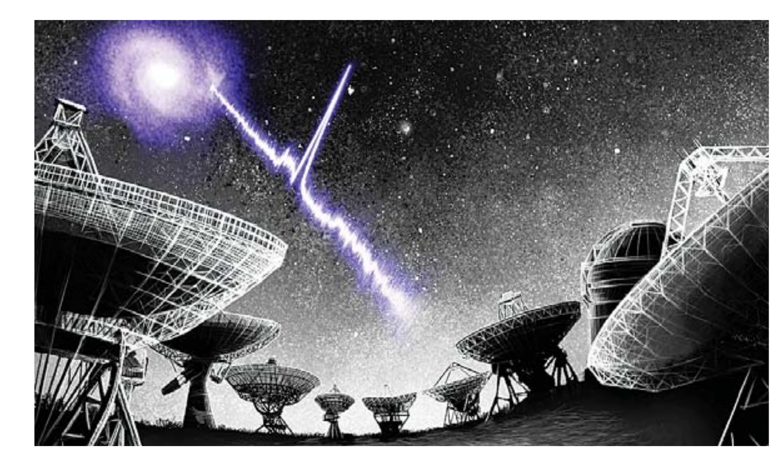

THE WALL

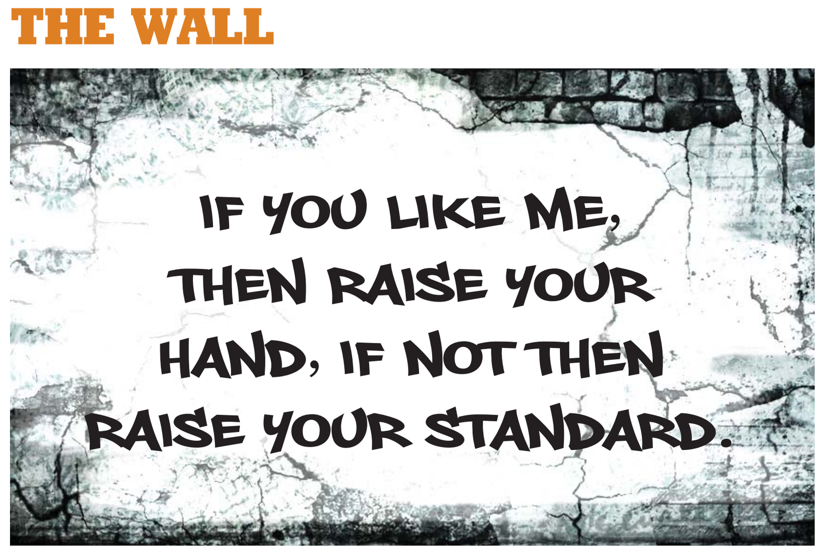

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

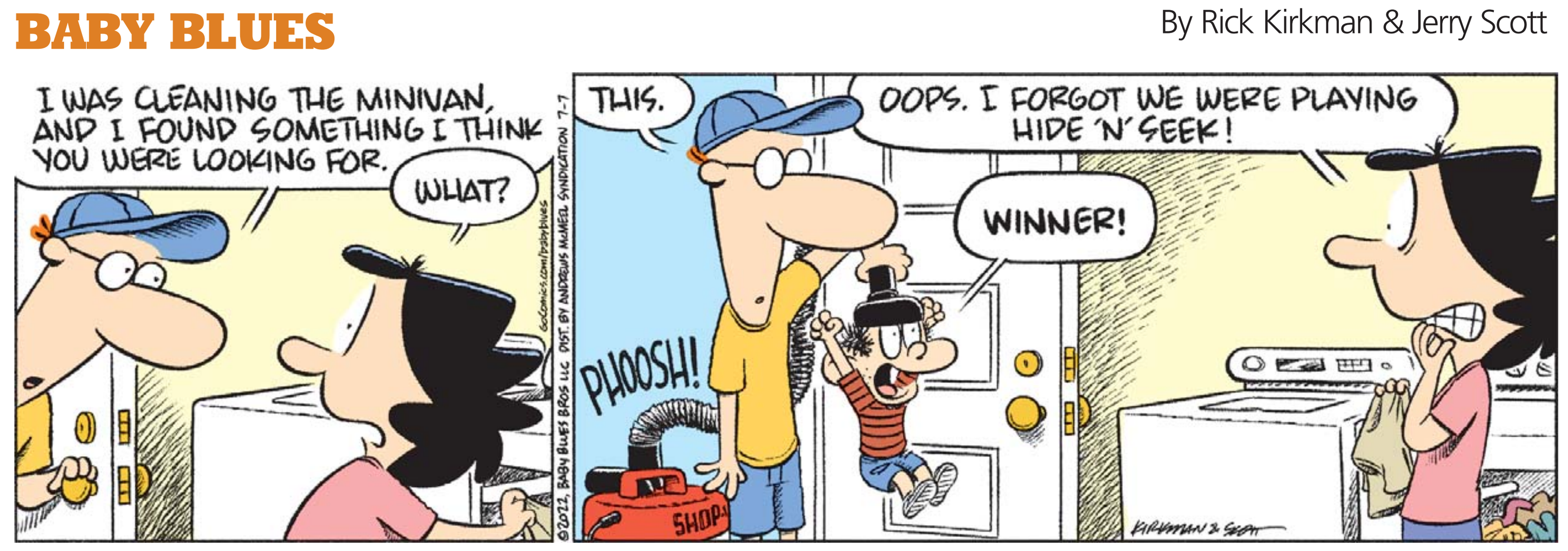

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

लूणकरण पुलिस की पिटाई से युवकों का शरीर काला पड़ा

पीड़ित ने दावा किया है कि पीटते हुए का वीडियो भी बनाया गया है

बीकानेर, (कासं)। शराब ठेकेदार के साथ विवाद के चलते लूणकरनसर पुलिस ने दो युवकों की इतनी पिटाई कर दी कि शरीर का हर हिस्सा काला पड़ गया है। इनमे एक 16 नाबालिग युवक को भी जमकर पीटा गया। इतना पीटा गया कि युवक बैठ भी नहीं सकते। अब मामला बीकानेर रेंज के आईजी ओम प्रकाश पासवान के पास पहुंच गया है। पीड़ित ने मंगलवार को लूणकरनसर की थाना प्रभारी सुमन पडिहार पर गंभीर आरोप लगाते हुए जांच की मांग की जा रही है।

युवक ने आरोप लगाया है कि रोझा गांव में शराब का ठेका बंद कराना चाहता था। जो करीब एक साल से चल रहा है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई नहीं की तो दुकानदार को समझाया। इस पर दो दिन तक दुकान आठ बजे बंद हुई, लेकिन बाद में फिर से देर तक खुलने लगी। फिर से 22 जुलाई को दुकान खोलने पर दुकानदार से बात करने गए थे। इसी दौरान पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन युवक वहां से चले गए। इस पर पुलिस ने पीछा करके रात 1 बजे पकड़ लिया। 23 जुलाई को दिनभर थाने में जबरदस्त पिटाई की गई। पीड़ित ने दावा किया है कि पीटते हुए का वीडियो भी बनाया गया है।

पीडित अनिल (24) ने बीकानेर रेंज के आईजी को दिए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि थानाधिकारी को एक युवक के नाबालिग होने की जानकारी दी गई, इसके बाद भी जमकर पिटाई की गई। इससे नाबालिग के शरीर पर जगह-जगह डंडे से पिटाई के निशान हैं। एक अन्य युवक अनिल जाट के भी गंभीर चोटे आई हैं। दोनों ने अपने शरीर पर लगी चोट का वीडियो भी बनाया है।

■ **पिटाई को लेकर आईजी ओमप्रकाश ने संबंधित थानाधिकारी को तलब किया**

अनिल के गुप्तांगों पर चोट मारी गई। नेदार सुमन पडिहार के अलावा सिपाही नेताराम व राजू पर शराब ठेकेदार के दबाव में मारपीट करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि इस बेरहमी से पिटाई को लेकर आईजी ओमप्रकाश ने संबंधित थानाधिकारी को तलब किया है। बीकानेर रेंज के आईजी ओम प्रकाश पासवान ने कहा- थाने में मारपीट के मामले में कल कुछ युवक मिले थे। इनके खिलाफ भी पहले शिकायत थी। कोई वीडियो बनाया गया था। किसी भी स्थिति में अगर इस तरह मारपीट हुई है तो जांच कराएंगे। बीकानेर एसपी को पत्र भेज एडिशनल एसपी को जांच के आदेश दिए गए हैं।

'घग्घर का बहाव पहले की तरह रखने की मांग'

अच्छी बारिश से भेड़ताल तक पानी पहुंचने की उम्मीद

अनूपगढ, (निसं)। क्षेत्र में बहने वाली घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र के किसानों ने आज उपखंड कार्यालय में एक ज्ञापन और घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र का नक्शा सौंपकर बहाव को पहले की तरह रखने की मांग की है।

ज्ञापन सौंपते समय लगभग डेढ़ दर्जन गांवों के किसान पहुंचे और प्रशासन से मांग की। ताकि किसानों को नदी का पानी आने पर किसी भी तरह का नुकसान नहीं उठाना पड़े। गांव 33 एपीडी के किसान बजरंग सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले घग्गर नदी गांव 93 जीबी से निकलकर गांव 3 एमएसआर, 4 एमएसआर, 5 एमएसआर, गांव 94 जीबी और 6 एमएसआर और लैला मजनू की मजार के पास से होकर गांव 36 एपीडी दक्षिण, गांव 28 ए, गांव 35 एपीडी से होकर भेड़ताल तक पहुंचती थी।

मगर अब काफी समय से घग्घर नदी का पानी भेड़ताल तक नहीं पहुंच पा रहा है। इससे बहाव क्षेत्र की निशानदेही गायब हो चुकी है। गांव 36 एपीडी के किसान कासिम अली ने जानकारी देते हुए बताया कि 2015 में घग्गर नदी का पानी भारत के अंतिम छोर भेड़ताल तक पहुंचा था मगर 2015 के बाद घग्गर नदी का पानी भेड़ताल तक नहीं पहुंचा।

■ **लगभग डेढ़ दर्जन गांवों के किसानों ने घग्घर नदी के बहाव क्षेत्र का नक्शा एसडीएम को सौंपा**

इस बार पूरे भारत में बरसात अच्छी होने के कारण घग्गर नदी का पानी भेड़ताल तक पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन निशानदेही गायब होने से किसानों को खतरा है, कि नहरी विभाग के द्वारा घग्घर नदी का बहाव क्षेत्र बदला जा सकता है।

भामाशाह ने सीएचसी छापर को दी जमीन

बीदासर, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती गाँव चाड़वास के भामाशाह खुमाराम गोदारा व मोहनी देवी गोदारा ने गाँव छापर में नवसृजित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के निर्माण हेतु नरबदा बास स्थित अपनी संयुक्त खातेधारी की 04 बीघा 14 बिस्वा भूमी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग राजस्थान सरकार के पक्ष में दान की। बुधवार को चिकित्सा विभाग राजस्थान सरकार की ओर से सुजानगढ के खण्ड मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. औमप्रकाश धानिया ने भामाशाह गोदारा द्वारा दान की गई भूमि का कब्जा प्राप्त किया।

महिला स्वास्थ्यकर्मियों को कोर्ट से राहत

सादुलपुर, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा 18 जुलाई 2022 को सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र की महिला कार्यकर्ताओं का स्थानांतरण जिले से बाहर करने एवं एपीओ कर निदेशालय भेजने के आदेश में कार्यकर्ताओ द्वारा हाईकोर्ट ने चुनौती देने पर हाई कोर्ट ने उन्हें राहत प्रदान कर आदेश को स्टे कर दिया है। वहीं मिली जानकारी के अनुसार प्रकरण को लेकर महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जोधपुर में चुनौती दी गई, जिसमें विद्वान न्यायधीश अरुण भैंसाली ने राज्य सरकार के आदेश को स्टे करते हुए प्रार्थीगण सतलेश, रामरती, सुलोचना, सुनीता, सरोज, कमला व केला की याचिका को स्वीकार कर लिया है। वकील ने कहा कि राज्य सरकार को कहीं अधिकार नहीं है कि किसी कार्मिक को बिना तथ्य के एपीओ किया जाए।

पाली में टूटी सड़क पर टेंपो पलटने से लोगों का फूटा गुस्सा

नया गांव से कॉलेज तक टूटी सड़क के विरोध में शहरवासियों का गुस्सा फूटा।

पाली, (नि.सं.)। पाली जिला मुख्यालय मुख्य प्रवेश मार्ग नयागांव से कॉलेज तक टूटी सड़क पर आज एक लोडिंग टेम्पो पलटने से आसपास अनेक कॉलोनी के शहरवासियों का गुस्सा फूटा। पाली शहर के मुख्य प्रवेश मार्ग पर अनगिनत खड्डों में पडी मुख्य सड़क पर रोजाना हादसे हो रहे ।

इस तरफ 6 बडे स्कूल होने की वजह से हजारो नन्हे नन्हे छात्र इसी सड़क पर वाहनों में आते जाते है हर समय मौत मण्डरा रही। नगरपरिषद की अनदेखी के वजह से यह मुख्य सड़क नही बन जाने से सेकड़ो शहरवासियों ने मुख्य सड़क मार्ग रोक विरोध किया। सूचना से पाली विधायक ज्ञानचंद पारख भी पहुचे ओर विरोध में समिलित हुए। आसपास 4 कॉलोनी के निवासियों ने नगरपरिषद एवं सार्वजनिक विभाग के खिलाफ नाराजगी जता भारी विरोध प्रदर्शन किया।

सूचना से सिटी सीओ पुलिस मौके पर पहुच 2 घण्टे बाद लोगो से समझाइस के बाद रास्ता खुलवाया। गौरतलब रहे कि कुछ माह पूर्व प्रभारी मंत्री टीकाराम जुली द्वारा इस सड़क निर्माण का कार्य सुरु करवाने का मुहर्त भी किया परन्तु 5 महीने बीते ना सड़क बनी ना मरम्मत हुई। वर्तमान में 2 किलोमीटर में गहरे चौड़े खड्डे हर समय हादसों अनहोनी को निमंत्रण दे रहे। रोजाना हादसे पे हादसे हो रहे। विधायक पारख ने स्थानीय नगरपरिषद वर सार्वजनिक विभाग पर मिलीभगत, अनदेखी, लापरवाही भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। मुख्य सड़क के टूटे कई साल बीते पर प्रशासन की अनदेखी का खामियाजा हजारो वाहन वाले एव वार्डवासियों को भुगतना पड़ रहा है।

सरपंचों ने ग्रामसभाओं को किया बहिष्कार

चूरू, (कास)। सरपंचों ने पंचायत समिति चूरू की समस्त ग्रामसभाओं में होने वाली ग्रामसभा का बुधवार को अपनी मांगों को लेकर बहिष्कार किया। इसके चलते कहीं पर भी ग्रामसभा नही हो पाई। सरपंच संघ के आव्हान पर सभी सरपंचों ने पंचायत समिति में धरना दिया। उन्होंने सरपंचों पर नरेगा में अनियमितता का आरोप लगाने के विरोध में पंचायतीराज मंत्री रमेश मीणा का पुतला दहन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। धरने के पश्चात ब्लॉक अध्यक्ष बलबीर ढाका के नेतृत्व में सरपंच संघ ने एडीएम को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लिखा है कि सरकार के साथ हुए समझौते का क्रियान्वयन नहीं किये जाने तक सरपंचों का असहयोगात्मक रवैया जारी रहेगा। ज्ञापन देने वालों में हरदयाल सिंह भामासी, जंगशेर खान पिथिसर, संदीप वर्मा, कमल भामू, दयाराम कस्वां, रामनिवास कड़वासरा, ताराचंद भामू श्योपुरा, नवलसिंह घंटेल, नारायणा राम खंडवा, जगदीश प्रसाद सिरसला, मजीद खान राणासर आदि मौजूद थे।

चोरों ने एक ही रात में चार घरों को निशाना बनाया

मासलपुर के कसारा गांव के एक घर में चोरी के बाद बिखरे सामान को देखते परिजन।

मासलपुर, (नि.स.)। मासलपुर थाना क्षेत्र के कसारा गांव में बीती रात चोरों ने 4 घरों को अपना निशाना बनाया जिसमें चोर दो घरों में चोरी करने में सफल हुए वही दो घरों में चोरी प्रयास किए जाने के दौरान जाग होने से असफल रहे। चोरों ने सुरेश प्रजापत के घर की कुंडी खोल अलमारी में रखे बक्से का ताला तोड उससे सोने चांदी के आभूषण व 2500 रुपए की नगदी सहित करीब डेढ़ लाख रुपए का माल पार किया वही सामान बिखेर गए इसी प्रकार शिवनारायण जाटव के मकान में रखे सूटकेस से चोर सोने का ओम,सीक,बटुआ में रखी 200 रुपये की नगदी तथा गुल्लक में रखे 4हजार रुपए की नगदी चुरा ले गये चोरों ने बाबू प्रजापत, कुंदे जाटव के मकान में भी चोरी करने का प्रयास किया मगर जाग होने से चोर चोरी करने में असफल रहे सुरेश प्रजापत,शिवनारायण जाटव ने बताया कि परिवार जन मकान के बरामदे में सो रहे थे घटना का पता जाग होने पर चला पीड़ितों की ओर से घटना की प्राथमिकी पुलिस थाने में दी गई है।

चाकू की नोंक पर डरा कर बार-बार दुष्कर्म करने का आरोप

आरोपी पीड़िता के घर ईंट व पत्थर फेंक रहे है

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ कस्बा निवासी एक महिला ने एक आरोपी द्वारा उसे डरा धमका कर उसकी अश्लील फोटो व वीडियो बनाकर सार्वजनिक करने की धमकी देकर व चाकू की नोक पर नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म करने एवं किसी को बताने पर उसके पति व बच्चों को जान से मारने की धमकी देने के आरोप का मामला राजगढ़ थाने में दर्ज करवाया गया है। वहीं पीड़िता ने आरोपी द्वारा एवं अपने साथियों से उसके घर में कभी पत्थर, कभी ईंट तो कभी चाकू आदि सामान रात्रि के समय फैंकने का आरोप लगाया है। तथा आरोपी के कहे अनुसार नहीं चलने पर अपनी अश्लील व गन्दी फोटो सार्वजनिक करके उसे समाज में बदनाम करने व अपने पति व बच्चों को जान से मरवाने की आंशका जाहिर करते हुए अपनी जान माल की सुरक्षा की माँग की है।

राजगढ थाने में दर्ज प्रकरण में पीडिता का आरोप है कि एक वर्ष पूर्व वह अपने रिश्तेदार के पास फोन कर रही थी, मगर गलती से फोन संदीप पुत्र महावीर जाट निवासी थान मठुई को लग गया। आरोप है कि आज से करीबन एक साल पूर्व जब वह अकेली हल्का थान मठुई रोही के स्थित खेत में गई थी तो आरोपी संदीप खेत में आ गया तथा उसे अकेली देखकर चाकू की नोंक पर उसे डरा धमका कर दुष्कर्म किया तथा उसकी अश्लील फोटो खींच ली एवं धमकी दी कि अगर किसी को बताया तो उसके पति व बच्चों को जान से खत्म कर उसकी फोटो सार्वजनिक कर देगा।

बदनामी डर से पीडिता ने किसी को नहीं बताया, मगर आरोपी संदीप लगातार उसे ब्लेकमेल करता रहा और जहां चाहता उसे बुलाता रहा। पीडिता ने अपना नम्बर भी बन्द कर दिया तो वह उसकी गली में चक्कर लगा रहा है तथा वह खुद एवं अपने साथियों से कभी पत्थर, कभी ईंट कभी चाकू सामान आधी रात को फैंकवाने लगा है। पीड़िता को डर है कि विरोध करने पर उसकी गन्दी फोटो सार्वजनिक करके उसे व उसके परिवार को समाज में मुंह दिखाने लायक नहीं छोडेगा तथा उसके कहे अनुसार नहीं चलने पर उसके पति व बच्चो को जान से मरवा सकता है।

सांसद ने गृह मंत्री से मुलाकात की

भरतपुर, (निस)। सांसद रंजीता कोली ने अवैध खनन को बंद कराने पर आत्मदाह करने बाले बाबा विजयदास के संबंध में गृह मंत्री अमित शाह व जे.पी. नड्डा से मुलाकात की। सांसद ने ग्राम पसोपा में संत समाज द्वारा कंकाचल तथा आदिवद्री पर्वतों के अवैध व वैद्य खनन को बंद कराने के लिए आंदोलन करने के संबंध में पूर्ण जानकारी दी। साथ ही बताया कि कई बार उन्होंने भी आंदोलन में भाग लिया था।

बाबा विजयदास के आत्मदाह के बाद खनन बंद करने को लेकर भले ही राजस्थान सरकार ने मंजूरी दी हो परन्तु पूर्ण रूप से खनन बंद करने के लिए कोई प्रस्ताव नहीं दिया है। जबकि कामां व पहाड़ी में राजनीतिक संरक्षण में काफी संख्या में अवैध खनन किया जा रहा है। जिसकी वे कई बार आवाज उठा चुकी हैं। आदीबद्री तथा कनकांचल पर्वतों से ही खनन बंद करने से कुछ नहीं होगा।

■ **'कामां व पहाड़ी में मंत्री जाहिदा खान के परिचितों तथा परिवारजनों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है'**

जिस प्रकार कामां व पहाड़ी में स्थानीय विधायक व मंत्री जाहिदा खान के संरक्षण में उनके परिचितों तथा परिवारजनों द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है। वह भी पूर्ण रूप से बंद होना चाहिए। तभी पर्वतों को बचाया जा सकता है। गृहमंत्री शाह तथा जे.पी. नड्डा से खनन बंद करने के लिए आगामी रणनीति बनाने के लिए विचार विमर्श किया।

मंत्री के बयान पर सरपंचों का विरोध

सुजानगढ़, (निसं)। पंचायतीराज मंत्री रमेश मीणा द्वारा नरेगा में भ्रष्टाचार एवं घोटालों को लेकर दिए गए बयान के विरोध एवं अपनी मांगों के समर्थन में सरपंचों व उनके प्रतिनिधियों ने उपखण्ड अधिकारी मूलचंद लूणिया को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। उपखण्ड कार्यालय पहुंचे सरपंचों व उनके प्रतिनिधियों ने पंचायतीराज मंत्री के खिलाफ जम कर नारेबाजी की। ज्ञापन में बताया गया कि पंचायत राज मंत्री के बयान से सरपंच संघ में भारी आक्रोश व निराशा है। सरपंच संघ अध्यक्ष बाघसरा सरपंच केशराराम गोदारा ने बताया कि सरपंचों से पंचायती राज राज्य मंत्री द्वारा 21 मार्च को लिखित समझौता किया गया था। जिनके आदेश जारी होने के बाद भी मांगे पूरी नहीं की जा रही है। इस सम्बंध में सरपंच संघ द्वारा सरकार का ध्यान खींचने के लिये आंदोलन का निर्णय किया गया है। इसके तहत सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा व कार्यो का बहिष्कार किया गया।

आरएसी जवानों को टक्कर मारी, तीन जवान गंभीर घायल

बीकानेर, (कासं)। यहां कलक्टरी परिसर में पेड़ के नीचे सुस्ता रहे आरएसी के तीन जवानों को कार चालक ने घायल कर दिया। कलक्टरी के पास से ही स्विफ्ट डिजायर कार बहुत तेज गति से निकली। कार अनियंत्रित थी और पेड़ के पास बैठे तीन जवानों पर चढ़ा दी गई, जिसमें दो गंभीर घायल हो गए। जिन्हें पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अचानक कार को खुद पर आते देख जवान भी स्वयं को बचा नहीं सके।

घटना के बाद घायल जवानों को पीबीएम अस्पताल पहुंचाया गया। जहां ट्रोमा सेंटर में इनका इलाज शुरू किया गया है। तीनों की हालत गंभीर है लेकिन खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस निरीक्षक सुभाष बिजारणियां सहित कई पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घायलों में गिरवर दान व मनीराम का इलाज ट्रोमा सेंटर में चल रहा है, जबकि एक अन्य को सामान्य खरौंच आई है। कलक्टर कार्यालय के ठीक पास एक पेड़ के नीचे आरएएसी के जवान नियमत रूप से बैठे रहते हैं। इनकी नियमित ड्यूटी होने के कारण जब कोई विरोध प्रदर्शन करने आते हैं तो कलक्टर कार्यालय के मुख्य द्वार पर आकर खड़े हो जाते हैं। हर रोज की तरह तीन जवान यहां खड़े थे, तभी अनियंत्रित होकर टक्कर मार दी।

■ **पेड़ के नीचे सुस्ता रहे आरएससी जवानों पर चढ़ा दी कार**

■ **पीबीएम के ट्रोमा सेंटर में किया जा रहा उपचार**

स्कूल में शिक्षकों को कमी, अक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

रीछी के बाडिया गांव में शिक्षकों की कमी पर ग्रामीणों ने स्कूल पर ताला जड़ दिया।

भीलवाड़ा, (निसं.)। जिले की करेडा पंचायत समिति के नारेली ग्राम पंचायत के रीछी के बाडिया गांव जहा सरकारी विद्यालय में शिक्षकों की कमी के चलते आज ग्राामीणों ने वह छात्र छात्राओं ने विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही शिक्षा के विभाग सम्पत खींची वह करेड़ा पुलिस चौकी प्रभारी श्रवण विश्नोई मौके पर पहुंचे व अभिभावकों व ग्रामीणों से समझाइश शुरू की। नारेली सरपंच लादूलाल गुर्जर ने बताया की रीछी गांव में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय स्थित है जहां विद्यालय में काफी दिनों से अध्यापकों के पद रिक्त चल रहे हैं।

इसी के चलते आज रीछी गांव के ग्रामीणों एक जगह एकत्रित हुए वह विद्यालय के प्रवेश द्वार पंहुचे । जहा विद्यालय में अध्यनरत छात्र-छात्राओं की मौजूदगी में ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ ही पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। जहां विरोध प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों व छात्रों से समझाइश की और तालाबंदी खुलवाई वही सम्पत खींची ने तुरंत आदेश निकालते हुए एक अध्यापक को स्कूल में लगाया जिसके बाद छात्रों में सहमति जताते हुए स्कूल के ताले खोले।

किसानों की मांगों पर बनी सहमति

सूरतगढ़, (निसं)। मानकसर चौक पर चल रहे किसानों के धरने में सहमति बनने के बाद किसानों ने धरना उठा लिया। इससे पूर्व किसानों की चक्का जाम की घोषणा को देखते हुए सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर अमरजीत मेहरड़ा और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों को वार्ता का न्यौता दिया।

इस दौरान वार्ता में एडीएम अरविंद जाखड़, एसडीएम कपिल यादव, तहसीलदार हाबुलाल मीणा सहित अन्य अधिकारियों की मध्यस्थता में एसडीएम कार्यालय में करीब 2 घंटे वार्ता चली। प्रशासन की ओर से किसानों को घग्गर नदी में लगातार 5000 क्यूसेक पानी छोड़ने, घग्गर के रेगुलेशन को बदलने का प्रस्ताव 2 दिन में विभाग को भिजवाने और सूरतगढ व सरदारगढ़ फॉर्म द्वारा सायफ़नो से लिए जा रहे पानी पर 2 दिन तक रोक लगाने का लिखित आश्वासन दिया। जिसके बाद किसानों ने शाम को अपना धरना समाप्त कर दिया।

इससे पहले किसानों के आंदोलन को समर्थन देते हुए सूरतगढ़ विधायक रामप्रताप कासनिया, अनूपगढ़ विधायक संतोष बावरी, पूर्व विधायक शिमला बावरी, पूर्व विधायक राजेंद्र भादू, पूर्व विधायक अशोक नागपाल और सूरतगढ़ विधायक रामप्रताप कासनिया, युवा नेता गगन विडिंग और राकेश बिश्नोई सहित बड़ी संख्या में किसान नेता मौजूद थे।

परिवार नियोजन सेवाओं में राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान को द्वितीय पुरस्कार

परिवार नियोजन साधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर मिला पुरस्कार

जयपुर, (कासं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत् प्रदेश में महिलाओं के लिए परिवार नियोजन साधन 'अंतरा गर्भनिरोधक इंजेक्शन' की सुलभ सेवाएं सुनिश्चित करने की उपलब्धियों के लिए प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने प्रदेश को मिली इस उपलब्धि पर सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कार्मिकों को शुभकामनाएं दी हैं। नई दिल्ली में बुधवार को आयोजित राष्ट्रीय परिवार नियोजन सम्मेलन में केन्द्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री डॉ.भारती प्रवीण पंवार ने यह पुरस्कार प्रदान किया है। राजस्थान को मिले द्वितीय स्थान का यह पुरस्कार निदेशक आरसीएच डॉ. के. एल. मीणा एवं परियोजना निदेशक परिवार कल्याण डॉ. गिरीश द्विवेदी ने प्राप्त किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने बताया कि प्रदेश में परिवार कल्याण साधन अंतरा इंजेक्शन की सुलभ उपलब्धता, फोलोअप एवं सघन मानीटरिंग हेतु अंतराराज एप्लीकेशन, ई- काउंसलिंग, ई-लर्निंग मॉड्यूल को क्रियान्वित किया गया है। इसी का परिणाम है कि अब तक प्रदेश में 5 लाख से अधिक महिलाओं ने इस साधन को अपनाया है। अब तक कुल 10 लाख अंतरा इंजेक्शन की डोज लगवायी गयी हैं। अंतरा इंजेक्शन अनचाहे गर्भ को रोकने व बच्चों के बीच अंतर रखने का एक सुरक्षित अस्थायी गर्भनिरोधक अस्थायी गर्भनिरोधक विकल्प है। तीन माह के अंतराल में लगने वाला यह इंजेक्शन एक बार लगवाने पर तीन माह तक या 90 दिन तक अनचाहे गर्भ से छुटकारा देता है।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय परिवार नियोजन सम्मेलन में डॉ. पंवार ने राज्य को पुरस्कृत किया।

जल्द जारी हो सकती है टीचर्स ट्रांसफर लिस्ट, प्रिंसिपल-लेक्चरर की लिस्ट लगभग तैयार

प्रिंसिपल और लेक्चरर की लिस्ट को दो दिन पहले अंतिम रूप दे दिया गया है

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग टीचर्स ट्रांसफर की जंबो लिस्ट जल्दी ही जारी करने वाला है। ट्रांसफर लिस्ट तैयार हो चुकी है और शीघ्र जारी हो जाएगी।

उम्मीद की जा रही है कि बुधवार रात या फिर गुरुवार को ही लिस्ट जारी होगी। सबसे पहले प्रिंसिपल और लेक्चरर के ट्रांसफर होंगे और इसके बाद सीनियर टीचर्स और ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर होंगे। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला की पर्सनल टीम पिछले कई दिनों से ट्रांसफर लिस्ट तैयार करने में जुटी है। इसमें प्रिंसिपल और लेक्चरर की लिस्ट को दो दिन पहले अंतिम रूप दे दिया गया। अब मुख्यमंत्री सचिवालय से इस लिस्ट को अंतिम रूप से चैक करवाया जा रहा है। दरअसल, जोधपुर सहित प्रदेशभर के ट्रांसफर्स में मुख्यमंत्री सचिवालय का दखल है। मंगलवार रात को लिस्ट जारी होने की अफवाह शुरू हुई तो आला अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बुधवार या गुरुवार तक पहली लिस्ट आ सकती है। ट्रांसफर में इस बार कांग्रेस विधायकों, मंत्रियों और कांग्रेस सरकार को समर्थन देने वाले गैर कांग्रेसी विधायकों को खास तरजीह दी गई है। हर विधायक की सिफारिश को सीधे ट्रांसफर में तब्दील किया गया है। यहां तक कि वाइस वरसा ट्रांसफर करते हुए बड़ी संख्या में टीचर्स को सुविधाजनक स्थानों से हटाया भी जा रहा है। शहरी स्कूलों में वर्षों से जमे टीचर्स अब गांव में पदस्थापित हो रहे हैं। दरअसल, टीचर्स ट्रांसफर को लेकर जयपुर में लंबा चौड़ा कैंप चल रहा है। शिक्षा निदेशालय से कई आला अधिकारियों के साथ ही प्रिंसिपल और लेक्चरर के रिकार्ड रखने वाले लिपिक भी जयपुर कैंप में शामिल हुए हैं। इन सभी को जयपुर में रहना पड़ रहा है।

- **प्रदेशभर के ट्रांसफर्स में मुख्यमंत्री सचिवालय का दखल है**
- **हर विधायक की सिफारिश को सीधे ट्रांसफर में तब्दील किया गया है**

श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया पर हेरोइन की सप्लाई

बीएसएफ ने हेरोइन के पांच पैकेट बरामद किए

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के श्रीकरणपुर बॉर्डर एरिया से बीएसएफ को हैरोइन के पांच पैकेट बरामद हुए हैं।

मामले की जानकारी मिलने पर सीआईडी (बीआई), बीएसएफ और पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। जिस पर कार सवार दो तस्कर भी पकड़ में आए हैं। पकड़े गए दोनों तस्कर पंजाब के हैं। दोनों पाकिस्तान की ओर से श्रीकरणपुर थाना क्षेत्र के बीपीओ पोस्ट कोहली गांव एक एक्स में भारत पाक इंटरनेशनल बॉर्डर से 150 मीटर पीछे भारतीय सीमा में हैरोइन के पैकेट लेने आए थे। पुलिस को ये हैरोइन भारतीय सीमा में जरनैलसिंह के खेत में पड़ी मिली। खेत में नरमा की फसल के बीच यह हैरोइन पांच पैकेट में बंद थी। इसका वजन 4.730 ग्राम है। तस्कर पुलिस और इंटेलिजेंस को पता लगने पर मौके से फरार हो गए। इस दौरान दो तस्करों के शिवपुर हैड की तरफ जाने की जानकारी मिली। पुलिस ने पीछा किया तो शिवपुर हैड के पास दो लोग पुलिस की पकड़ में आए।

इस मामले में तस्कर पंजाब के मोगा जिले की धर्मकोट तहसील के कोडी सेखा पुलिस थाना के गांव दौलेवाला निवासी बूटासिंह (29) पुत्र गुरबचनसिंह रायसिख तथा पंजाब के तरणतारण जिले की पट्टी तहसील के मुठ्ठेवाला निवासी बलवीर उर्फ बीरा (35) पुत्र मंगतसिंह को गिरफ्तार किया गया है। दोनों हैरोइन लेने आए कैरियर हैं। एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि श्रीकरणपुर इलाके में पांच पैकेट हैरोइन मिली है। नशे की खेप लेने आए दो तस्कर भी शिवपुर हैड के पास पकड़े गए हैं। अभी इनसे पूछताछ की जा रही है।

- **सप्लाई लेने आए पंजाब के दो तस्कर पकड़े**

ज्वॉइन नहीं करने पर बंद कर दिया जायेगा बेरोजगारी भत्ता

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा मुख्यमंत्री युवा संबल योजना 2021 के तहत आशाथिर्यों को विभाग आवंटन हो जाने के उपरान्त नियमानुयार 15 दिवस में इन्टर्नशिप हेतु कार्यग्रहण कर अपनी ज्वॉइनिंग रिपोर्ट अपनी एसएसओ आईडी से अपलोड करनी होती है।

ज्वॉइन नहीं करने पर नियमानुसार बेरोजगारी भत्ता बंद कर दिया जाता है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि कार्यालय द्वारा 16 जून , 17 जून, 01 जुलाई एवं 18 जुलाई को इन्टर्नशिप करने हेतु विभाग आवंटन कर आशाथिर्यों को सम्बन्धित कार्यालय में उपस्थिति दर्ज करवा कर 15 दिवस की समयावधि में अपनी ज्वॉइनिंग रिपोर्ट विभाग के पार्टल पर अपलोड करने हेतु निर्देश दिये गये थे, लेकिन दिनांक तक कुछ आशाथिर्यों द्वारा विभाग आवंटन के 15 दिवस उपरान्त भी अपनी ज्वॉइनिंग रिपोर्ट अपलोड नहीं की गई है। आशाथिर्यों को बार-बार मैसेज द्वारा ज्वॉइनिंग रिपोर्ट अपलोड करने हेतु सूचित किया जा चुका है। जिन आशाथिर्यों द्वारा 15 दिवस में कार्यग्रहण कर लिया गया था व अभी तक अपनी ज्वॉइनिंग रिपोर्ट अपलोड नहीं की है ,उन्हें अन्तिम अवसर देते हुये 30 जुलाई तक अपलोड करने हेतु निर्देशित किया जाता हैं। उसके पश्चात यह मानते हुये कि उनके द्वारा कार्यग्रहण नहीं किया गया है, बेरोजगारी भत्ता बंद कर दिया जावेगा।

दस हजार रूपये कि रिश्वत लेते डिविजनल अकाउंटेंट गिरफ्तार

अजमेर एसीबी की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

अजमेर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने बुधवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग में कार्यरत डिविजनल अकाउंटेंट ऑफिसर अनिल दायमा को 10 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते टीम द्वारा रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

एसीबी के एएसपी सतनाम सिंह ने बताया कि परिवादी ठेकेदार सुरेंद्र सिंह द्वारा निगम क्षेत्र में सड़क का निर्माण किया गया था। जिसका बिल पीब्ल्यूडी द्वारा पास किया जाना था। 43 लाख के बिल को पास करने की एवज में डिविजनल अकाउंटेंट अनिल दायमा ने कुल बिल राशि का आधा परसेंट रिश्वत के रूप में मांगा। आज 10 हजार रुपये परिवादी से अकाउंटेंट दायमा ने लिए, जिसे उसने दराज में रखते ही एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों धर दबोचा।

आरोपी अनिल दायमा का मकान और परिवार जयपुर में है और वह यहां किराए पर रहता है। एसीबी द्वारा आरोपी अनिल दायमा पुत्र वीर सिंह दायमा के ब्रिज मंडल कॉलोनी कालवाड रोड पुलिस थाना झोटवाड़ा अंतर्गत मकान पर सर्च अभियान जारी है।

एसीबी पुलिस निरीक्षक मीरा बेनीवाल ने बताया कि एसीबी ने परिवादी से मिली शिकायत के बाद शिकायत का सत्यापन किया और बुधवार को कार्यवाही करते हुए जिल ा जयपुर निवासी सार्वजनिक निर्माण विभाग अजमेर के डिविजनल अकाउंट ऑफिसर अनिल दायमा पुत्र वीर सिंह दायमा को गिरफ्तार किया।

- **ठेकेदार से 43 लाख का बिल पास करने की एवज में मांगी थी रिश्वत**

कोच महेश रंगा का निधन

बीकानेर, (कासं)। अन्तरराष्ट्रीय स्तर के साइक्लिग कोच महेश कुमार रंगा आज इस दुनिया को अलविदा कह गए।

- **रंगा ने अपने प्रशिक्षण काल में देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के साइक्लिंग के खिलाड़ी दिए**

रंगा के आकस्मिक निधन से खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई। गुरु वशिष्ठ अवार्डी, रोड किंग, महेश कुमार रंगा का निधन हृदयघात से हो गया।

आज सुबह नत्थूसर गेट बाहर स्थित उनके निवास से अंतिम यात्रा निकाली गई, तो सैकड़ों खेल प्रेमियों ने नम आंखों से साइक्लिग के उम्दा खिलाड़ी, प्रशिक्षक को विदाई दी। साइक्लिग कोच किशन पुरोहित के अनुसार महेश रंगा 1984-85 में भारतीय खेल संस्थान, पटियाला से साइक्लिग खेल में उतीर्ण हुए थे। इसके बाद उन्हें स्पोटर्स ऑथर्टी ऑफ इंडिया से कोच के पद पर नियुक्त मिली। उन्होंने कई राज्यों में अपनी प्रतिभा के दम पर युवा खिलाड़ी तैयार किए। रंगा ने अपने प्रशिक्षण काल में देश को अन्तरराष्ट्रीय स्तर के साइक्लिग के खिलाड़ी दिए, जिन्होंने राष्ट्र का नाम गौरव किया। उन्होने राष्टीय पदक विजेता खिलाड़ी तराशे। साइक्लिग खेल में महारथ हासिल रंगा को राजस्थान सरकार ने साल 2017-18 में गुरु वशिष्ठ अवार्ड से नवाजा था।

अन्तर्राज्यीय लूट एवं डकैती की गैंग का पर्दाफाश, दस लोग गिरफ्तार

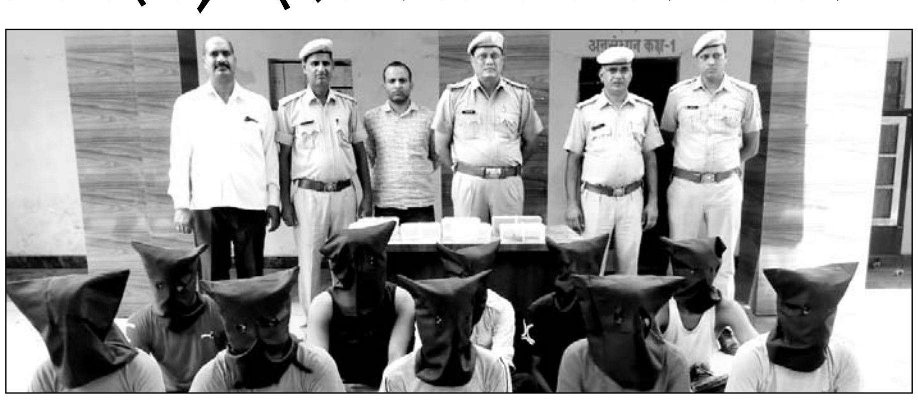

अलवर एसपी के निर्देशन में लूट व डकैती के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अलवर, (निसं)। तेजस्वनी गौतम पुलिस अधीक्षक जिला अलवर एंव सरिता सिंह अति. पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) जिला अलवर द्वारा रात्रि के समय बगड तिराया के पास सुभाषचन्द गोयल के मकान में हुई डकैती का पर्दाफाश कर हथियारबंद बदमाश गिरफ्तार किये।

सुभाषचन्द गोयल निवासी बडौदा मेव हाल निवासी बगड तिराया अलवर ने मामला दर्ज कराया कि 24 जुलाई की रात को मेरे मकान में सीढी लगाकर 10-12 आदमी जबरन घुस गये उन्होंने मेरे व मेरी पत्नि के गले पर चाकू रख दिया व मेरे घर में दुकान की बिक्री के करीब 250000 (ढ ाई लाख रूपये) नकद व जेवरात लेकर फरार हो गए।

जरिये टेलीफोन थानाधिकारी लक्ष्मीनारायण को ईतला दी कि दो स्फिट डिजायर गाडी जिनमें एक दिल्ली नंबर व एक यूपी नंबर हैं तथा उनमें करीब 10-12 संदिग्ध व्यक्ति हैं जो ठेकडा से दिल्ली- रामगढ रोड पर फार्म के पास खडे हुये हैं जो संभवतया सुभाष गोयल के मकान में हुई डकैती के आरोपी हैं। पुलिस को मौके पर दो गाडियों में बैठे हुये संदिग्ध व्यक्ति पुलिस गाडी को देखकर इधर-उधर खेतो में भागने लगे जिनको पीछा कर बमुश्किल पकडा गया। गिरफ्तार आरोपियों में इमरान मेव निवासी बगड मेव अलवर आसमदीन मेव निवासी बगड तिराया पुलिस थाना उधोगनगर जिला अलवर, जहीर मेव बगड तिराया पुलिस थाना उधोगनगर, दीपक कुमार धोबी गहगांव पीएस फेज-2 गौतम बुद्धनगर उतरप्रदेश, राजीव कुमारयादव निवासी पाली खुर्द पुलिस थाना भरथाना जिला ईटावा उतरप्रदेश, अभिषेक जाटव निवासी दरियापुर पुलिस थाना सलेमपुर जिला बुलन्दशहर उतरप्रदेश, पुष्पेन्द्र कुमार निवासी मंडापुर पुलिस थाना अकराबाद जिला अलीगढ उतरप्रदेश, छोटू (लवकुष) निवासी इरावनी पुलिस थाना अकराबाद जिला अलीगढ उतरप्रदेश, कनोज कुमार निवासी इरावनी पुलिस थाना अकराबाद जिला अलीगढ उतरप्रदेश,मोहन पुत्र निवासी जरगा पुलिस थाना राजाखेडा जिला धौलपुर राजस्थान का है जिनकी उम्र 20 से 25 के बीच है। है।

संदिग्ध युवक गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। पुलिस के द्वारा भारत-पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अवैध गतिविधियों और अपराधों की रोकथाम के लिए लगातार गश्त की जा रही है। गश्त के दौरान सूचना मिली कि गांव 5 एमएसआर में एक युवक के पास अवैध हथियार है। इस पर युवक के पास से 12 बोर की एक देशी पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद कर युवक को गिरफ्तार किया है। एएसआई पृथ्वी सिंह ने बताया कि गांव 5 एमएसआर निवासी राकेश कुमार पुत्र गुरनाम चंद, जाति कंबोज,के पास अवैध हथियार पिस्टल मिली है। पुलिस की गाड़ी देखते ही आरोपी मौके से भागने का प्रयास लेकिन पीछा कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान एक देशी पिस्टल और पेंट की जेब से तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए।

- **एक देशी पिस्टल और 3 जिंदा कारतूस बरामद**

स्कूल की छत से गिर रहा प्लास्टर

चाकसू, (निसं)। चाकसू उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कादेडा के ग्राम ढूंसरी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में 100 बच्चे अध्ययनरत है। स्कूल का भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। स्कूल के कमरों की दीवारों पर दरारें पड़ गई है।

स्कूल की छत कब गिर जाए, इसका कोई भरोसा नहीं है। प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार ने बताया कि सन् 2020 से ही लगातार प्लास्टर गिरने का सिलसिला जारी है। बारिश में सभी कमरों से पानी टपकने लगता है। छत में लगे लोहे के सरियें बाहर नजर आने लगे हैं। इसकी सूचना उपखंड अधिकारी सहित बीडीओ, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान को कई बार लिखित में दी जा चुकी है लेकिन किसी ने अभी तक कोई भी ध्यान नहीं दिया है।

- **बारिश में सभी कमरों से पानी टपकने लगता है**

छत में लगे लोहे के सरिये बाहर नजर आने लगे हैं।

देह व्यापार में छह गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में पिण्डवाड़ा हाइवे पर स्थित होटल में दबीश देकर देह व्यापार में लिप्त तीन महिला व तीन पुरूषों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक विकास कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान पुलिस उप अधीक्षक तपेन्द्र मीणा के नेतृत्व में गठित दल ने मंगलवार रात में मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर पिण्डवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग 76 पर स्थित होटल राम लखन पर दबीश दी। जहां स्पा की आड में देह व्यापरी करते आपत्तीजनक अवस्था में पाए गए। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर जांच शुरू की।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन को खदेड़ा

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के बॉर्डर एरिया पर बुधवार सुबह पाकिस्तान से आए ड्रोन की एक्टिविटी नजर आई। बीएसएफ जवानों के फायर के बाद ड्रोन दिखाई नहीं दिया। इसके बाद पुलिस और बीएसएफ ने सर्च ऑपरेशन चलाया। लेकिन ड्रोन का मलबा या ऐसी कोई चीज अब तक नहीं मिल पाई है। संभव है कि, फायर के बाद ड्रोन वापस पाक सीमा में चला गया हो। रावला थाना क्षेत्र के घड़साना बॉर्डर इलाके में घटना सुबह करीब तीन बजे के आस-पास की है। बीएसएफ को बॉर्डर पर पाकिस्तान सीमा की तरफ से चमकदार चीज नजर आई। आसमान में रोशनी नजर आते ही बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ जवानों ने उस पर एक-दो फायर किए। बीएसएफ के एक्शन को देखते हुए ड्रोन कुछ ही देर में नजर आना बंद हो गया। बीएसएफ और पुलिस ने संयुक्त रूप से बॉर्डर इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान खेतों को खंगाला गया। खेतों में सुबह तक किसी भी तरह का नशीला पदार्थ या ड्रोन के डैमेज हिस्से मिलने की कोई जानकारी नहीं मिली है।

एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि बीएसएफ ने रावला थाना क्षेत्र के घड़साना बॉर्डर एरिया में ड्रोन नजर आने पर दो से तीन राउंड फायर किए हैं। ड्रोन के वापस पाक सीमा में लौट जाने की भी संभावना है। श्रीगंगानगर एरिया में हैरोइन सप्लाई के लिए ड्रोन का उपयोग होता रहा है। पिछले ढाई महीने में ही 70 करोड़ से ज्यादा की हैराइन इलाके के खेतों में ड्रोन के जरिए डाली गई है। अनूपगढ़ में भारत-पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित मजनू पोस्ट और चित्रकूट पोस्ट के पास एक ड्रोन देखा गया। सुरक्षा की दृष्टि से बीएसएफ के जवानों की गश्त बढ़ा दी गई है।

अवैध बजरी से भरे चार ट्रेक्टर-ट्रोली जप्त, आरोपी गिरफ्तार

अवैध बजरी से भरे हुए ट्रैक्टर-ट्रोली जप्त किए।

निवाई, (निसं)। स्थानीय थाना पुलिस ने बुधवार को बजरी परिवहन व खनन पर कार्यवाही करते हुए तीन ट्रेक्टर-ट्रोली जप्त कर एक चालक को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी अजय कुमार ने बताया कि पुलिस जाप्ते ने शहर के जमात क्षेत्र से अवैध बजरी से भरे हुए ट्रेक्टर-ट्रोली को जप्त किया गया। चालक मौके से फरार हो गए। इसी प्रकार हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र से एक ट्रेक्टर-ट्रोली व केरोद मोड से अवैध बजरी से भरी ट्रेक्टर-ट्रोली जप्त की गई। पुलिस ने चालक जितेन्द्र वर्मा निवासी खारडा की ढ ाणी बैरवा बस्ती बहड को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन के मामले में एक साल से फरार चल रहे दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरोनी थानाधिकारी हरिराम ने बताया कि वांछित आरोपी शंकरलाल गुर्जर निवासी मण्डालिया व हरिशंकर मीणा निवासी भंवरपुरा को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ने बताया कि अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रेक्टर-ट्रोली को जप्त किया है। चालक दूरी का फायदा उठाकर फरार हो गया।

- **बरोनी व निवाई थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन पर कार्यवाही की**

जोधपुर में लगातार बारिश से मकान गिरा, महिला की मौत, पति और दो बच्चे घायल

बालेसर का बैठवासियां बांध टूटा, ट्रेनें रोडवेज के पहिए थमे रहे

जोधपुर,(कासं)। जोधपुर में सोमवार की शाम से शुरू हुई बारिश का सिलसिला बुधवार की दोपहर एक बजे तक अनवरत जारी रहा। बारिश के चलते बुधवार की सुबह शहर में नागौरी गेट की जनता कॉलोनी में एक मकान भरभरा कर गिर गया। वक्त घटना एक महिला की मौत हो गई तो उसका पति, पुत्र और पुत्री घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

फतेहपोल क्षेत्र में भी एक मकान की दीवार भरभरा कर सुबह गिर गई । गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। मंगलवार की रात को भी फिर से मूसलाधार बारिश हुई। अब तक 262 मिलीमीटर पानी बरस गया है। शहर के नदी, नाले उफान पर हैं तो कई जगहों पर पानी का भारी जमाव है।

रेलों और रोडवेज के पहिए मंगलवार से ही थम गए हैं। कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया जा चुका है। रोडवेज मंगलवार की दोपहर से बंद पड़ी हैं। बस स्टेण्ड पानी में डूबा हुआ है। रलवे ट्रेक पर भी पानी भरा हुआ है।

बारिश के चलते जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने आज भी निजी और सरकारी स्कूल में अवकाश भी घोषित कर दिया। शहर के पुराने भवनों और भीतरी शहर का जायजा लेने के लिए खुद जिला कलेक्टर, पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ सुबह निकले। नागौरी गेट जनता कॉलोनी में गिरे मकान का अवलोकन करने के साथ कलेक्टर घायलों से मिलने एमजीएच भी पहुंचे।

मारवाड़ के जोधपुर, जालोर, भीनमाल, पाली सिरोही में जमकर बादल बरसे हैं। यहां पर सडक़ों और वाहनों का संपर्क भी टूट गया है। लगातार हो रही बारिश से शहर के निचली बस्तियों में पानी भी भर गया है। शहर के सूरसागर थाने में सुबह छत का प्लास्टर भरभरा कर गिर गया। हालांकि इसमें कोई पुलिस कर्मी चोटिल या जख्मी नहीं हुआ है।

शहर के पर्यटन स्थल झरने में तब्दील हो गए पर्यटन स्थलों पर लोगों का हुजूम आज भी उमड़ रहा है। भीतरी शहर के रानीसर पदमसर ओवर फ्लो होने से क्षेत्र में झरना चालू हो गया।

जिले के बिलाड़ा और बालेसर में भी बारिश का पानी कहर ढा गया। बालेसर का बैठवासियां बांध सुबह टूटने से पानी का सैलाब निकल पड़ा। पानी गांवों में घुस गया है। मंगलवार को शहर कायलाना और क दमकंडी और माचिया पार्क पर काफी हुजूम उमड़ा।

सूरसागर के गेंवा गांव में लोगों के घरों में पांच पांच फिट तक पानी भर गया। एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर कई परिवार को पानी से बाहर निकाला।

पदमसर तालाब ओवरफ्लो होने के बाद जोधपुर के लोग वहां घूमने व पूजा करने पहुंचे।

- **41 घंटे अनवरत बारिश, 262 एमएम पानी बरसा**
- **दूसरे दिन भी स्कूलों में अवकाश घोषित**

अवैध खनन मामले में कांग्रेस विधायक भी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हैं : चुघ

‘जिस पहाड़ी क्षेत्र जिस पर भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े, वो धरती आज साधुओं के खून से लाल है’

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ ने आज प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के दो दिन के प्रवास पर जनता व अलग-अलग कार्यकर्ताओं से मिलना हुआ है। कांग्रेस के शासन में राजस्थान को नजर लग चुकी है, आज राजस्थान के अन्दर माफिया बढ़ चुका है, आप जिस ओर भी जाएं आपको दिखेगा खनन, नकल, शराब, बजरी, तबादला, ट्रांसपोर्ट माफिया। कुछ समय पहले तो लग रहा था कि माफिया इस सरकार की शरण में पनप रहा है, लेकिन आज ऐसी परिस्थिति में पहुंच चुकी है कि राजस्थान की सरकार को माफिया चला रहा है।

उन्होंने कहा कि माफिया संचालित अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार एक बेईमान सरकार है, बेशर्म सरकार है। और ये मैं और भाजपा ही नहीं कह रहे, बल्कि कांग्रेस सरकार के अन्दर उनके विधायक व पूर्व मंत्री भरत सिंह ने खनन के मामले में राज्य सरकार पर आरोप लगाए और लगातार उनके मंत्री चाहे वो राजेन्द्र गुढ़ा हो और कई विधायक, चाहे सचिन पायलट हों, सार्वजनिक मंचों पर आकर अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार को भ्रष्टाचार के कठघरे में खड़ा करते हैं। पिछले कुछ दिनों की घटनाओं से स्पष्ट हुआ है कि राजस्थान में जैसे सरकार ही

- **‘राहुल गांधी ने दस दिन में किसान कर्जा माफी करने का वादा किया था, आज 14 सौ दिन बीत चुके, कहां है कांग्रेस का मैनिफेस्टो, राहुल, प्रियंका, सोनिया, राजस्थान की जनता जानना चाहती है’**

नहीं है। राजस्थान की सरकार सक्षम नहीं है, राजस्थान की सरकार जो अपने नागरिकों की सुरक्षा नहीं कर पा रही, जिस तरह भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि बृज क्षेत्र के अन्दर भगवान श्री कृष्ण की क्रीड़ास्थली में खनन और इस तरह का खनन कि पहाड़ पाताल बना दिए, पूरे भारत से लोग भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा रखते हं, करोडों कृष्ण भक्त। लगातार बार-बार आवाज उठाने के बाद भी खनन माफिया के साथ ये सरकार खनन को रोकने के बजाए उसको संरक्षण दिया जा रहा है और जिस तरह वहां के साधुओं ने विरोध किया, उस विरोध के बावजूद सरकार के सिर पर जूं नही रेंगी और साधु विजयदास जी की मौत, उनका आत्मदाह, साधुओं का आंदोलन ये स्पष्ट हो चुका है किस तरह से माफिया इस सरकार को कंट्रोल कर रहा है। बृज का वो पहाड़ी क्षेत्र जिस पर भगवान श्रीकृष्ण जी के चरण पड़े, वो धरती जहां पर बृजवासियों के साथ भगवान श्रीकृष्ण जी ने लीलाएं की। वो धरती आज साधुओं के खून से लाल हुई है, क्योंकि राजस्थान की गूंगी-बहरी, नासमझ अशोक गहलोत की सरकार, माफिया के हाथ में चल रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ, प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने भाजपा जयपुर शहर जिला कार्यसमिति और प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक एवं सह-संयोजकों की बैठकें ली, जिसमें संगठनात्मक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों एवं राज्य के जनहित के मुद्दों पर चर्चा की गई। भाजपा जयपुर शहर जिला कार्यसमिति बैठक में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष राघव शर्मा इत्यादि भी मौजूद रहे। इससे पहले तरूण चुघ ने जयपुर में आदर्श नगर स्थित पीएचसी पर बूथ टीकाकरण अभियान के तहत वैक्सीनेशन सेंटर पर पहुंचकर डॉक्टर्स एवं नर्सेज का धन्यवाद जताया और इसी परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण की रक्षा के प्रति लोगों को संदेश दिया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, जयपुर शहर महामंत्री कृष्ण मोहन शर्मा इत्यादि सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चुघ ने कहा कि उदयपुर में दर्जी की नृशंस हत्या होती है, उपद्रवी आते हैं दुकान के अन्दर और हत्या कर देते हैं। कांग्रेस सरकार हत्यारों को पकड़ने के बजाए पीड़ितों को ही पकड़ रही है, करौली में दुकानें जलाई गई। राजस्थान में खुलेआम नरसंहार हो रहे हैं, राज्य सरकार पूरी तरह चरमरा चुकी है, और यह सरकार केवल अपराधियों को शरण देने में लगी है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत को याद दिलाना चाहता हूं, कि जो वादे उन्होंने किए थे वह वादे पूरे करने का समय आ चुका है, आपकी सरकार का जाने का समय आ चुका है। और राजस्थान की जनता तैयार बैठी है सरकार बदलने के लिए, राजस्थान की जनता गहलोत को 2023 में बाय-बाय कहने को तैयार है, राजस्थान की जनता छुटकारा चाहती है। ऐसी निकम्मी सरकार से और 2023 में पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनाएगी।

कहते हैं अमावस्या पर अंधेरे का राज होता है लेकिन हरियाली अमावस्या पर हरे-भरे पहाड़ों के आगोश में समाया आमेर महल आँखों को सुकून पहुंचा रहा है ओर मन को उत्साहित कर रहा है। फ़ोटो दिनेश भारद्वाज

अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर। हाईकोर्ट ने आर्मी के जनरल सुपरवाइजर की ड्यूटी के दौरान मौत के बावजूद आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने पर रक्षा सचिव और कमांडेंट स्टेशन, जयपुर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश राकेश की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता बाबूलाल बैरवा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता नंदलाल आर्मी स्टेशन हैड क्वाटर सेल जयपुर कैंट में जनरल सुपरवाइजर के पद पर तैनात थे। उनकी 24 सितंबर 2003 को ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। इसके बाद याचिकाकर्ता की मां ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। विभाग ने आवेदन निरस्त करते हुए आश्वासन दिया कि उसके पुत्र को नियुक्ति दी जा सकती है।

‘जिनके हाथों में प्रदेश की रक्षा का दायित्व है, वही भक्षक बन रहे हैं’

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर की ओर से आदर्श नगर स्थित कार्यसमिति बैठक महावीर इंटरनेशनल सभागार में आयोजित हुई। कार्यसमिति में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ रहे, कार्यसमिति में कुल 3 सत्र रहे पहला सत्र राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने लिया। दूसरा सत्र पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी ने लिया और तीसरा सत्र प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया ने लिया। राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ पहले आदर्श नगर स्थित पीएससी में टीकाकरण अभियान में पहुंचे।

राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने अपने संबोधन में कहा आज राजस्थान में खुलेआम नरसह हत्याएं हो रही है आए दिन हमले और कत्लेआम हो रहे हैं। खुलेआम हमले हो रहे हैं। साथ ही जिहादियों की मानसिकता को इतना बल मिल गया है कि लोग कार्यवाही को अंजाम देते समय वीडियो तक बना अपलोड करने लगे हैं। राजस्थान में डराने का वातावरण खड़ा किया जा रहा है और दूसरी ओर जिनके हाथ में राजस्थान की रक्षा का दायित्व है। वही लोग राजस्थान के रक्षक नहीं वरन भक्षक बन बैठे हैं। एक और जिहादियों मानसिकता वाले व्यक्तियों द्वारा गले काटे जा रहे हैं और यहां मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर केक काटे जा रहे हैं।

द्वितीय सत्र पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी ने लिया मोदी सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए अपने संबोधन में आत्मनिर्भर भारत, उज्जवला गैस योजना, डिजिटल इंडिया, जम्मू कश्मीर की धारा 370 35 हटाना निम्न कार्यों पर प्रकाश डाला। तीसरे और अंतिम सत्र को प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने संगठन के कार्यों को लेकर समीक्षा की डॉ पुनिया ने कहा कार्यकर्ताओं से कहा हम काम करेंगे तो आप उस पर भरोसा रखिए देर सही लेकिन सफलता 1 दिन निश्चित रूप से मिलेगी।

‘ईडी के अधिकारों पर गहलोत की टिप्पणी कोर्ट की अवमानना’

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत ईडी के अधिकारों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निर्णय पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की टिप्पणी संवैधानिक प्रावधानों के विरुद्ध तथा सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आती है।

राठौड़ ने कहा कि सच्चाई यह है कि ईडी द्वारा सोनिया गांधी व राहुल गांधी से पूछताछ करने पर कुपित होकर आलाकमान की मिजाजपुर्सी की पराकाष्ठा करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक निर्णय पर राजनीति करने वाले अशोक गहलोत देश के पहले मुख्यमंत्री होंगे जिन्होंने न्यायिक निर्णय को राजनीतिक चश्में से देखकर ऐसी टिप्पणी की जो संविधान प्रदत्त न्यायालय की स्वायत्तता, गरिमा एवं संविधान के संघीय ढांचे पर सीधा हमला है। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केन्द्र सरकार के विरोध में तोतारटंत आरोप लगाने की जगह अगर अपने लगभग 4 साल पूर्ण करने की ओर बढ़ रही सरकार के कार्यकाल में जर्जर कानून व्यवस्था की चिंता करते तो अच्छा होता।

आईएएस श्रीवास्तव के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति को सही माना

हाईकोर्ट ने राजस्व मंडल में सदस्य रहते हुए भ्रष्टाचार के मामले में श्रीवास्तव को राहत देने से इंकार किया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्व मंडल में सदस्य रहते हुए भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में आईएएस रविशंकर श्रीवास्तव को राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने श्रीवास्तव के खिलाफ दी गई अभियोजन स्वीकृति को निष्पक्ष रूप से दिया जाना माना है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश रविशंकर श्रीवास्तव की रिवीजन याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि प्रकरण 18 साल पुराना है, ऐसे में इसकी जल्दी ट्रायल होनी चाहिए।

याचिकाकर्ता की ओर से एसीबी कोर्ट क्रम-2 के एक अप्रैल 2019 के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। इस आदेश में एसीबी कोर्ट ने श्रीवास्तव के खिलाफ जारी अभियोजन स्वीकृति को सही माना था। रिविजन में कहा गया कि राजस्व मंडल में सदस्य के कार्यकाल के दौरान रिश्वत लेकर पक्षपातपूर्ण

- **कोर्ट ने कहा कि मामला 18 साल पुराना है, ऐसे में इसकी जल्दी ट्रायल होनी चाहिये**

आदेश देने का आरोप लगाते हुए वर्ष 2004 में याचिकाकर्ता के खिलाफ एसीबी ने मामला दर्ज किया था। वहीं मामले में केन्द्र सरकार की ओर से अभियोजन स्वीकृति जारी की गई। याचिका में इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि केन्द्र सरकार ने मामले में राज्य सरकार की ओर से दी गई अभियोजन स्वीकृति की कॉपी की है और इसे मशीनी अंदाज में जारी किया गया है। इसके अलावा यह स्वीकृति संबंधित मंत्री ही दे सकता था, लेकिन स्वीकृति पर डीओपीटी के अवर सचिव के हस्ताक्षर हैं। ऐसे में स्वीकृति को वैध नहीं माना जा सकता। दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि स्वीकृति देने की शब्दावली एक समान ही होती है। इसके अलावा निर्णय मंत्री का ही होता है, जिसे अवर सचिव के जरिए लागू किया जाता है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया है।

मामले में अनुसार रविशंकर श्रीवास्तव के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से अभियोजन स्वीकृति दी गई। केन्द्र सरकार की स्वीकृति के मामले में विशेष अदालत ने 15 जनवरी 2007 को माना कि स्वीकृति सक्षम अधिकारी ने दी है। इसके साथ ही अदालत ने स्वीकृति देने वाले अधिकारी को तलब किया। संबंधित अधिकारी के बयान दर्ज करने के बाद अदालत ने एक अप्रैल 2019 को माना की स्वीकृति विधि अनुसार जारी की गई है। इस आदेश को रविशंकर श्रीवास्तव ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया खेलेंगी टी20 विश्व कप फाइनल: पोटिंग

मेलबोर्न, 27 जुलाई। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और दो बार 50 ओवर विश्व कप जीतने वाले कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल के लिए मेज़बान ऑस्ट्रेलिया और भारत सबसे प्रबल दावेदार हैं।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू के नवीनतम एपिसोड में कहा, मुझे लगता है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया फ़ाइनल खेलने वाली दो टीमें होंगी और ऑस्ट्रेलिया उन्हें फाइनल में हरा देगा। मौजूदा चैंपियन टीम के पास घरेलू परिस्थितियां हैं और यह एक ऐसी चीज़ थी जिसने पिछले विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की जीत को ना सिर्फ़ उल्लेखनीय बनाया, बल्कि बहुत सुखद भी।

टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों ने दो-दो बार फ़ाइनल खेला है लेकिन एक बार भी एक दूसरे के विरुद्ध नहीं। 2007 में भारत ने पाकिस्तान को हराकर पहला विश्व कप अपने नाम किया था जबकि 2014 में वह श्रीलंका से हारे थे। ऑस्ट्रेलिया पिछले साल न्यूज़ीलैंड को हराकर अपना पहला विश्व कप जीता और इससे पूर्व वह 2010 के फ़ाइनल में इंग्लैंड से हारा था। पोंटिंग

लंबे समय से ब्रेंडन मैकुलम के प्रशंसक रहे ह और हाल ही में अपने कार्यकाल के दौरान इस कीवी खिलाड़ी ने अब तक जो कुछ भी किया है, उससे वह बहुत प्रभावित हुए हैं। इंग्लैंड के नए सीमित ओवर कोच मैथ्यू मॉट से भी पोंटिंग परिचित ह और उन्होंने भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बडा खतरा इंग्लैंड को बताया।

उन्होंने कहा, मुझे सचमुच में लगता है कि इंग्लैंड सफेद गेंद वाली एक शानदार टीम है और उनके पास सफेद गेंद का एक शानदार सेटअप है। मुझे लगता है कि कागज पर तीन टीमें जिनके पास सबसे अधिक क्लास और सबसे ज़्यादा मैच जिताने वाले खिलाड़ी दिखते हैं, वे हैं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड।

पिछले साल यूएई में हुए विश्व कप में पाकिस्तान ने क्रिकेट जगत को ख़ासा प्रभावित किया था और ग्रुप स्टेज में सारे मैच जीतते हुए सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया। वहां एक करीबी मुक़ाबले में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था और पोंटिंग ने पाकिस्तान टीम को कप्तान बाबर आज़म पर अत्यधिक निर्भरता से बचने की सलाह दी।

पोंटिंग ने कहा, अगर बाबर के लिए शानदार टूर्नामेंट नहीं रहा तो वह नहीं जीतेंगे। बाबर को कुछ साल पहले मैंने ऑस्ट्रेलिया में खेलते हुए देखा था और तब से वह और बेहतर बनते जा रहे हैं। पाकिस्तान के लिए सलामी जोडी और नई गेंद से गेंदबाजी बहुत महत्वपूर्ण रहेगी। ऑस्ट्रेलिया के पिचों पर स्पिन का इतना बड़ा रोल नहीं होगा।

घुटने की चोट के कारण अटलांटा ओपन से बाहर हुए किर्गियोस

अटलांटा, 27 जुलाई। विंबलडन 2022 के फाइनलिस्ट निक किर्गियोस ने बाएं घुटने की चोट के कारण अटलांटा ओपन से नाम वापस ले लिया है। सातवीं सीड किर्गियोस विंबलडन के बाद अपना पहला मैच खेलते हुए पहले दौर में पीटर गोजोकज़िक का सामना करने वाले थे। अटलांटा के 2016 चैंपियन किर्गियोस ने मंगलवार रात अपना नाम वापस लेने के बाद कहा, “मैं बस यह कहना चाहता हूं कि मैं आज मैच न खेल पाने के कारण बेहद निराश हूं। मैं यह टूर्नामेंट एक बार जीत चुका हूं और फिलहाल मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से गुज़र रहा हूं।” उन्होंने कहा, “मैं बस इतना करना चाहता था कि यहां आकर आप लोगों को बेहतरीन अनुभव दे सकूं, लेकिन मैं आज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैं अपनी उम्मीदें बरकरार रखूंगा और शायद इस हफ्ते थानासी के साथ युगल प्रतियोगिता जारी रख सकूंगा।”

भारत महिला विश्व कप 2025 की मेजबानी करेगा

मुंबई, 27 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की मेज़बानी के अधिकार हासिल कर लिये हैं। भारत पांचवीं बार महिला विश्व कप की और 2013 के बाद पहली बार एकदिवसीय महिला विश्व कप की मेजबानी करेगा। इससे पहले भारत ने 2016 में महिला टी20 विश्व कप की मेज़बानी की थी।

बीसीसीआई ने यहां जारी बयान में कहा कि आईसीसी ने मंगलवार को बर्मिंघम में हुई बैठक के बाद इसकी घोषणा की। विश्व कप 2025 का आयोजन भी 2022 के संस्करण की तरह ही होगा, जहां आठ टीमें विश्व कप की दावेदारी पेश करने के लिये कुल 31 मैच खेलेंगी। बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, “हम आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की मेजबानी करने के इच्छुक थे और हमें खुशी है कि हमने महिला कैलेंडर पर इस शीर्ष आयोजन के लिए मेजबानी के अधिकार जीते हैं। भारत ने 2013 में 50 ओवर के महिला विश्व कप की मेजबानी की और तब से इस खेल में जबरदस्त बदलाव आया है। महिला क्रिकेट की लोकप्रियता तेजी से बढ रही है और यह सही दिशा में उठाया गया कदम है। बीसीसीआई आईसीसी के साथ मिलकर काम करेगा और सभी जरूरतों को पूरा करेगा।”

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, “हमें 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है। बोर्ड इस आयोजन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। बीसीसीआई भारत में महिला क्रिकेट के प्रति समर्पित है। हमारे पास बुनियादी ढ ांचा है, और मुझे विश्वास है कि हम विश्व कप के एक सफल संस्करण का आयोजन करेंगे।”

इसी बीच, आईसीसी ने बताया कि महिला टी20 विश्व कप की मेज़बानी 2024 में बांग्लादेश और 2026 में इंग्लैंड करेगा। यदि श्रीलंका की महिला टीम 2027 टी20 चैंपियन्स ट्रॉफी में जगह बना पाती है तो यह आयोजन श्रीलंका में होगा। महिला टी20 चैंपियन्स ट्रॉफी का उद्घाटन संस्करण टी20 प्रारूप में खेला जाएगा।

विवाद्यकों के स्थिरीकण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला क्रम-1 जयपुर महानगर
स्थान ओम प्रकाश सरावगी विरूद्ध देवेन्द्र कुमार हरनेजा
वाद बाबत विशिष्ठ अनुपालना
वाद संख्या 46 C.S. सन् 2021

बनाम देवेन्द्र कुमार हरनेजा पुत्र नामालूम जाति प्रोप्राइटर हरनेजा बिल्डर स्थान आर-29, राजआंगन सोसाइटी, प्रताप नगर एन आर आई कॉलोनी जगतपुरा, जयपुर ने आपके विरूद्ध ... के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 21 माह 09 सन् 2022 को दिन में 10.30 वजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपावद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात हीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 27 माह 07 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
आज्ञा से-वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सेशन न्यायालय
संख्या 01 जयपुर महानगर प्रथम

पीवी सिंधु राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल की ध्वजवाहक होंगी

बर्मिंघम, 27 जुलाई। ओलम्पिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल की ध्वजवाहक होंगी। स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा के चोट के कारण इन खेलों से हट जाने के बाद सिंधु को यह जिम्मेदारी दी गयी है।

ओलम्पिक स्वर्ण विजेता और विश्व चैंपियनशिप के रजत विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपडा ने चोट चिंताओं के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया था। नीरज को अमेरिका के यूजीन में विश्व चैंपियनशिप के दौरान हल्की चोट लगी थी और सोमवार को एम्आरआई स्कैन कराने के बाद उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया। नीरज ने भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) से आग्रह किया था कि वह बर्मिंघम खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक नहीं बन पाएंगे।

लक्ष्मी रतन शुक्ला बने बंगाल के कोच

कोलकाता, 27 जुलाई। बंगाल के पूर्व हरफ़नमौला लक्ष्मी रतन शुक्ला को 2022-23 सत्र के लिए बंगाल टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। वह अरूण लाल की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले महीने ही अपने पद से इस्तीफा दिया था।

शुक्ला ने कहा, यह मेरे लिए एक नई ज़िम्मेदारी है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा। मुझे नई चुनौतियां पसंद हैं। पिछले कुछ समय से हम (बंगाल) ट्रॉफी जीतने के क़रीब आ रहे हैं लेकिन जीत नहीं पा रहे हैं। इसलिए नए सत्र में नई ऊंचाइयों को पाने के लिए हमें एक नई शुरुआत करनी होगी।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) द्वारा जारी एक प्रेस रिलीज में शुक्ला ने आगे कहा, मैं मानता हूं कि किसी भी लक्ष्य को पाना संभव है बशर्ते सभी अपने आप में विश्वास करें। कठिन परिस्थितियों में अपने आपको कैसे नियंत्रित करना है और उससे कैसे निपटना है, हमें वह कला सीखनी होगी। मुझे लगता है कि जो खिलाड़ी इस स्तर पर पहुंचे हैं, वे ऐसा कर सकते हैं। यह नया साल, नया सीज़न है और हम सर्वश्रेष्ठ की आशा कर रहे हैं। बंगाल 2019-20 में रणजी ट्रॉफी की उपविजेता थी, जबकि इस साल उन्हें सेमीफ़ाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। टी20 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वे क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे, जबकि 50 ओवर के विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी में वे नॉकआउट में जगह नहीं बना पाए थे।

सीएबी के अध्यक्ष अविषेक डालमिया ने कहा, बोर्ड के सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से लक्ष्मी रतन शुक्ला को नियुक्त करने का फैसला किया है।

अन्य दावेदारों में उनके जैसा अनुभवी और योग्य कोई नहीं था। मुझे पूरी उम्मीद है कि उनकी अगुवाई में बंगाल क्रिकेट नई ऊंचाइयों को छुएगा। वह बंगाल से ही खेले हैं तो वह आसानी से खिलाड़ियों से जुड सकते हैं।

वहीं भारतीय महिला टीम के पूर्व कोच डब्लयूवी रमन को टीम का बल्लेबाज़ी सलाहकार बनाया गया है, जबकि सौराशीष लाहिडी टीम के सहायक कोच बने रहेंगे। रमन इससे पहले 2011-12 में बंगाल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। 2012 में उनके कार्यकाल के दौरान ही बंगाल ने मुंबई को हराकर विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी का ख़िताब जीता था।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले दोनों फाइनल लॉर्ड्स में होंगे

दुबई, 27 जुलाई। आईसीसी ने 2023 और 2025 में होने वाले अगले दोनों विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फ़ाइनल की मेज़बानी लॉर्ड्स को सौंप दी है। 2021 में पहले डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल में न्यूज़ीलैंड ने भारत को हराया था और यह मुक़ाबला भी मूलतया लॉर्ड्स में ही खेला जाना था लेकिन कोविड और उससे उत्पन्न पाबंदियों के चलते यह साउथैम्प्टन में खेला गया था।

आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने हाल ही में बीबीसी के टेस्ट मैच स्पेशल को बताया था, यह जून में खेला जाता है और ऐसे में कई जगहों पर इसका खेलना मुश्किल हो जाता है। हमें इस फाइनल के आयोजन पर निश्चित होने की ज़रूरत है और ऐसे में अब कोविड के कम होने के बाद हम इसे लॉर्ड्स में ले आना चाहते हैं। डब्ल्यूटीसी में विश्व की शीर्ष नौ टेस्ट टीमें एक दूसरे से भिड रहीं हैं और दो साल के अंतराल में हर टीम को कुल छह सीरीज़ खेलनी पड़ती हैं, आधे आपने घर पर और बाक़ी देश के बाहर।

बांग्लादेश ने भारत को 2-1 से हराया

भुवनेश्वर, 27 जुलाई। एसएएफएफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2019 की विजेता भारत ने बुधवार को चैंपियनशिप 2022 की शुरुआत बांग्लादेश से हारकर की।

बांग्लादेश ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारत को 2-1 से हराया। बांग्लादेश के लिये जहां पियाश अहमद (29, 45,1) ने दो गोल किये, वहीं भारत का एकलौता गोल हिमांशु जांगडा (35) ने किया। दोनों टीमों के बीच कडा मुकाबला देखा गया, लेकिन कई मौकों को गोल में न बदल पाने के कारण भारत को हार का सामना करना पडा।

बांग्लादेश के लिये पियाश अहमद ने मैच के 29वें मिनट में भारतीय डिफेंस को भेदते हुए पहला गोल किया। भारत ने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की और छह मिनट बाद ही गुरकीरत सिंह के हेडर की बदौलत मैच 1-1 की बराबरी पर आ गया। मैच के 37वें मिनट में भारत को एक और मौका मिला जहां हिमांशुजांगड़ा ने बॉल पार्थिब गोगोई को पास की। गोगोई ने गोल का प्रयास किया लेकिन बॉल क्रॉस बार पर जा लगी।

इस बीच, बांग्लादेश को पहले हाफ के अंत से ठीक पहले एक कॉर्नर मिला जिसे पियाश ने गोल में तब्दील कर अपनी टीम को 2-1 की बढ त दिलायी। दूसरे हाफ में भारत को कई अवसर मिले जिन्हें युवा टाइगर गोल में नहीं बदल सके। मैच के 50वें मिनट में गुरकीरत ने हिमांशु को पास दिया, जहां हिमांशु का प्रयास गोल के ऊपर से निकल गया।

मैच के 86वें मिनट में प्रीतम मितेई ने भारत के लिये दूसरा गोल करने का प्रयास किया, लेकिन बांग्लादेशी गोलकीपर ने उसे बखूबी रोक लिया। अंततः बांग्लादेश ने 2-1 से जीत दर्ज की। अपने पहले मैच में श्रीलंका को हरा चुके बांग्लादेश ने टूर्नामेंट की अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत अपने अगले मुकाबले में 29 जुलाई को श्रीलंका का सामना करेगा।

वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ टी20 सीरीज़ से बाहर हुए केएल राहुल

बेंगलुरु, 27 जुलाई। भारतीय बल्लेबाज़ केएल राहुल टी20 सीरीज़ के लिए वेस्टइंडीज का दौरा नहीं कर रहे हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो समझता है कि राहुल का क्वारंटीन पीरियड बुधवार को समाप्त हो रहा है लेकिन उन्हें बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने एक सप्ताह और आराम करने की सलाह दी है। राहुल पिछले सप्ताह ही कोरोना पॉज़िटिव हुए थे। स्पोर्ट्स हार्निया की सर्जरी के बाद राहुल एनसीए, बेंगलुरू में रिकवरी कर रहे थे और यह संभावना जताई जा रही थी कि वे वेस्टइंडीज़ में टी20 सीरीज़ से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। लेकिन अब यह संभावना समाप्त हो गई है। दो नकारात्मक रिपोर्ट आने के बाद भी वह अब वेस्टइंडीज नहीं जाएंगे। क्योंकि डॉक्टर्स ने उन्हें आराम की सलाह दी है। अब वह ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। भारत को 18, 20 और 22 अगस्त को जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में तीन वनडे खेलने हैं।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
655 21/7/22
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता
पहली अनुसूची संख्याक 4
न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्रम-1 जयपुर महानगर प्रथम ओम प्रकाश सरावगी विरूद्ध देवेन्द्र कुमार हरनेजा
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
प्रार्थना पत्र सं. 24/4 सन्

नाम देवेन्द्र कुमार हरनेजा पुत्र नामालूम जाति... पता आर-29, राज आंगन सोसाइटी, प्रताप नगर, एन आर.आई कॉलोनी, जगतपुरा, जयपुर।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 21 माह 09 सन् 2022 को 10.30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
हय आज ता. 27 माह 07 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है।
मोहर
आज्ञा से-वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सैंशन न्यायालय
संख्या 01 जयपुर महानगर प्रथम

संक्षिप्त

सड़क हादसे में दो घायल

पावटा, (निसं)। बावडी मोड के समीप बुधवार की शाम करीब 3 बजे बाइक और अज्ञात वाहन की टक्कर से टसकोला व दौंतिल निवासी दो व्यक्ति गंभीर घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पावटा भेजा गया जहां से हालत गंभीर देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बावडी मोड के समीप बुधवार की दोपहर 3 बजे विक्रम निवासी टसकोला व पप्पू निवासी दौंतिल बाइक से कहीं जा रहे थे। तभी एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सडक पर गिर गए। इसके बाद आनन-फानन में दोनों बाइक सवारो को मौके पर पहुँची एंबुलेंस की सहायता से प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पावटा लाया गया। समाचार लिखे जाने तक दोनों बाइक सवारो की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जयपुर के लिए रेफर किया। वही सूचना पर पहुँची प्रागपुरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुँच एक्सिडेंटल वाहन बाइक को अपने कब्जे मे लिया।

बलात्कार के आरोप में सजा सुनाई

अलवर, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश पोस्को संख्या दो के लोक अभियोजक अशोक कुमार सैनी ने बताया कि 2017 में 16 वर्षीय बालिका के साथ बलात्कार करने के आरोप में सहरून पुत्र फत्तू का खान निवासी ग्राम जटियाना को विशिष्ट न्यायाधीश राजवीर सिंह ने 10 वर्ष का कठोर कारावास व 10000 के जुर्माने से दंडित किया है। अभियुक्त पर नाबालिग बालिका को हैंडपंप पर पानी भरते समय जबरन उठाकर ले जाने का आरोप था। इस संबंध में बालिका के नाना ने 2017 में सदर थाने में बलात्कार के मामले में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

मारपीट के दो मामलों में चार घायल

मालपुरा (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के गनवर गांव में बाडे के चारों और झाडियां लगाने को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद में एक पक्ष द्वारा की गई मारपीट में भूरी देवी जाट, संतोष देवी जाट व हंसराज जाट घायल हो गये। वही दूसरे मामले में हाथगी गांव में सत्यनारायण बैरवा के घर में घुस उसके भतीजे ने घुस चाचा के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। दोनों मामलों में घायल महिला-पुरूषों को मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिए भर्ति करवाया गया। वही अजमेर रोड पैट्रोल पम्प के पास बजरी से भरे ट्रेक्टर-ट्रोली की टक्कर से बाईक चालक मालपुरा निवासी नियाज पुत्र मारूफ घायल हो गया जिसे मालपुरा अस्पताल मे भर्ति करवाया गया।

कक्षा 11 में प्रवेश हेतु आवेदन शुरू

निवाई, (निसं)। सीबीएसई से मान्यता प्राप्त इंग्लिश मीडियम स्कूल स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में कक्षा 11 में प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रधानाचार्य कुंभाराम चौधरी ने बताया कि कक्षा 11 में आरसीएसई के निर्देशानुसार प्रवेश हेतु प्रवेश फार्म जमा करवाने की अंतिम तिथि 3 अगस्त है। चयनित आवेदकों की सूची 8 अगस्त को जारी की जाएगी व चयनित आवेदकों से समस्त वांछित दस्तावेज प्राप्त कर 12 अगस्त को प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से कक्षा 10 उत्तीर्ण की है उनके लिए मिनिमम 65 प्रतिशत अंक व अन्य बोर्ड से आवेदन हेतु 71 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है।

कुकर्मी को सुनाई सजा

बौंली-बामनवास, (निसं)। पोक्सो एवं परिवार न्यायालय सवाई माधोपुर में एक नाबालिग बालक का अपहरण कर कुकर्म करने के आरोपी मोनू उर्फ मोहन लाल मीणा निवासी खिलचीपुर थाना कोतवाली सवाई माधोपुर को दोष सिद्ध हो जाने पर 5 वर्ष का कठोर कारावास व 41हजार के अर्थदंड से दंडित किया है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

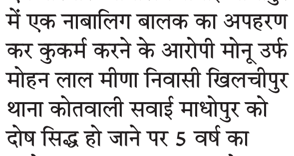

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

महिला चिकित्सकों का स्थानांतरण निरस्त कराने को लेकर अनिश्चितकालीन धरना

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पदस्थापित महिला चिकित्सक डॉ मीनल यादव स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं डॉ कविता चौधरी का स्थानांतरण कालाडेरा से जैसलमेर व भरतपुर करने पर बुधवार को सैकडों की संख्या में ग्रामीण महिलाएं व पुरूषों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कालाडेरा पर दोनों महिला चिकित्सकों का स्थानांतरण निरस्त करने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। वही विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलने पर कालाडेरा थाना प्रभारी हरबेन्द्र सिंह ने मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंच ग्रामीणों से वार्ता की।

■ अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर ग्रामीणों ने अस्पताल प्रभारी का पुतला फूंका

विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलने पर कालाडेरा थाना प्रभारी हरबेन्द्र सिंह ने मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंच ग्रामीणों से वार्ता की।

वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने मौके पर चिकित्सा विभाग के उच्च अधिकारियों को बुलाने की मांग की। बाद में थाना प्रभारी ने उच्च अधिकारियों को मामले से अवगत करवाया।

जिसके बाद मौके पर चौमूं तहसीलदार प्रभात स्वरूप मीणा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कालाडेरा पहुंच ग्रामीणों से वार्ता की लेकिन ग्रामीण उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाने की बात पर अडे रहे। वहीं तहसीलदार के निर्देश पर गोविन्दगढ बीसीएमएचओ कार्यालय में कार्यरत प्रोग्राम अधिकारी रमेश यादव ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से वार्ता की लेकिन उनके द्वारा असंतोषप्रद जवाब देने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गये। जिसके बाद कालाडेरा सरपंच अशोक कुमार शर्मा ने सीएमएचओ जयपुर प्रथम नरोत्तम शर्मा से दूरभाष पर दोनों महिला डॉक्टरों के स्थानांतरण को निरस्त करवाने को लेकर बात की जिस पर सीएमएचओ नरोत्तम शर्मा ने गुरुवार को धरना स्थल पर आकर ग्रामीणों से वार्ता करने का आश्वासन दिया। साथ ही ग्राम पंचायत सरपंच के साथ ग्रामीणों के द्वारा जो ज्ञापन व्हाट्सएप के माध्यम से भिजवाया गया है उसको मंत्री महोदय व विभाग के उच्च अधिकारियों को भिजवाने का भी आश्वासन दिया।

वहीं ग्रामीणों ने जब तक दोनों महिला चिकित्सकों का स्थानांतरण निरस्त नहीं किया जाता है तब तक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने का निर्णय लिया है। वहीं जानकारी अनुसार मेडिकल एसोसिएशन व्यापार मंडल कालाडेरा ने जब तक दोनों महिला चिकित्सकों का स्थानांतरण निरस्त नहीं किया जाता है तब तक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे ग्रामीणों को अपना समर्थन दिया है। वहीं ग्रामीणों ने वर्तमान कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी सरदार सिंह यादव का अस्पताल में हो रही अव्यवस्थाओं के कारण उनका पुतला बनाकर दहन किया। साथ ही उनका भी स्थानांतरण कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से अन्य दूसरी जगह करने की सरकार से मांग की।

ठेका कर्मचारियों ने ज्ञापन सौंपा

टोंक, (निसं)। राजस्थान विद्युत तकनीकी एफ.आर.टी. कर्मचारी एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र स्वामी के नेतृत्व में निवाई में ठेका कर्मचारियों को संविदाकर्मी की तरह नियमित करने की मांग को लेकर अति.जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है।

एसोसिएशन के भगवान सैनी, बनवारी लाल मीणा, आसीफ, अमीन, मुकेश माली, हनुमान गुर्जर, महेश योगी, कालू कुम्हार, मांगीलाल जैन, मनीष गौत्तम, रामअवतार चौधरी, जगदीश जाट, राजेश योगी आदि ने दिये गये ज्ञापन में बताया कि निवाई में राजस्थान विद्युत तकनीकी एफ. आर. टी. कर्मचारी विगत 5-6 वर्ष से नियमित रूप से ठेका के तहत विद्युत विभाग में कार्य कर रहे है। प्राथीगण अपनी न्यूनतम मजदूरी हैल्पर 6 हजार 65 रूपये तथा लाइनमैन 7 हजार 155 रूपये प्राप्त कर रहे है जो न्यूनतम मजदूरी से भी कम है। उन्होने सीएम से मांग की है कि निवाई में ठेका प्रणाली के तहत काम कर रहे कर्मचारियों को बजट घोषणा अनुसार संवीदा कर्मी की भांति नियमित किया जावे।

सरपंचों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पावटा, (निसं)। उपखंड कार्यालय पर बुधवार को नारेबाजी व प्रदर्शन करते हुए जिला सरपंच संघ अध्यक्ष मेहरसिंह धनकड के नेतृत्व में पावटा पंचायत समिति की सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने पावटा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में बताया कि सरपंच संघ अपनी मांगों को लेकर 1 वर्ष से लगातार आंदोलनरत है। आंदोलनरत सरपंच संघ से मार्च एवं अक्टूबर 2021 में मुख्यमंत्री स्तर की वार्ता में सहमतियां व्यक्त कर लिखित समझौते के पश्चात भी विभाग द्वारा आज तक समझौते को लागू नहीं किया गया है।

सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री भंवरलाल शर्मा पुत्र स्व.श्री भगवान सहाय शर्मा निवासी-मकान नं 1 सुंदर नगर सिविल लाइन्स अजमेर रोड,जयपुर के पुत्र प्रहलाद कुमार शर्मा उसकी पत्नी श्रीमती पिकीं शर्मा व मेरे अभिभाष्य कि पौत्री हर्षीता शर्मा पुत्री प्रहलाद कुमार शर्मा मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है एवं इनका आचरण मेरे अभिभाष्य व अन्य परिवारजनों के प्रति सही नहीं है इस कारण मेरे अभिभाष्य द्वारा प्रहलाद कुमार शर्मा उसकी पत्नी श्रीमती पिंकी शर्मा व मेरे अभिभाष्य की पौत्री हर्षीता शर्मा पुत्री प्रहलाद कुमार शर्मा को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति में से बेदखल किया जा रहा है इनका मेरे अभिभाष्य की चल-अचल संपत्ति में से कोई हक अधिकार नहीं है और आज के बाद (भविष्य में) उपरोक्त तीनों लोगों के प्रति मेरे अभिभाष्य व मेरे अभिभाष्य के अन्य परिवारजन की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी। (नितेश कुमार दाधीच) एडवोकेट, मो.9461633123

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 68/2022
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि डॉ. आर. के गुप्ता निवासी 52 उदय नगर ए मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास निर्माण नगर जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत PED GASTRO RAJASTHAN जिला जयपुर प्रन्यास के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21.7.22 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइंदा तारीख पेशी 24.9.22 आकाश रंजन
सहायक आयुक्त (प्रथम), देवस्थान विभाग, जयपुर

कृषक उपहार योजना के ई-कूपनों की लाटरी निकाली

मंडावरी, (निसं)। कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय परिसर में कृषक उपहार योजना के तहत जारी की ई उपहार कुपनो की लाटरी बुधवार को दोपहर 2 बजे मंडी समिति कार्यालय के सभाकक्ष में मंडी समिति के प्रशासक एसडीएम मोहर सिंह मीणा एवं मंडी समिति सचिव ममता गुप्ता एवं कृषि उपज मंडी समिति सचिव चाकसू आनंद कीना की मौजूदगी में निकाली गई। विभिन्न श्रेणियों में ई कूपनों पर निकाली गई लाटरी के लाभार्थियों को इनाम की राशि ऑनलाइन संबंधित लाभार्थी के खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इसके लिए संबंधित विजेता मंडी समिति कार्यालय में खुद के पहचान के दस्तावेज भी जमा कराने होंगे। इसके बाद ही उपहार की राशि संबंधित विजेता के खाते में जमा हो पाएगी। कृषक उपहार योजना के तहत जारी ई कूपनों की लाटरी बालकों को बुलाकर बालको के हाथों से कृषको अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी पारदर्शिता के साथ निकलवाई गई। इस मौके पर मंडी समिति सचिव ममता गुप्ता द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

विधायक ने 23 सड़कों का किया शिलान्यास, मरम्मत के लिए चार करोड़ मंजूर

अलवर, (निसं)। पालिका परिक्षेत्र खेरली में बजट घोषणा 2021-22 के अंतर्गत सडकों की मरम्मत के लिए कठूमर विधायक बाबूलाल बैरवा की अनुशंसा पर 398.51 लाख रुपए मंजूर हुए हैं जिनका शिलान्यास मुख्य अतिथि कठूमर विधायक बाबूलाल बैरवा ने किया।

मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार ने बजट घोषणा 2021-22 के अंतर्गत एक विशेष फंड का गठन किया है। इसमें सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से सभी नगर पालिकाओं में सडकों के मरम्मत कार्य की जाने हैं। इसी घोषणा के तहत नगरपालिका के लिए उक्त राशि मंजूर हुई हैं जिनमें पालिका क्षेत्र की 23 सडकों का मरम्मत कार्य किया जाएगा। जिसका उद्घाटन विधायक बाबूलाल बैरवा ने कठूमर रोड पुलिस थाने के सामने किया जिसमें विशेष अतिथि के तौर पर विधायक पुत्र एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष अवधेश बैरवा रहे। इस अवसर पर विधायक बैरवा ने अपने उद्बोधन में सर्वांगीण विकास के संकल्प को दोहराते हुए आमजन से ऐसा कोई भी कार्य जो विकास के से जुडा हो बताने के लिए कहा साथ ही उन्होंने कन्या महाविद्यालय खुलवाने के लिए प्रयासरत रहना बताया।

कठूमर विधायक बाबूलाल बैरवा ने शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत की।

उन्होंने नगरपालिका अध्यक्ष एवं अधिशाषी अधिकारी को राज्य सरकार द्वारा निर्धारित छूट का लाभ देते हुए अधिकाधिक पट्टे देने को कहा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष संजय गीजगढिया, अधिशाषी अधिकारी किंगपाल सिंह, सार्वजनिक निर्माण विभाग सहायक अभियंता ब्रजमोहन मीणा, पार्षद जगदीश लखेरा, विधायक निजी सहायक एवं पार्षद वीरू बैरवा, थानाधिकारी राजवीर सिंह शेखावत, नगर पालिका प्रतिपक्ष नेता राजकुमार जैन, पार्षद मुरारी सैनी, पार्षद चीनेश बंसल, पार्षद प्रतिनिधि प्रकाश जैन एवं भजन लाल मीणा, जगराम वैद्य, पंचायत समिति सदस्य पिंकू शर्मा, समाजसेवी कमल नरूका, प्रमोद शर्मा, संतोष कैरव, आशीष दीक्षित उपस्थित रहे।

बैंककर्मी से डेढ़ लाख की लूट

बहरोड/नीमराना, (निसं)। अलवर जिले के बहरोड तहसील में स्थित निजी बैंक बंधन बैंक के कर्मचारी से स्टेट हाईवे नंबर 111 पर तसींग रोड पर लूट का शिकार हो गया। लूट की सूचना के बाद बहरोड थानाधिकारी वीरेंद्र पाल सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। बहरोड पुलिस से जानकारी हासिल कर हरियाणा बॉर्डर के आसपास गांवों में बदमाशों की तलाश शुरू की गई। थानाधिकारी वीरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि लक्ष्मणगढ थाना क्षेत्र के गांव जावली निवासी सुनील कुमार पुत्र बलबीर सिंह जाति बंजारा तसींग से महिलाओं के समूह से लगभग 1 लाख 40 हजार रुपए लेकर बाइक से बहरोड आ रहा कि इसी दौरान गांव से करीब एक किलोमीटर दूर बाइक सवार तीन बदमाशों ने कलेक्शन एजेंट की बाइक के सामने बाइक लगाते हुए हाथापाई कर रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार गए।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

अलवर, (निसं)। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) के प्रदेश सहसंयोजक डॉ.रमेश बैरवा ने प्रेस नोट जारी कर बताया है कि मंच की ओर से अलवर के मुंडावर तहसील के गांव सुखमणहेडी में दलित परिवारों के घर और खेतों का रास्ता बंद किए जाने की शिकायत इसी 11 जुलाई को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को भेजी थी जिसका आयोग ने संज्ञान ले लिया है। शिकायत में दलित परिवारों के घर और खेतों के रास्ते को अविलंब खुलवाने और मारपीट की धमकी देने वालों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्यवाही करने की मांग की गई है।

ज्ञापन में लिखा था कि अजीब बात है कि देश "आजादी का अमृत महोत्सव" मना रहा है और इधर दलितों के घर और खेत का रास्ता बंद है। दलित आज भी दासता का जीवन जी रहे हैं। दलित सुरक्षित नहीं है।

अवैध ब्लास्टिंग से ग्रामीण परेशान, एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

कोटपूतली, (निसं)। ग्राम पवाना अहीर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय सहित एससी मौहल्ला व सघन आबादी क्षेत्र में अवैध हैवी ब्लास्टिंग का मामला सामने आया है। इस सम्बंध में बडी संख्या में ग्रामीणों ने सरपंच पूरणमल खटीक के नेतृत्व में एसडीएम ऋषभ मण्डल को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में लिखा है कि महेन्द्र गोयल निवासी नीमकाथाना के नाम से आंवटित खनन पट्टा संख्या 5/03 में अवैध ब्लास्टिंग की जा रही है। जबकि उक्त खनन पट्टा में किसी भी प्रकार का खनन नहीं किये जाने को लेकर खान सुरक्षा विभाग अजमेर द्वारा विगत 19 जुलाई को निषेधाज्ञा जारी की गई है। बावजुद इसके धडल्ले से अवैध हैवी ब्लास्टिंग कर खनन किया जा रहा है।

■ उचित कार्यवाही नहीं होने पर धरने की चेतावनी

ज्ञापन में बताया कि वर्षा के मौसम में ब्लास्टिंग व धमाकों से मकानों के गिरने का खतरा पैदा हो गया है। यदि कोई दुर्घटना घटती है तो स्थानीय प्रशासन व खनन विभाग इसका जिम्मेदार होगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 से ही लगातार शिकायतों के बावजुद भी उक्त खान में खनन कार्य रूक-रूक कर जारी है। खनन विभाग व प्रशासन द्वारा जाँच रिपोर्ट में हमेशा उक्त खान को आबादी के नजदीक बताते हुए ब्लास्टिंग की बजाय श्रम के जरिये कार्य करने की रिपोर्ट दी है। खनन पट्टे में अवैध विस्फोटक सामग्री बरामद किये जाने का मामला भी सरूण्ड थाने में दर्ज है। प्रशासन गाँवों के संग अभियान के दौरान भी ग्रामीणों ने इसकी शिकायत प्रशासन से की थी। जिस पर तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा ने ब्लास्टिंग नहीं किये जाने को लेकर पाबंद किया था, लेकिन माईनिंग विभाग की अनदेखी से ग्रामीणों में भारी आक्रोश का माहौल है। खनन ग्रस्त संघर्ष समिति के सचिव राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि जल्द ही इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई तो ग्रामीणों द्वारा एसडीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जायेगा। एसडीएम ने ग्रामीणों को उचित कार्यवाही का आश्वासन भी दिया। इस दौरान विक्रम पिचाणी, जगदीश आर्य, ग्यारसी लाल, नन्दाराम यादव, बिहारी लाल, रामनिवास, मूलचंद आदि मौजूद थे।

मासिक सीजन पास शुरू करने की मांग

फुलेरा, (निसं)। दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत फुलेरा के तत्वावधान में मुख्य वाण्जिय प्रबंधक अर्चना श्रीवास्तव से मुलाकात कर सुबह शाम की सभी ट्रेनों में मासिक सीजन पास की सुविधा चालू कराने के लिए लिखित रूप से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में संघ के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि फुलेरा से हजारों की संख्या में दैनिक रेलयात्री, कोचिंग और कॉलेज के स्टूडेंट्स, कर्मचारी वर्ग सहित आमयात्री जयपुर, किशनगढ , अजमेर, मकराना, कुचामन की तरफ यात्रा करते है। इन सभी यात्रियों को ट्रेनों में मासिक पास सुविधा नहीं मिलने से काफी परेशानी का सामना करना पडता है। साथ ही यह भी बताया कि अजमेर-आगरा फोर्ट में अधिकांशतः लोग सुबह अजमेर, फुलेरा, आसलपुर जोबनेर से जयपुर की तरफ यात्रा करते है। अत: इस ट्रेन में तो तत्काल मासिक पास की सुविधा करवाने का आग्रह किया है।

कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण कर रही है : राठौड़

कोटपूतली, (निसं)। भाजपा नगर मंडल कार्यसमिति की बैठक बुधवार को जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा के निर्देशन व मंडल अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। महामंत्री बालकृष्ण सैनी व जितेंद्र शेखावत, देवेंद्र आर्य ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड का स्वागत किया।

इस मौके पर राठौड़ ने गहलोत सरकार की नाकामियों का वर्णन करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार में राजस्थान अपराध में नम्बर एक हो गया है। कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण कर रही है। खनन माफियाओं के प्रकोप से संत आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार फेल हो चुकी है। भाजपा नेता मुकेश गोयल ने राजनीतिक प्रस्ताव पढा। एवं जिला संगठन प्रभारी सत्यवीर यादव ने अनुमोदन किया। जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा ने बूथ अध्यक्षों द्वारा बनाई गयी फोटोयुक्त बूथ समितियों का सत्यापन किया तथा समस्त बूथ के कार्यकर्ताओं से एकजुटता के साथ संगठन के प्रति समर्पित भाव से काम करने की बात कही। मंडल अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल ने अतिथियों का प्रतीक चिन्ह भेंटकर धन्यवाद ज्ञापित किया।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कार्यताओं को सम्बोधित किया।

संचालन जिला मंत्री रविन्द्र सिंह शेखावत ने किया। महिला मोर्चा अध्यक्ष उषा मित्तल ने सभी के तिलक अक्षत लगाया। इस दौरान जिला महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी, जिलामंत्री

■ भाजपा कोटपूतली नगर मण्डल की कार्यसमिति सम्पन्न

सुभाष चन्द शर्मा, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष एड. हीरालाल रावत, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शंकर लाल कसाना, उपप्रधान प्रतिनिधि एड. राजेन्द्र रहीसा, मण्डल अध्यक्ष एड. रमेश रावत, संजय सिंह नारेहड़ा, कैलाश चन्द स्वामी, पूरणमल सैनी, उपेंद्र शेखावत, पूर्व चेयरमैन एड. महेंद्र सैनी, पुष्कर शर्मा, यादराम जांगल, प्रवीण बंसल, शशि मित्तल, राज सोनी, प्रमोद सैनी, कुलदीप जोशी, भैरूलाल मीणा, सुंदरलाल सैनी, सतीश सैनी, जितेंद्र जलेन्द्रा, विजय आर्य, कमलेश प्रजापत, रमेश किताबवाला, मैथली शरण, अरविंद सैनी, हरद्वारी जांगिड़, महेश सैनी, राहुल सैनी, कमल सैनी, जयप्रकाश सैनी, भूपेंद्र यादव, नवनीत शर्मा, दिनेश दीवान, अभिषेक अग्रवाल, राहुल बंसल समेत अन्य मौजूद रहे।

NAME CHANGE

I Jagdeesh kanwar legally wedded spouse of Army no JC 468640W Rank Ex Hony Lt Girdhar Singh R/O Village post Kolara Teh. Bonali Dist Sawaimadhopur That Have changed my name From JAGDISH DEVI (DOB 11-12-1962) is Wrong Entered my husband service documents TO JAGDEESH KANWAR (DOB 01/01/1964) Vide affidavit dated 28/6/2022 before district notary Sawaimadhopur.

मैंने अपना नाम गोपाल लाल शर्मा से बदलकर गोपाल शर्मा पुत्र गणपत लाल शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी फ्लेट नं. एफ-2, मारूती टॉवर-2, प्लाट नं. डी-97, सिंधु नगर, मुरलीपुरा, जयपुर

खोया पाया

मेरे मकान 12/946 मालवीय नगर जयपुर का मूल आवंटन पत्र, डिक्लेरेशन मालवीय नगर जयपुर में कहीं गिर गये है। मिलने पर सूचित करें- इन्दु गोयर 9982233699

नाम परिवर्तन

नं.15444317P नायक (NASST) कोथळकर अविनाश एकनाथराव, नौबागपुरा अचलपूर, पोस्ट-अचलपूर, जिला-अमरावती (MH) पिन 444806, मेरे आर्मी रिकॉर्ड में गलती से मेरी पत्नी का नाम निशीगंधा गजाननराव वानखेडे दर्ज है, जो कि मेरी पत्नी का विवाह से पूर्व का नाम था, विवाह उपरांत मेरी पत्नी का नाम निशीगंधा अविनाश कोथळकर है, उत्त दोनों नाम एक व्यक्ति के है कृपया रिकॉर्ड में निशीगंधा अविनाश कोथळकर दर्ज किया जावे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या हसीना बानो पत्नी श्री मोहम्मद ज़मील, आयु 61 वर्ष निवासी-मकान नम्बर 44, मेहनत नगर, हटवाडा रोड, सोडाला, जयपुर, राजस्थान के पुत्र मोहम्मद आसिफ पुत्र श्री मो. जमील, उसकी पत्नी संजीदा बानो, इमरान पुत्र श्री मो. जमील व उसकी पत्नी खुशबु व दोनो पुत्रो की सन्ताने मेरी अभिभाष्या के कहे में नही है मेरी अभिभाष्या के साथ बदसलूकी करते है तथा मेरी अभिभाष्या का कहना नहीं मानते है जिस कारण मेरी अभिभाष्या अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से पुत्र मोहम्मद आसिफ पुत्र श्री मो. जमील, उसकी पत्नी संजीदा बानो, इमरान पुत्र श्री मो. जमील व उसकी पत्नी खुशबु व दोनो पुत्रो की सन्ताने को बेदखल करती है। मेरी अभिभाष्या का अब मोहम्मद आसिफ पुत्र श्री मो. जमील, उसकी पत्नी संजीदा बानो, इमरान पुत्र श्री मो. जमील व उसकी पत्नी खुशबु व दोनो पुत्रो की सन्तानो से किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध नही रहा है ना ही भविष्य में होगा। सूचित रहें। भवदीय
कलीमुदीन एडवोकेट, मो.नं. 8947890845

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ओमप्रकाश बखाड़िया पुत्र श्री जगन्नाथ जी बखाड़िया निवासी 99 बल्लभबाड़ी कोटा राजस्थान द्वारा समाचार पत्र दैनिक भास्कर दिनांक 22/07/2022 के अंकन में पृष्ट सं. 19 पर जो आम सूचना दिनांक 21.07.2022 की अपने अधिवक्ता श्री भगवानसिंह एडवोकेट, कोटा से प्रकाशित करवायी है वह आम सूचना गलत है। उक्त ओमप्रकाश ने मेरे अभिभाष्य श्री प्यारे किशन शर्मा पुत्र श्री बालकिशन शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी फुलेरा जिला जयपुर को उपरोक्त भूखण्डों को बेचान करने के लिए अधिकृत करने पर ही उक्त भूखण्डों का बेचान किया है। जो सही किया गया है।
(अजय सिंह एडवोकेट मो.नं. 9261460489)

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-5370 दिनांक-11.07.2022
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 71/186 (HIG), (एरिया 120.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री ज्ञानचन्द अग्रवाल पुत्र श्री मुक्तिलाल अग्रवाल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1984 दिनांक 12.12.1995 को जारी किया गया। श्री ज्ञानचन्द अग्रवाल के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 31.12.1998 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री ज्ञानचन्द अग्रवाल द्वारा उक्त आवास को दिनांक 26.12.2001 के द्वारा श्री प्रमोद कुमार पारीक पुत्र श्री प्रहलाद नारायण पारीक के नाम विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक सांगानेर, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। श्री प्रमोद कुमार पारीक की मृत्यु दिनांक 29.10.2009 हो जाने के कारण पंजीकृत हक्त्याग के आधार इनकी पत्नी श्रीमती मीना पारीक पत्नी स्व. श्री प्रमोद कुमार पारीक द्वारा उक्त आवास को अपने स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्रीमती मीना पारीक पत्नी स्व. श्री प्रमोद कुमार पारीक का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। सम्पदा प्रबन्धक
राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, सांगानेर

सा.विज्ञप्ति नगरनिगम ग्रेटर, जयपुर
क्रमांक: एफ-13( )उप.आयो/ जननिग्रे/2022/199 दि 27.7.2022
छत्रपति शिवाजी गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना रामनाथपुरी के भूखण्ड सं. 93, क्षेत्रफल 777.77 व.ग. का आवासीय से व्यवसायिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन एवं पुर्नगठित भूखण्ड सं. 91-92 से पुर्नगठन कर किये जाने हेतु श्री नितिन चौधरी द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। योजना रामनाथपुरी के भूखण्ड सं. 93 क्षेत्रफल 777.77 व.ग. को आवासीय लीजडीड जविप्रा द्वारा दिनांक 16.02.2001 को श्री नितिन चौधरी के पक्ष में जारी की गई है। आवेदक की भूखण्ड सं. 93 पुर्नगठित भूखण्ड सं. 91-92 के पीछे (दक्षिण दिशा में) स्थित है। पुर्नगठित भूखण्ड सं. 91-92 जिनका व्यवसायिक भू-उपयोग है के उत्तर दिशा में मास्टर प्लान एवं पुर्नगठित साईट प्लान अनुसार 160' चौड़ी सड़क है। जोनल डवलपमेन्ट प्लान में उक्त 160'-0' सड़क के सहारे दर्शित व्यवसायिक भू-पट्टी की चौडाई सड़क की चौडाई की डेढ गुणा अथवा एकल समर्पित गहराई जो भी कम हो है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त भू-उपयोग परिवर्तन एवं पुर्नगठन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति/ सुझाव हो तो इस सूचना के प्रकाशन तिथि से 15 दिन की अवधि तक अपनी आपत्ति /सुझाव कारणों सहित नगर निगम ग्रेटर जयपुर के आयोजना प्रथम शाखा में प्रस्तुत कर सकते हैं।
(महेन्द्र सोनी)आयुक्त, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यह कि एक मकान C-248, भरत मार्ग, सिंह भूमि, खातीपुरा, जयपुर में स्थित है, जिस पर मेरे पिताजी श्रीमान गिरवर सिंह शेखावत जी ने एचडीएफसी लिमिटेड से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त मकान के समस्त असल दस्तावेज एचडीएफसी लिमिटेड में रहन (MORTGAGE) कर रखे हैं। यह कि मेरे पिताजी श्रीमान गिरवर सिंह शेखावत जी का दिनांक 26.12. 2019 को स्वर्गवास हो चुका है तथा उक्त मकान के पेटे लिये हुये ऋण की पूर्ण अदायगी एचडीएफसी लिमिटेड को की जा चुकी है। इसलिये अब मैं उक्त मकान के असल दस्तावेजों को प्राप्त करना चाहता हूँ यदि इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो मय दस्तावेज प्रकाशन तिथी से सात दिवस तक की अवधि में एचडीएफसी लिमिटेड, 1st फ्लोर, उम्मेद मेन्शन, B53 & B54, हनुमान नगर-बी, गौतम मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर, नम्बर- 0141 -6480799 में सम्पर्क करे। सूचित रहे। अजय सिंह शेखावत, आजाद सिंह शेखावत, श्री कंवर (पत्नी)
निवासी :- C-248, भरत मार्ग, सिंह भूमि, खातीपुरा, जयपुर
मोबाइल नंबर :- 9660674444

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाड़ी
क्रमांक-936 दिनांक-26.07.2022
आवश्यक सूचना मूलतः आवास संख्या 5/82 अरावली विहार, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाड़ी श्री ब्रजेन्द्र सिंह सूपा को आवंटन पत्रांक 1642 दिनांक 31.08.2010 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा इनके पक्ष में अदेय प्रमाण पत्र संख्या 128 दिनांक 20.04.2011 को जारी किया जा चुका है। इनके द्वारा उक्त आवास की रजिस्ट्री स्वयं के पक्ष में दिनांक 08.07.2011 को उप पंजीयक भिवाड़ी में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री ब्रजेन्द्र सिंह सूपा की मृत्यु दिनांक 11.10.2019 को हो चुकी हैं। श्रीमती रामपती ने प्रार्थना पत्र, आवश्यक प्रपत्र श्री ब्रजेन्द्र सिंह सूपा की मृत्यु का प्रमाण पत्र एवं पंजीकृत हक्त्याग प्रस्तुत कर निवेदन किया है, उनके पति का स्वर्गवास दिनांक 11.10.2019 को हो जाने के कारण उपरोक्त आवास संख्या 5/82 अरावली विहार, भिवाड़ी जिला अलवर का पंजीकृत हक्त्याग के आधार पर मृत्यु उपरान्त प्रतिस्थापन हस्तांतरण उनके नाम किया जाये। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 5/82 अरावली विहार, भिवांड़ी के संबंध में पिता, पुत्रियाँ, भाई व अन्य किसी रिश्तेदार को किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विषेश या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाड़ी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती रामपती पत्नी स्व. श्री ब्रजेन्द्र सिंह सूपा के पक्ष में उपरोक्त आवास संख्या 5/82 अरावली विहार, भिवाड़ी जिला अलवर का पंजीकृत हक्त्याग के आधार पर मृत्यु उपरान्त प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने की कार्यवाही की जावेगी।
(पी.एल.मीणा) आवासीय अभियन्ता
राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाड़ी

1159
21.7.22
उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राजस्थान)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद संख्या 98/22
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र।
प्रार्थी- नाम मधु देवी गोयनका पत्नी स्व. श्री महावीर प्रसाद गोयनका उर्फ महाबीर प्रसाद गोयनका, जाति महाजन।
विवाद स्थान प्लाट नम्बर डी-60, माधो सिंह रोड, बनीपार्क, जयपुर-302016 (राज.)
मृतक महावीर प्रसाद गोयनका उर्फ महाबीर प्रसाद गोयनका की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक - 23.8.2022
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/ प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम महावीर प्रसाद गोयनका उर्फ महाबीर प्रसाद गोयनका पुत्र स्व. श्री राम बल्लभ गोयनका, जाति महाजन निवासी प्लाट नम्बर डी-60, माधो सिंह रोड, बनीपार्क, जयपुर-302016 (राज.) का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे।
अत: उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 23 माह 08 सन 2022 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 21 माह 07 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से
वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सेशन न्यायालय, जयपुर महानगर द्वितीय
मुहर 21/7/22

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
सं. एसएण्डटी-जेयू-15-2022-23
दिनांक 26.07.22
भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व.दू.उ.प.रे., जोधपुर द्वारा निम्नलिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **1. कार्य का नाम :** जोधपुर मंडल के नियंत्रण कार्यालय में स्थापित आरडीएसओ द्वारा स्वीकृत 12-चैनल वॉयस डेटा लॉगर/मॉनिटर (2 संख्या) के लिए तीन साल हेतु व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध का कार्य। **2. कार्य की अनुमानित लागत :** रुपये 8,86,242/-; **3. ई-निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता:** वरि. मंडल सिंगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जौशी मार्ग, जोधपुर; **4. बयाना राशि (EMD) :** रुपये 17,700/-; **5. ई-निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय :** 17.08.2022 को 15.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस 15.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। **6. वैबसाईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सके एवं खरीद की जा सके :** www.ireps.gov.in
नोटः- यह एक ई टेण्डर है इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैब साईट पर टेण्डर डालें। 575-AN/22
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

कन्हैयालाल की तरह कर्नाटक में भाजपा नेता की गला रेत कर हत्या

मेंगलरु, 27 जुलाई (वार्ता)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक नेता प्रवीण नेट्टारू की मंगलवार देर रात धारदार हथियारों से प्रहार कर हत्या कर दी गयी। जानकारी के मुताबिक प्रवीण नेट्टारू ने उदयपुर के कन्हैयालाल के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थी।

- भाजपा युवा मोर्चा के नेता प्रवीण नेट्टारू ने उदयपुर के कन्हैयालाल के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थी।

इस घटना के बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया और प्रशासन ने कडबा, पूट्टूर और सुल्लिया में धारा 144 के अन्तर्गत निषेधाग्या लागू कर दी है। इस मामले में आठ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने इलाके में दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान, होटल आदि बंद करा दिये हैं। वारदात के बारे में जानकारी के अनुसार प्रवीण बेल्लारे में मंगलवार की रात चिकन की दुकान बंद कर रहे थे कि इसी बीच वहां मोटर साइकिल पर कुछ अज्ञात व्यक्ति आये और उन पर हमला कर दिया।

'भरत सिंह को चिट्ठी मंत्री बना दें ताकि मंत्रिपद ना मिलने की इनकी पीड़ा मिट सके'

लगातार सरकार को चिट्ठियां लिखने वाले भरत सिंह पर आरोप लगाते हुए पूर्व विधायक हीरालाल नागर ने चिट्ठा खोला

- पूर्व विधायक का आरोप है कि, सांगोद विधायक की छत्र-छाया में ब्लॉक अध्यक्ष अवैध शराब माफियाओं से मिलकर जनता को गड्ढे में झोंकने का गलत काम करते आ रहे हैं।

जयपुर, 27 जुलाई (का.प्र.)। कोटा के सांगोद से कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री भरतसिंह कुन्दनपुर की ओर से बार-बार चिट्ठी लिखने की आदत के बाद उन्हें अब राजस्थान सरकार में चिट्ठी मंत्री बनाने की मांग उठी है और यह मांग उठाने वाले और कोई नहीं भाजपा के पूर्व विधायक हैं जोकि इस बार भरत सिंह के सामने चुनाव हार गए थे।

दरअसल भरत सिंह कुंदनपुर की आदत लगातार सरकार को चिट्टियां लिखने की रही है तो इस बार भरत सिंह ने सरकार को चिट्ठी लिखने की बजाय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और भाजपा के पूर्व विधायक हीरालाल नागर को संबोधित करते हुए एक चिट्ठी लिख दी,तो दूसरी ओर हीरालाल नागर ने भी जनता के बीच भरत सिंह की चिट्ठी के बाद का उनका कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया है। दरअसल भरत सिंह कुन्दनपुर ने अपने लैटर हेड पर पत्र लिखते हुए संबोधित किया था कि "मित्रों, आज मैंने एक रोचक खबर पढ़ी, जो मुझसे संबंध रखती है। सांगोद के पूर्व विधायक का सुझाव आया है कि सरकार को लहसुन खरीदने के लिए मैं पत्र लिखूं। सुझाव के लिए धन्यवाद। एक कहावत है हाथी के पैर में सबका पैर। लोकसभा अध्यक्ष लहसुन की खरीद पर बड़े-बड़े बोल बोल चुके हैं। इसलिए अब मेरा बोलना क्या मायने रखता है। सांगोद के इस हीरे को मेरा यह सुझाव है कि आपके पास और सेठ बिरला जी के पास इतना धन है कि सरकार की जगह आप दोनों मिलकर हाड़ौती का सारा लहसुन समर्थन मूल्य पर खरीदकर केबल नगर फैक्ट्री में भरकर रख लें। इसी से आपका और किसान का भला होगा।"

भरत सिंह का यह पत्र सामने आते ही पलटवार करते हुए पूर्व विधायक हीरालाल नागर ने लिखा कि "सांगोद विधायक को सरकार में मंत्री पद नहीं मिल पाने के कारण वह जब से विधायक बने हैं, तब से अपनी ही पार्टी की कांग्रेस सरकार के खिलाफ फड़फड़ाते नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपने मंत्रालय में एक और नया पद "क्रीएट" करते हुए सांगोद विधायक को "चिट्ठी मंत्री" के पद पर सुशोभित करना चाहिए, ताकि उनके मन की मंत्री पीड़ा को राहत मिले।

इसी के साथ नागर ने लैटर में लिखा कि "सांगोद विधायक भरत सिंह कुंदनपुर का पत्र सोशल मीडिया से पढ़ा। मेरे सुझाव पत्र के जवाब में लहसुन खरीद पर सरकार को पत्र लिखने की जगह आपने पत्र में लिखा कि "सांगोद के इस हीरे को मेरा सुझाव है कि आपके पास और सेठ बिरला जी के पास इतना धन है कि सरकार की जगह आप दोनों हाड़ौती का सारा लहसुन मिलकर खरीदकर केबल नगर फैक्टरी में भर कर रख लें। इसी में आपका और किसान का भला होगा।" यह विधायक जी का सुझाव है। इससे पता चल रहा है कि सांगोद विधायक को मौजूदा कांग्रेस सरकार के नेता और अधिकारी कोई महत्व नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण वह बौखला गए हैं। वह विकास और जनहित के मुद्दों पर काम न करके अपनी ही सरकार और देश के सम्मानित लोकसभा अध्यक्ष की गरिमा पर प्रहार कर ओछी भाषाशैली से जनता के जनमत को नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

नागर ने कहा कि जिस तरह धृतराष्ट्र अपने पुत्र मोह में इतना अंधे थे कि उन कौरवों और दुर्योधन के अनैतिक काम और पाप कभी नजर नही आते थे। धृतराष्ट्र की तरह आपको भी पुत्र मोह है या नहीं, मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन आपका जो सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष से विचित्र प्रेम है, वो भी धृतराष्ट्र से कम नहीं है। आप भी उसके विचित्र प्रेम में इतने अन्धे हो कि उसके गलत काम आपको नजर आते हुए भी आप अंधे बनकर धृतराष्ट्र बने बैठे हो। आपकी ओर से लिखी गई कहावत- "कांख में छोरा गांव में ढिंढोरा" की कहावत आप खुद पर ही सटीक साबित होती है। उन्होंने कहा कि कोटा जिले में सबसे बड़ा खनन माफिया सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष है, जिसकी ग्राम पंचायत मामोर में बजरी के अवैध खनन में काम करते पिछले साल 1 मजदूर की मौत हो गई। लेकिन आपने धृतराष्ट्र रूप धारण किया हुआ है। उन्होंने लिखा कि आपणी हाड़ौती कहावत है "बरजी भट्टा खाव, ओरा न परेहज बताव।" सांगोद

विधायक की छत्र-छायां में सांगोद ब्लॉक अध्यक्ष अवैध शराब माफियाओं से मिलकर विधानसभा की भोली भाली जनता को गड्ढे में झोंकने का गलत काम पिछले कई सालों से करते आ रहे हैं। आबकारी कर्मचारियों को खौफ है कि अगर वो कोई कार्यवाही करें, तो आप उनका तबादला करवाकर पूर्व जिला आबकारी अधिकारी शम्भू दयाल मीणा की तरह कहीं डूंगरपुर-बांसवाड़ा तो नहीं करवा देंगे। सांगोद विधानसभा में रिकॉर्डतोड़ भ्रष्टाचार फैला है, जिससे जनता अपने आपको घोर ठगा महसूस कर रही है।

सांगोद विधानसभा में आपके लगाए गए विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के भ्रष्टाचार के मामले सभी के सामने उजागर हैं, जो आए दिन एसीबी में ट्रैप हो रहे हैं।

राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए कि उन्होंने 57 सांसदों को गिरफ्तार करवा दिया और 23 को निलंबित करवा दिया।

प्रश्नः

1. पिछले 45 वर्षों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी क्यों है? प्रति वर्ष 2 करोड़ नौकरियां देने के वादे का क्या हुआ?
2. दही और खाद्य पदार्थ जैसी वस्तुओं पर जी.एस.टी. लगाकर जनता से दो वक्त की रोटी क्यों छीनी जा रही है?
3. खाद्य तेल, पैट्रोल, डीजल और गैस सिलैण्डर की कीमतें आसमान छू रही हैं। जनता को क्या राहत है?
4. एक डॉलर की तुलना में रूपए की वैल्यू 80 क्यों पार कर गई?
5. सेना में पिछले दो वर्षों में कोई भी भर्ती नहीं की गई। युवाओं को "अग्निवीर" के रूप में 4 वर्ष के करार के लिए क्यों बाध्य किया जा रहा है?
6. आप चुप क्यों हैं और लद्दाख तथा अरूणाचल प्रदेश के हमारे क्षेत्र में प्रवेश करने वाली चीन की सेना के लिए आप क्या कर रहे हैं?
7. आपने फसल बीमा के जरिए बीमा कम्पनियों को 40 हजार करोड़ रूपयों का लाभ कमाने में मदद की, लेकिन आप वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के बादे पर क्यों खामोश हैं?
8. किसानों से मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) में संशोधन के वादे का क्या हुआ और किसान आंदोलन में जान गंवा चुके किसानों को क्षतिपूर्ति दिए जाने का क्या हुआ?
9. सीनियर सिटिज़न्स को रेल टिकटों में मिल रही 50 प्रतिशत छूट को क्यों खत्म किया गया? जब खुद के प्रचार में इतना धन खर्च किया जा चुका है तो सीनियर सिटिज़न्स के लिए धन क्यों नहीं है?
10. वर्ष 2014 में भारत सरकार पर जहां 56 लाख करोड़ रू. का कर्ज था, वह अब तेजी से बढ़कर 139 लाख करोड़ हो गया है और मार्च 2023 में 156 लाख करोड़ हो जाएगा। देश को कर्जे में क्यों डुबो रहे हैं?

राहुल ने कहा कि उनकी सूची बड़ी है, लेकिन प्रधानमंत्री को पहले इन 10 प्रश्नों का उत्तर देने दीजिए। उन्होंने आगे कहा कि "कांग्रेस को भयभीत करने के प्रयास से ही आपकी जिम्मेवारी पूरी नहीं हो जाती। हम जनता की आवाज हैं और उसके मुद्दे उठाते रहेंगे।"

कांग्रेस की जनसुनवाई में हंगामा, धारीवाल ने नहीं मानी कांग्रेस पार्षद की बात

धारीवाल बोले-वे कुछ भी कहें, कुछ भी आरोप लगाएं। नगर पालिका ई.ओ. के तबादलों पर 15 जुलाई को ही बैन लगाया है, तबादला नहीं कर सकते

- पार्षद, शाहपुरा पालिका के कांग्रेस पार्षद ईओ का तुरंत तबादला और अध्यक्ष के खिलाफ एसीबी जांच की मांग कर रहे थे।

जयपुर, 27 जुलाई (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस मुख्यालय में मंत्रियों की जनसुनवाई के दौरान भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा से आए कांग्रेस पार्षदों ने जमकर हंगामा किया।

इस दौरान पार्षदों और जनसुनवाई कर रहे नगरीय विकास मंत्री के बीच में कहासुनी हो गई और पार्षद जोर जोर से चिल्लाने लगे। मामला बढ़ता देख कर जनसुनवाई में मौजूद दूसरी मंत्री शकुंतला रावत ने पार्षदों को शांत किया और उनसे अलग से बात की।

दरअसल नगर पालिका शाहपुरा, भीलवाड़ा के कांग्रेस पार्षद और अन्य कांग्रेस नेता शाहपुरा नगर पालिका के अध्यक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए इसकी भी जांच कराने तथा ईओ को हटाने की मांग कर रहे थे। यह पार्षद जब जनसुनवाई में यूडीएच मंत्री से मिले, तो शाहपुरा के कांग्रेस नेताओं की धारीवाल ने मांग नहीं मानी और कह दिया कि ऐसे कोई ट्रांसफर नहीं होते ना किसी अधिकारी को ऐसे हटाया जाता है, इस बात पर पार्षद नाराज हो गए और हंगामा करते हुए चिल्लाने लगे। इस दौरान भीलवाड़ा के स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने मंत्री शांति धारीवाल पर भाजपा के नगरपालिका अध्यक्ष को भ्रष्टाचार के मामले में बचाने और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल के इशारे पर काम करने के आरोप लगाए।

हंगामे के बाद शाहपुरा के कांग्रेस पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने कहा कि हम एक साल से यूडीएच मंत्री से शाहपुरा के नगरपालिका अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। नगरपालिका चेयरमैन के खिलाफ एसीबी में एक साल से केस दर्ज है, लेकिन यूडीएच मंत्री आगे कार्रवाई नहीं करने दे रहे हैं। मंत्री धारीवाल शाहपुरा में बीजेपी विधायक कैलाश मेघवाल के कहने से ही ईओ लगाते हैं, हमारी सुनवाई नहीं होती। हम नगरपालिका ईओ को हटाने की मांग कर रहे हैं, ईओ भाजपा विधायक की सलाह पर काम कर रहा है।

जनसुनवाई दौरान हंगामा करने पर भीलवाड़ा के कांग्रेस नेताओं और पार्षदों की वहां मौजूद सेवादल कार्यकर्ताओं के साथ झड़प भी हुई। हंगामा बढ़ता देख यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के साथ जनसुनवाई कर रहीं उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने बीच बचाव कर पार्षदों को शांत करवाया और उनकी बात सुनी।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नगरपालिका चेयरमैन के खिलाफ एसीबी में एक साल से मुकदमा चल रहा है लेकिन धारीवाल कार्रवाई नहीं होने दे रहे हैं। नगरपालिका चेरयमैन भ्रष्टाचार में डूबा है, लेकिन धारीवाल सुनवाई नहीं करते हैं, इसीलिए आज जनसुनवाई में आए हैं।

पार्षदों के हंगामे के बाद यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि "वे कुछ भी कहें और कुछ भी आरोप लगा सकते हैं। नगरपालिका ईओ का तुरंत तबादला करवाना चाहते थे, लेकिन ईओ के तबादलों पर 15 जुलाई को ही बैन लगा दिया। तबादला नहीं कर सकते।" धारीवाल के साथ पीसीसी की जनसुनवाई में मौजूद उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि "हमारा परिवार बड़ा है, बड़े परिवार में छोटे मोटे झगड़े चलते रहते हैं। मंत्रीजी इनके हैं और ये मंत्री के हैं। इन्हें मंत्रीजी से और मंत्रीजी को इनसे झगड़ने का अधिकार है।"

'सरकार ने "मनी लॉण्डरिंग एक्ट"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने याद दिलाया कि, जब यू.पी.ए. सत्ता में थी, तो अनेक अवसरों पर, भाजपा सदस्यों ने किस तरह से संसद की कार्यवाही ठप्प कर दी थी, "लेकिन उस समय कभी भी ऐसा कठोर कदम नहीं उठाया गया था।" भाजपा के इन आरोपों की काट करते हुये कि, विपक्ष की संसद की चर्चा में रूचि ही नहीं है, गहलोत ने कहा, "जो सदस्य महँगाई, जी.एस.टी.-वृद्धि, बढ़ती बेरोजगारी तथा अग्निवीर के मुद्दे पर बहस कराये जाने की माँग कर रहे थे, उन्हें सदनों से निलम्बित कर दिया गया है।"

आज़ाद ने कहा कि, चूँकि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है, इसलिये वे धरने में भागीदारी नहीं कर सके थे। उन्होंने कहा कि उनके पास कहने के लिये कोई नई चीज नहीं है, क्योंकि उनकी पार्टी के अधिकांश साथी पिछले एक महीने में सब कुछ कह चुके हैं।

लेकिन आज़ाद ने यह तो कहा कि, यह बात उनकी समझ से परे है कि जब इस केस से संबंधित सारे कागजात ई.डी. के पास पहले से ही हैं तो फिर "सोनिया जी से पूछताछ का तुक क्या है, जबकि वे उम्रदराज एवं अस्वस्थ हैं।" उन्होंने कहा, "उनके (ई.डी.) पास अब केवल तकनीकी सवालत बचे हैं।"

उन्होंने यह भी जानना चाहा कि, जब ई.डी. इस केस को बंद करने का निर्णय एक बार ले चुकी थी, तो फिर उसने इस केस को दोबारा क्यों खोला। उन्होंने कहा, "जब ई.डी. ने राहुल जी से पूछताछ कर ली थी, तो फिर सोनिया जी को बुलाने की जरूरत ही क्या थी।"

इस बीच, गांधी की ई.डी. से पूछताछ का विरोध कर रहे कांग्रेस के कई सांसदों और कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। जिन नेताओं को गिरफ्तार किया गया, उनमें राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई, के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश, शक्तिसिंह गोहिल, रणजीत रंजन और मनिकम टैगोर शामिल थे। उन्हें एक एक बस में किंग्सवे कैम्प पुलिस लाइन ले जाया गया।

कांग्रेस सांसदों ने विजय चौक से राष्ट्रपति भवन तक एक विरोध मार्च निकाला। गिरफ्तार किए गए कांग्रेस सांसद, मनीष तिवारी ने कहा कि, वे आम आदमी की आवाज संसद में उठाना चाहते हैं। ई.डी. की पूछताछ, कांग्रेस द्वारा प्रमोट की गई कंपनी, यंग इण्डियन प्राइवेट लिमिटेड में बरती गईं कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। नैशनल हैरल्ड अखबार का मालिकाना हक यंग इण्डियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है।

सरकार का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रकाशित की थी। वहीं इस "रिसर्च" पेपर में यह भी सामने आया कि, एन.ए.बी.एच. द्वारा प्रमाणित 945 अस्पतालों में से केवल 18 ऐसे अस्पताल थे, जो किसी मैडिकल कॉलेज से जुड़े हुए थे, यानी पूरे देश में ऐसे मैडिकल कॉलेज बहुत कम हैं, जिनके अस्पताल और लैब दोनों सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रमाणित हैं। राजस्थान में एक भी ऐसे सरकारी अस्पताल या सरकारी कॉलेज से जुड़े अस्पताल की मैडिकल लैब नहीं है, जो केन्द्र सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रमाणित हो। एक चिकित्सक ने, नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, "अधिकांश मैडिकल विद्यार्थी सरकारी मैडिकल कॉलेजों में ही पढ़ते हैं और वे इन्हीं कॉलेजों में "करप्ट प्रैक्टिस" भी सीख लेते हैं और उसके आदी भी हो जाते हैं।"

बार में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की भूमिका से इन्कार किया था। फिर भी कांग्रेस नेता यह जानना चाहते हैं कि, मैन्यु में गाय के मांस के व्यंजनों का उल्लेख कैसे है, जबकि यह उनकी पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ है क्योंकि भाजपा गाय की हत्या के विरुद्ध है।

गोवा में गाय का मांस प्रतिबंधित नहीं है और इसे राज्य के कई रैस्त्रां में बेचा जाता है। अतः मंत्री इस बात को पकड़ कर यह कह सकती हैं, कि गाय के मांस के व्यंजन बेचना अवैध नहीं है।

महिला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वार की सीढ़ियों पर बैठे अन्य सांसदों में मानिकराम टैगोर (तमिलनाडू), टी.एन. प्रताप और राम्या हरिदास (दोनों केरल से) भी थे।" कांग्रेस सांसदों ने, राहुल गांधी एवं राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में, सरकार द्वारा कीमत वृद्धि और खाद्य पदार्थों पर बढ़ाई गई जी.एस.टी. की नई दरों जैसे सार्वजनिक महत्व के मुद्दे उठाने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया। संसद के आहाते से बाहर आकर उन्होंने निकट के विजय चौक पर गिरफ्तारी दी। यहां उन्हें मंगलवार को भी तब गिरफ्तार किया गया था, जब वे राहुल और खड़गे के साथ राष्ट्रपति भवन तक मार्च करने की कोशिश कर रहे थे। वे राष्ट्रपति को अवगत करवाना चाहते थे कि मोदी राज में क्या हो रहा है। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) द्वारा सोनिया गांधी से तीसरे दिन भी पूछताछ की और इसके विरोध में सांसदों ने, "ई.डी. का दुरूपयोग बंद करो" के बैनर उठा रखे थे।

'तृणमूल के 38 विधायक पार्टी छोड़ना चाहते हैं'

कोलकाता, 27 जुलाई। बीते साल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के जरिए बंगाल की राजनीति में एंट्री करने वाले मिथुन चक्रवर्ती ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने दावा किया है कि टीएमसी के 38 विधायक भाजपा के संपर्क में हैं।

डब्ल्यु.एच.ओ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की चुनौतियों को देखते हुए इसके कई केस अचिन्हित भी हो सकते हैं।हाल ही मिले केसों का जो अध्ययन किया जा रहा है, उसके अनुसार मंकीपॉक्स के प्रसार का कारण मानव से मानव संपर्क माना जा रहा है। मंकीपॉक्स से ग्रसित किसी व्यक्ति के साथ "इन्टिमेट कॉन्टैक्ट" से आपको अधिक खतरा हो सकता है, बजाए उस स्थिति के जिसमें आप किसी संक्रमित व्यक्ति के आसपास हों। किसी भी स्थिति में, इसके लिए उचित निरोधक (प्रिवैंटिव) उपाय करने की जरूरत है। डब्ल्यु.एच.ओ. द्वारा मंकीपॉक्स प्रकोप को एक वैश्विक आपात स्थिति घोषित किए जाने के कारण इसको लेकर बहुत चिंताए और गलत जानकारियां प्रकट की जाती रही हैं। हाल ही मिले केसों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति शारीरिक संपर्क, वीर्य, श्वसन कणों, लार, फफोलों और चकत्तों के कारण भी मंकीपॉक्स से संक्रमित हो सकता है।

महाराष्ट्र में 30 जून से नयी सरकार ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पड़ा। भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने उनसे साफ कह दिया था कि, यह कोई प्रस्ताव या पेशकश नहीं है जिससे वे इनकार कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने फड़नवीस से कह दिया था कि, शिन्दे सरकार में शामिल न होना उनके कैरियर को सीमित कर देने वाला कदम सिद्ध हो सकता है। शाह ने उन्हें अपनी उदारता सिद्ध करने तथा शिन्दे सरकार को स्थायित्व प्रदान करने की सलाह दी। शाह ने फड़नवीस की आशाओं को जीवित रखते हुए आश्वासन दिया था कि, राजनीति में कभी भी आश्चर्यों की कमी नहीं रहती, यह सदैव आश्चर्यों से भरी रहती है।

भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व इस बात को लेकर चिन्तित था कि फड़नवीस मुम्बई में एक प्रतिद्वन्द्वी सत्ता केन्द्र बन सकते हैं। फड़नवीस इस समय साथ तो हैं, लेकिन हिस्सेदारी एवं जिम्मेदारी अभी तक दिखाई नहीं दे रही। परिणामस्वरुप, भारत के दूसरा सबसे बड़े औद्योगिक राज्य, महाराष्ट्र की सरकार को आज केवल दो व्यक्ति चला रहे हैं। कोई मंत्रिमंडल न होने की स्थिति में, एक विवादास्पद कार-शैड-प्रोजक्ट के लिये मुम्बई के आरे जंगल में पेड़ों को काटने का निर्णय ले लिया गया है। ठाकरे ने इस प्रोजेक्ट को पर्यावरण के लिहाज से अनुपयुक्त बताते हुए नकार दिया था।

यह दो सदस्यीय मंत्रिमंडल, कम से कम पाँच बार, दिल्ली के चक्कर लगा आया है, तथा शाह और नड्डा से मुलाकात की है, मंत्रालयों को लेकर आ रहे गतिरोध को समाप्त करवाने के लिए। लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई सफलता नहीं मिली है।

शिन्दे सार्वजनिक निर्माण विभाग, गृह तथा वित्त जैसे "बड़े" मंत्रालयों को अपने नियंत्रण में लेने पर अड़े हुये हैं। फड़नवीस, दूसरे नम्बर के पद के साथ समायोजन बिठाते हुये, उदारता दिखाने के बावजूद, थोड़ा भारी -भरकम मंत्रालय ही चाहते हैं।

भाजपा महाराष्ट्र विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी है तथा पार्टी के शिन्दे विरोधी गुट, भाजपा को शून्य जवाव देही तथा शून्य सत्ता की बात कह कर नुक्ता चीनी कर रहे हैं। भाजपा विधायक अपने असंतोष एवं कुंठा को व्यक्त करते हुये कह रहे हैं कि "हमें क्या मिला," क्योंकि फड़नवीस को कम से कम उपमुख्यमंत्री पद की सारी सुख-सुविधाएं तो मिल गईं।

फड़नवीस और शिन्दे अपने कानूनी विशेषज्ञों के साथ भी घंटों विचार-विमर्श कर रहे हैं क्योंकि उद्धव ठाकरे गुट ने सर्वोच्च न्यायालय में केस दायर करके, नई सरकार की वैधता को चुनौती दे रखी है। इसके अलावा, ठाकरे गुट शिवसेना के चुनाव चिन्ह "तीर - कमान" के लिये भी संघर्षरत है।

महाराष्ट्र में शांतिपूर्ण सत्ता-परिवर्तन संभव बनाने के बाद, अब शिन्दे -समर्थक विधायक भी इस बदलाव का लाभ लेने के लिये उत्सुक एवं उतावले हो रहे हैं। आठ मंत्रियों सहित, 40 बदलबदलू विधायकों से उच्चतर दर्जे के वादे किये गये थे। शिन्दे के पास अब उन विधायकों के रोजाना फोन आ रहे हैं, जिनकी वजह से यह सत्ता परिवर्तन सम्भव हुआ था।

महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के अगस्त में शुरु होने की संभावना है तथा शिन्दे और फड़नवीस दोनों ही चाहेंगे कि उससे पहले मंत्रिमंडल बन जाये।

बृहन्मुम्बई, म्यूनिसियल कॉर्पोरेशन (बी.एम.सी.) के सर्वाधिक महत्वपूर्ण चुनाव आने वाले हैं। ज्ञातव्य है कि बी.एम.सी. देश का सर्वाधिक धनवान निगम है, जिसका वार्षिक बजट 45000 करोड़ रु. का है। इस चुनाव में, ठाकरे-सेना तथा शिन्दे-सेना के बीच पहला चुनावी टकराव होगा तथा दोनों ही पक्ष इसमें अपनी पूरी ताकत लगा देंगे।

ठाकरे गुट के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि "सरकार तो बनती नहीं, बी.एम.सी. चुनाव जीतेंगे।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908